धनबाद
सोमवार 08.06.2026
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-32 अंक-106 पृष्ठ- 12
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष-8
संवत 2083

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑबजर्वर

भारत-इंडोनेशिया संयुक्त आयोग की 8वीं बैठक में रक्षा, समुद्री सुरक्षा, व्यापार और रणनीतिक साझेदारी पर हुई व्यापक चर्चा

सुगियोनो बोले- भारत आने का बहाना ढूंढता रहूंगा ✪ भारतीय मेहमाननवाजी की तारीफ

नई दिल्ली (ईएमएस): भारत और इंडोनेशिया के बीच द्विपक्षीय संबंधों को नई गति देने के उद्देश्य से रविवार को नई दिल्ली में भारत-इंडोनेशिया संयुक्त आयोग (जॉइंट कमीशन) की ८वीं बैठक आयोजित की गई। बैठक में दोनों देशों के बीच राजनीतिक, रक्षा, समुद्री सुरक्षा, व्यापार, निवेश, स्वास्थ्य, शिक्षा और सांस्कृतिक सहयोग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक चर्चा हुई।

बैठक की संयुक्त अध्यक्षता भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और इंडोनेशिया के विदेश मंत्री सुगियोनो ने की। इस दौरान इंडोनेशियाई विदेश मंत्री ने भारत की मेहमाननवाजी की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें यहां हमेशा विशेष सम्मान और अपनापन महसूस होता है। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, मैं कुछ सप्ताह पहले भी नई दिल्ली आया था और आगे भी भारत आने का कोई न कोई बहाना ढूंढता रहूंगा। उनके इस बयान ने बैठक के दौरान सौहार्दपूर्ण माहौल को और मजबूत किया।

बैठक के उद्घाटन सत्र में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि चार वर्षों के अंतराल के बाद आयोजित हो रही यह संयुक्त आयोग बैठक दोनों देशों के संबंधों को नई दिशा देने का अवसर है। उन्होंने याद दिलाया कि वर्ष २०२५ में भारत और इंडोनेशिया ने अपने राजनयिक संबंधों की ७५वीं वर्षगांठ मनाई थी। साथ ही उन्होंने इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो की भारत यात्रा और ७६वें गणतंत्र दिवस समारोह में उनकी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे दोनों देशों की व्यापक रणनीतिक साझेदारी को नई ऊर्जा मिली है।

जयशंकर ने कहा कि भारत और इंडोनेशिया हिंद-प्रशांत क्षेत्र के दो महत्वपूर्ण साझेदार हैं और दोनों देशों के बीच सहयोग के अनेक क्षेत्र मौजूद हैं। उन्होंने रक्षा एवं सुरक्षा, समुद्री सहयोग, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, फार्मास्यूटिकल्स, पर्यटन, शिक्षा तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया।

इंडोनेशियाई विदेश मंत्री सुगियोनो ने कहा कि २०२२ के बाद आयोजित यह बैठक दोनों देशों के बीच सहयोग की प्रगति की समीक्षा करने और भविष्य की दिशा तय करने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के बीच हुई चर्चाओं के परिणामों को आगे बढ़ाने में यह बैठक अहम भूमिका निभाएगी। उल्लेखनीय है कि भारत और इंडोनेशिया के बीच संयुक्त आयोग तंत्र की स्थापना वर्ष २००१ में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) के तहत की गई थी।

इससे पहले सातवीं संयुक्त आयोग बैठक जून २०२२ में नई दिल्ली में आयोजित हुई थी। दोनों देशों ने इस बार भी रणनीतिक साझेदारी को ठोस परिणामों में बदलने और क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई।

नीति आयोग की बैठक में झारखंड की विकास प्राथमिकताओं को रखेंगे मुख्यमंत्री

विभागों से मांगी गई विस्तृत रिपोर्ट

रांची (एजेंसी): नीति आयोग की शासी निकाय (गवर्निंग काउंसिल) की ११वीं बैठक ११ जून २०२६ को नई दिल्ली में आयोजित होगी। बैठक में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन झारखंड की विकास प्राथमिकताओं, राज्य के समक्ष मौजूद चुनौतियों तथा केंद्र से अपेक्षित सहयोग को प्रमुखता से उठाएंगे।

बैठक की तैयारियों को लेकर योजना एवं विकास विभाग ने सभी विभागों से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। विभागों को अपनी प्रमुख उपलब्धियों, नवाचारों, योजनाओं की प्रगति तथा नीति आयोग के समक्ष रखे जाने योग्य विषयों की जानकारी उपलब्ध कराने को कहा गया है, ताकि मुख्यमंत्री के अभिभाषण को अंतिम रूप दिया जा सके।

सूत्रों के अनुसार, झारखंड सरकार बैठक में खनिज संपदा से समृद्ध राज्यों के लिए विशेष सहायता, आदिवासी बहुल क्षेत्रों के विकास, सिंचाई परियोजनाओं के विस्तार, ग्रामीण सड़क एवं आधारभूत संरचना निर्माण, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण, रोजगार सृजन तथा कौशल विकास से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठा सकती है।

इसके अलावा राज्य लंबे समय से लंबित केंद्रीय देयताओं, कोयला एवं खनिज रॉयल्टी से जुड़े विषयों, वन क्षेत्रों में विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों तथा केंद्र प्रायोजित योजनाओं में राज्यों की हिस्सेदारी से संबंधित मुद्दों पर भी अपना पक्ष रख सकता है।

बैठक में विकसित भारत के लक्ष्य के अनुरूप राज्यों की भूमिका, निवेश आकर्षित करने की रणनीति, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने तथा सुशासन एवं जन शिकायत निवारण (ग्रीवांस रिड्रेसल) प्रणाली को और प्रभावी बनाने जैसे विषयों पर भी चर्चा होने की संभावना है।

झारखंड सरकार का प्रयास है कि नीति आयोग के मंच पर राज्य की विकास संबंधी जरूरतों और उपलब्धियों को मजबूती से रखा जाए, ताकि विभिन्न क्षेत्रों में केंद्र से अपेक्षित सहयोग और संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित हो।

भारत-नेपाल के बीच यूपीआई लिंक लॉन्च

नई दिल्ली (ईएमएस): भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने नई दिल्ली में नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल से मुलाकात की। बैठक के दौरान भारत और नेपाल के बीच यूपीआई और नेपाल के नेशनल पेमेंट सिस्टम को जोड़ा गया। इससे दोनों देशों के लोगों के लिए सीमा पार पैसा भेजना आसान होगा। भारत ने २०१५ के भूकंप के बाद चल रहे पुनर्निर्माण कार्यक्रम के तहत नेपाल को ७२ हेल्थ फैसिलिटी और १२ सांस्कृतिक विरासत परियोजनियां भी सौंपीं। इसके अलावा काठमांडू यूनिवर्सिटी और भारत की 'डिजिटल इंडिया भाषिणी' के बीच समझौता हुआ। इसके तहत नेपाल के लिए वॉइस फर्स्ट भाषा ट्रांसलेशन प्लेटफॉर्म तैयार किया जाएगा।

ग्रामीण: ##

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 की थीम होगी 'योग फॉर हेल्दी एजिंग'

नई दिल्ली (ईएमएस): केंद्र सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस २०२६ के लिए 'योग फॉर हेल्दी एजिंग' यानी स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग को केंद्रीय विषय बनाने का निर्णय लिया है। केंद्रीय आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि दुनिया तेजी से वृद्ध होती आबादी और जीवनशैली संबंधी बीमारियों की चुनौती का सामना कर रही है, ऐसे में योग एक प्रभावी और सुलभ समाधान प्रदान करता है।

केंद्रीय आयुष मंत्री जाधव ने योग दिवस संबंधी जानकारी साझा करते हुए बताया कि २१ जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का मुख्य राष्ट्रीय कार्यक्रम कोलकाता में आयोजित किया जाएगा। मंत्री ने कहा है, कि अब केवल जीवन प्रत्याशा बढ़ाने पर नहीं, बल्कि स्वस्थ, सक्रिय और सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करने पर ध्यान देना आवश्यक है।

केंद्रीय मंत्री जाधव ने इस अवसर पर कहा, कि योग शारीरिक चुस्ती, मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक संतुलन और समग्र कल्याण को बढ़ावा देता है। उन्होंने बुजुर्ग नागरिकों से योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की अपील भी की।

झारखंड के 1.5 टन आम्रपाली आम लंदन रवाना

नई दिल्ली (ईएमएस): भारतीय आमों के निर्यात को लेकर हाल के दिनों में जहां जापान द्वारा कुछ प्रीमियम किस्मों के आयात पर अस्थायी रोक की खबरें चर्चा में रहीं, वहीं अब ब्रिटेन ने भारतीय आमों पर भरोसा जताते हुए झारखंड के प्रसिद्ध आम्रपाली आमों की १.५ टन की खेप मंगाई है। यह खेप लंदन के लिए रवाना कर दी गई है, जिसे झारखंड राज्य के कृषि निर्यात क्षेत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। ▶▶ 8

टीएमसी में बढ़ा सियासी संकट, अभिषेक अचानक पहुंचे दिल्ली

'ऑपरेशन क्राउन प्रिंस' से ममता बनर्जी की चिंता बढ़ी

नई दिल्ली (ईएमएस): पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के भीतर जारी राजनीतिक उथल-पुथल अब नए मोड़ पर पहुंचती दिखाई दे रही है। विधानसभा चुनाव हारने के बाद बड़े पैमाने पर हुई बगावत के बाद अब पार्टी के संसदीय दल में भी फूट की आशंकाएं जताई जा रही है। इसी बीच टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी का अचानक दिल्ली पहुंचना राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है।

सूत्रों के मुताबिक, पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने स्वयं अभिषेक बनर्जी को अपने प्रस्तावित दौरे से एक दिन पहले दिल्ली भेजने का फैसला किया। हालांकि, दिल्ली में उनके कार्यक्रम और संभावित बैठकों को लेकर पार्टी के भीतर भी स्पष्टता नहीं है। कई सांसदों ने इस संबंध में किसी आधिकारिक जानकारी से अनभिज्ञता जताई है। अभिषेक बनर्जी का यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब सोमवार को उन्हें कथित फर्जी हस्ताक्षर विवाद से जुड़े मामले में सीआईडी के समक्ष पेश होना है। उन्होंने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देकर अतिरिक्त समय मांगा था, लेकिन जांच एजेंसी ने उनकी मांग स्वीकार नहीं की। ऐसे में दिल्ली यात्रा को लेकर कई तरह की राजनीतिक व्याख्याएं ▶▶ 8

ओडिशा में इंजीनियर निकला करोड़ों का मालिक, 9 ठिकानों पर विजिलेंस ने मारा छापा

पांच बहुमंजिला इमारतें, 13 प्लॉट, सोने के गहने और लॉकरों में 2.4 करोड़ कैश मिला

भुवनेश्वर (ईएमएस): ओडिशा के असिस्टेंट एग्जीक्यूटिव इंजीनियर बैकुंठनाथ बेहरा के पास करोड़ों की संपत्ति का खुलासा हुआ है। बेहरा कंधमाल जिले के बलिगुड़ा स्थित एकीकृत जनजातीय विकास एजेंसी में पदस्थ हैं। उनका १९९९ में जूनियर इंजीनियर के पद पर अपॉइंटमेंट हुआ था। तब सैलरी ६ हजार रुपए थी। ओडिशा विजिलेंस को बेहरा के पास आय से ज्यादा संपत्ति होने की शिकायत मिली थी। इसके बाद सर्च वारंट के आधार पर विजिलेंस ने भुवनेश्वर, जाजपुर, बारिपदा और कंधमाल जिले के कुल ९ ठिकानों पर एक साथ छापे मारे।

इस दौरान पांच बहुमंजिला इमारतें, १३ प्लॉट, सोने के गहने और बैंक लॉकरों से करीब २.४ करोड़ कैश मिला है। सभी संपत्तियों की कीमत करोड़ों में आंकी जा रही है। इसे हाल के वर्षों की सबसे बड़ी आय से ज्यादा संपत्ति की कार्रवाइयों में एक है। भुवनेश्वर के चार इलाकों के अलावा जाजपुर जिले के धर्मशाला स्थित पैतृक घर, रिश्तेदारों के घर, सरकारी क्वार्टर और ऑफिस में भी तलाशी ली गई। कार्रवाई में दो एडिशनल एसपी, पांच डीएसपी, छह इंस्पेक्टर और बड़ी संख्या में अन्य अधिकारियों को लगाया गया था। ▶▶ 8

सेल और भेल का छिन सकता है 'महारत्न' दर्जा

नई दिल्ली (ईएमएस): केंद्र सरकार ने दो बड़ी सरकारी कंपनियों - स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) और भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) को एक साल की 'वॉचलिस्ट' में डाल दिया है। ये कंपनियां 'महारत्न' का दर्जा बनाए रखने के लिए ज़रूरी मुख्य वित्तीय मानदंडों को पूरा करने में नाकाम रहीं। अगर ये दोनों सरकारी कंपनियां तय समय में अपने वित्तीय प्रदर्शन में सुधार नहीं कर पाती हैं, तो उन्हें 'नवरत्न' कंपनियों के दर्जे पर लाया जा सकता है। 'महारत्न' का दर्जा शुरू होने के बाद से ऐसा पहली बार होगा। दोनों कंपनियां पिछले तीन वर्षों के दौरान ५,००० करोड़ रुपये से ज़्यादा का औसत सालाना मुनाफा बनाए रखने की शर्त को पूरा करने में नाकाम रहीं। हालांकि, ये कंपनियां अन्य पात्रता शर्तों को पूरा करती हैं, जैसे कि २५,००० करोड़ रुपये से ज़्यादा का औसत सालाना टर्नओवर, १५,००० करोड़ रुपये से ज़्यादा की नेट वर्थ और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी मौजूदगी; लेकिन उनका मुनाफा तय बेंचमार्क से कम रहा है। कैबिनेट सेक्रेटरी टीवी सोमनाथन की अध्यक्षता वाली एक समिति ने केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के प्रदर्शन की समीक्षा की और सेल और भेल को नोटिस में रखने की सिफारिश की।

राज्यसभा में मजबूत हो सकता है एनडीए

नई दिल्ली (ईएमएस): राज्यसभा में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की स्थिति आने वाले महीनों में और मजबूत हो सकती है। हाल के राजनीतिक घटनाक्रमों और विभिन्न दलों में बदलते समीकरणों के बाद भाजपा नेतृत्व वाले गठबंधन के लिए उच्च सदन में दो-तिहाई बहुमत जुटाने की संभावनाओं पर चर्चा तेज हो गई है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार पश्चिम बंगाल में टीएमसी की टूट, आम आदमी पार्टी के कुछ सांसदों के भाजपा खेमे में जाने और विभिन्न राज्यों में बदलते राजनीतिक समीकरणों ने एनडीए की स्थिति को मजबूत किया है।

री-नीट परीक्षा की सिटी स्लिप जारी, 21 को होगा एग्जाम

नई दिल्ली (ईएमएस): नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने री-नीट यूजी परीक्षा के लिए एग्जाम सिटी इंटीमेशन स्लिप जारी कर दी है। अभ्यर्थी आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर यह जानकारी प्राप्त कर सकते हैं कि उनकी परीक्षा किस शहर में आयोजित होगी।

एनटीए ने स्पष्ट किया है कि यह केवल परीक्षा शहर की जानकारी देने वाली स्लिप है, इसे प्रवेश पत्र नहीं माना जाए। विस्तृत एडमिट कार्ड अलग से जारी किया जाएगा। परीक्षा २१ जून को दोपहर २ बजे से शाम ५:१५ बजे तक ऑफलाइन मोड में आयोजित की जाएगी।

पुर्तगाल में फायरिंग के बाद विदेशी धरती पर गैंगवार की चर्चा तेज

नई दिल्ली (ईएमएस): पुर्तगाल में हुई एक कथित फायरिंग घटना के बाद विदेशों में सक्रिय भारतीय मूल के आपराधिक गिरोहों के बीच गैंगवार की चर्चाएं तेज हो गई हैं। सोशल मीडिया पर वायरल पोस्टों में राहुल आर.के. मीणा और सुनील मीणा गैंग का नाम सामने आया है, हालांकि इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

वायरल पोस्टों में दावा किया गया है कि पुर्तगाल के विला नोवा डी मिलफोंटेस क्षेत्र में एक कथित प्रतिद्वंद्वी गिरोह के ठिकाने पर कई राउंड फायरिंग की गई।

मानसून देश के सात राज्यों में पहुंचा मध्यप्रदेश-राजस्थान में आंधी के साथ बारिश

नई दिल्ली (ईएमएस): मानसून महाराष्ट्र के देवगढ़ पहुंच गया है। अनुमान है कि अगले दो में यह पूरे महाराष्ट्र को कवर कर लेगा। पूर्वोत्तर के मिजोरम और मणिपुर में भी मानसून पहुंच चुका है। सम विभाग का अनुमान है कि अगले दो दिन में यह महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश के बाकी हिस्सों के साथ तेलंगाना और पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों में पहुंच सकता है।

मानसून के कारण केरलम, कर्नाटक, गोवा और तमिलनाडु में कई जिलों में भारी बारिश हो रही है। हालांकि चेन्नई में लगातार ५वें दिन पारा ४० डिग्री का आंकड़ा पार कर गया। उत्तर भारत में भी पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ दिल्ली, यूपी, पूर्वी राजस्थान में तेज गर्मी का दौर दोबारा शुरू हो गया है। यहां कई इलाकों में लू का अलर्ट जारी किया गया है। देश में गुजरात को छोड़कर अन्य सभी राज्यों में प्री-मानसून बारिश हो रही है। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार, झारखंड, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश समेत नॉर्थ ईस्ट के राज्यों में शनिवार को तेज बारिश हुई।

मध्यप्रदेश में भोपाल समेत चार जिलों में ५०किमी की रफ्तार से आंधी चली। राजस्थान के बीकानेर में बारिश के साथ ओले गिरे। यूपी के मऊ और गाजीपुर में भी शनिवार को बारिश हुई। तीन दिन की देरी से पहुंचने के बाद मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है। चार दिन के अंदर इसने ७ राज्यों को कवर किया है। शनिवार को मानसून ने आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, मिजोरम और मणिपुर में एंट्री की। इससे पहले शुक्रवार को कर्नाटक, तमिलनाडु और गोवा में पहुंचा था। केरलम में मानसून चार जून को पहुंच गया था। आईएमडी के मुताबिक अगले तीन दिनों में मानसून पूर्वोत्तर के सभी राज्यों और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों तक पहुंच सकता है।

अवैध प्रवासियों को लेकर भारत-बांग्लादेश सीमा पर बढ़ा तनाव

रोजाना 200-300 लोगों का हो रहा सत्यापन ● दस्तावेजों के अभाव में फंसे हजारों लोग

कोलकाता (ईएमएस): पश्चिम बंगाल के उत्तर २४ परगना जिले स्थित हकीमपुर चेकपोस्ट इन दिनों एक असामान्य स्थिति का गवाह बन रही है। वर्षों से भारत में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिक अब स्वयं सामने आकर अपनी पहचान दर्ज करा रहे हैं और बांग्लादेश लौटने की इच्छा जता रहे हैं। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के अधिकारियों के अनुसार प्रतिदिन २०० से ३०० लोग सत्यापन के लिए चेकपोस्ट पहुंच रहे हैं, जिससे वहां लंबी कतारें लग रही हैं। सीमा पर ऐसे लोगों की भीड़ बढ़ने से तनाव जैसे हालात बन गए हैं।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार ऐसे तमाम लोगों को सीधे सीमा पार भेजने के बजाय उनका बायोमीट्रिक सत्यापन और दस्तावेजों की जांच की जा रही है। इसके बाद उन्हें राज्य सरकार द्वारा बनाए गए होल्डिंग सेंटरों में भेजा जा रहा है। कई ऐसे लोग भी हैं जो वर्षों से भारत में रह रहे हैं और उनके पास आधार कार्ड सहित भारतीय दस्तावेज तो हैं, लेकिन बांग्लादेशी पहचान संबंधी कोई प्रमाण नहीं है। यही स्थिति उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती बन गई है।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर मौजूदा स्थिति को लेकर बीएसएफ के एक अधिकारी ने मीडिया को बताया, कि यह पहली बार है जब अवैध प्रवासियों को खोजने की आवश्यकता नहीं पड़ रही, बल्कि वे स्वयं अपनी पहचान दर्ज कराने पहुंच रहे हैं। स्थानीय सामाजिक संगठन 'भूखा मानुसेर अधिकार अभियान' के अनुसार सत्यापन कराने वाले अधिकांश लोग बांग्लादेश के विभिन्न जिलों से वर्षों पहले अवैध रूप से भारत आए थे। इस बीच उन लोगों की चिंता ज्यादा बढ़ गई है, जिनके पास किसी भी देश के नागरिक होने के प्रमाण नहीं हैं। ऐसे लोगों को आशंका है कि यदि दोनों देशों में से किसी ने भी उन्हें स्वीकार नहीं किया तो उनका भविष्य अनिश्चित हो जाएगा।

बंगाल में बने 11 होल्डिंग सेंटर

गृह मंत्रालय के निर्देश पर पश्चिम बंगाल में ११ होल्डिंग सेंटर बनाए गए हैं। सबसे अधिक प्रभावित उत्तर २४ परगना जिले के तेतुलिया में एक होटल को अस्थायी होल्डिंग सेंटर में बदला गया है। राज्य सरकार के अनुसार इन केंद्रों में फिलहाल एक हजार से कम लोग रह रहे हैं, जहां भोजन, चिकित्सा और बच्चों के लिए बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

अवैध प्रवासियों को सीमा में जबरन धकेलने का आरोप

दूसरी ओर, बांग्लादेश बॉर्डर गार्ड (बीजीबी) ने भारत पर अवैध प्रवासियों को सीमा में धकेलने की कोशिश का आरोप लगाया है। बांग्लादेश ने सीमा पर निगरानी और सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ा दी है। बांग्लादेश की विदेश राज्य मंत्री शमा ओबायद इस्लाम ने भी चेतावनी दी है कि किसी भी व्यक्ति को एकतरफा तरीके से सीमा पार भेजने की कोशिश दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ा सकती है। इस तरह से दोनों ही देशों की सीमा पर तनाव बराबर बना हुआ है। ▶▶ 8

संपादकीय

अग्निकांडः जांच के बाद खामोशी...

किसी भी हादसे का सबसे जरूरी सबक यह होना चाहिए कि भविष्य में ऐसे इंतजाम किए जाएं, ताकि वैसी घटना दोबारा न हो। मगर ऐसा लगता है कि आए दिन इमारतों में आग लगने और उसमें लोगों की जान जाने की घटनाओं से कोई सबक नहीं लेने की लापरवाही एक सामान्य चलन बन चुकी है।

राजधानी दिल्ली में एक इमारत में आग लगने की वजह से इक्कीस लोगों की जान चली गई। उसके अगले ही दिन बिहार के मुजफ्फरपुर में एक निजी अस्पताल के सघन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) में गुरुवार को भीषण आग लग गई, जिसमें पांच लोगों के मरने की खबरें आईं। इस घटना ने एक बार फिर स्वास्थ्य सेवाओं में व्यवस्थागत कमियों की कलई खोल दी है।

आमतौर पर किसी भी अस्पताल में मरीज इस उम्मीद में इलाज कराने जाते हैं, ताकि उनकी जिंदगी बच सके। मगर जब वहां अति सुरक्षित माने जाने वाले कक्ष में ही उनकी जान पर बन आए, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है? अस्पतालों में सुरक्षा नियमों की जिस तरह अनदेखी हो रही है, उससे स्पष्ट है कि चिकित्सा एक ऐसे व्यवसाय का रूप ले चुकी है, जहां शायद जिंदगी की कोई कीमत नहीं।

पिछले कुछ वर्षों में अस्पतालों में आग लगने की घटनाओं के दौरान अग्नि सुरक्षा मानकों में बार-बार गंभीर खामियां पाई गई हैं। बिहार में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। मुजफ्फरपुर में हुए हादसे ने साफ कर दिया है कि अस्पताल में किस हद तक घोर लापरवाही बरती जा रही थी।

मामले की जांच के लिए वरिष्ठ अधिकारियों का पांच सदस्यीय दल बनाया गया है। अब जांच की रिपोर्ट कब आएगी, उस पर क्या कार्रवाई होगी, यह आम लोगों को शायद ही पता चले। मगर इस घटना में मारे गए मरीज कभी घर नहीं लौटेंगे।

बेहतर होता कि स्वास्थ्य विभाग संबंधित अस्पताल से तत्काल जवाब-तलब करता कि मरीजों की सुरक्षा के लिए आपातकालीन निकास की व्यवस्था के साथ अग्निरोधक उपाय उसने पहले क्यों नहीं किए। हैरत की बात है कि अस्पताल परिसरों में शॉर्ट सर्किट जैसी समस्या से निपटने को लेकर एहतियात बरतना और बुनियादी इंतजाम करना जरूरी नहीं समझा जाता है। जांच और राहत के आश्वासनों से इतर सवाल यह है कि इस तरह की व्यापक लापरवाही के लिए प्रशासन की अनदेखी की जवाबदेही कब तय की जाएगी!

मालवीय नगर के होटल में लगी भीषण आग में 21 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है। एक बार फिर इस घटना ने राजधानी दिल्ली के लचर नागरिक प्रशासन और सुरक्षा इंतजामों की पोल एक बार फिर खोल दी है।

दक्षिण दिल्ली के हौज रानी (मालवीय नगर) इलाके में स्थित 'फ्लरिश स्टे बीएंडबी' होटल में बुधवार, 3 जून 2026 की सुबह लगी इस भीषण आग ने 21 जिंदगियां निगल लीं। मरने वालों में 18 विदेशी नागरिक भी शामिल हैं जो दिल्ली के बड़े अस्पतालों में इलाज कराने आए थे। इस हृदयविदारक हादसे ने पूरी राष्ट्रीय राजधानी को झकझोर कर रख दिया है। यह सिर्फ एक हादसा नहीं है, बल्कि भ्रष्ट व्यवस्था, प्रशासनिक सुस्ती और नियमों को ताक पर रखकर इंसानी जिंदगियों से खिलवाड़ करने का एक और खूनी सबूत है।

जनादेश से ज्यादा ताकतवर हो गई है सियासी सुविधा

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद वहां विपक्ष की राजनीति में शुरू हुई उथल-पुथल से फिर यही जाहिर हुआ है कि आज सिद्धांत और विचारधारा की राजनीति के तकाजे पीछे छूट चुके हैं। राज्य में सत्ता से बाहर होने के बाद तृणमूल कांग्रेस बहुस्तरीय मुश्किलों से जूझ रही है। भाजपा की सरकार बनने के बाद राज्य में कई जगहों पर तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं से लेकर बड़े नेताओं तक पर प्रत्यक्ष हमले हुए। मगर इस सबके बीच विधानसभा के लिए चुने गए कई विधायकों के अलग होने का फैसला पार्टी के लिए एक बड़ा झटका है। दरअसल, तृणमूल कांग्रेस के अस्सी में से अट्ठावन विधायकों ने अपना अलग गुट बना लिया और उसे विधानसभा में तुरंत मान्यता भी दे दी गई। यों इस बगावत का सिरा तृणमूल के दो विधायकों, ऋतव्रत बनर्जी और संदीपन साहा को पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में निष्कासित किए जाने से जुड़ा माना जा रहा है। इसके बाद ऋतव्रत बनर्जी ने अन्य विधायकों का समर्थन जुटाकर अपना अलग गुट बना लिया और खुद को विधानसभा में असली तृणमूल कांग्रेस घोषित कर दिया। जाहिर है, बीते करीब तीन दशक की राजनीति में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस के लिए यह एक मुश्किल वक्त है। इससे हुए नुकसान को कम करने की कोशिश में पार्टी ने राज्य में अपनी सभी समितियों और आनुषंगिक संगठनों को भंग कर दिया, मगर एक साथ इतनी बड़ी संख्या में चुने हुए प्रतिनिधियों का पार्टी छोड़ना तृणमूल कांग्रेस के लिए संभवत: एक बड़ी चुनौती साबित हो सकता है। हालांकि पार्टी से अलग होने की घोषणा करने वाले विधायकों की संख्या चूंकि दो-तिहाई से ज्यादा है, इसलिए दल-बदल कानून के प्रावधानों का कोई असर नहीं पड़ेगा, लेकिन इससे फिर यही सवाल उठा है कि देश की राजनीति में अवसरों का लाभ उठाने की यह कैसी प्रवृत्ति है, जिसमें जनता के भरोसे का खयाल रखना अब एक गैर-महत्त्वपूर्ण विषय माना जाने लगा है। यह भी विचित्र है कि ऐसी बगावत आमतौर पर अपनी पार्टी के सत्ता से बाहर होने या सरकार बनाने के गणित में कमजोर होने के बाद ही देखी जाती है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस में बगावत को करीब चार साल पहले महाराष्ट्र में शिवसेना की टूट की तरह देखा जा रहा है, जब एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में कई विधायकों ने उद्धव ठाकरे से खुद को अलग कर लिया था। उसके बाद आखिरकार पार्टी का नियंत्रण उद्धव ठाकरे से एकनाथ शिंदे के हाथ में चला गया था। इसमें लोकतांत्रिक अधिकारों की दलील दी जा सकती है, मगर सवाल है कि किसी खास पार्टी के सिद्धांत और उसकी विचारधारा के आधार पर जनता का समर्थन और जीत हासिल करने के बाद अचानक उसे छोड़ देना किस तरह लोकतंत्र को मजबूत करेगा। राजनीति में शुचिता और सिद्धांतों की बुनियाद की अहमियत को कायम रखने के लिए दल-बदल कानून लाया गया था। मगर ऐसा लगता है कि उसके प्रावधानों को भी सिर्फ तकनीकी कसौटी पूरी होने के दायरे में समेट दिया गया है। हाल के वर्षों में यह प्रवृत्ति तेजी से जोर पकड़ रही है, जिसमें किसी भी कीमत पर सत्ता का सिरा थामने के लिए चुनाव में जीते हुए प्रतिनिधियों को इस बात का खयाल रखना बिल्कुल जरूरी नहीं लग रहा है कि उन्हें जनता ने किन सिद्धांतों, वादों या राजनीति की वजह से चुना था।

आज का कार्टून

जब अपनों से ही खतरा बढ़े...

> सवाल यह है कि समाज में रिश्तों की पवित्रता पर दाग लगाने वालों की संख्या लगातार क्यों बढ़ रही है? रिश्तों की विश्वसनीयता खत्म होना सभ्य समाज के पतन का सूचक है, फिर आर्थिक, शैक्षिक और विचारात्मक विकास का क्या मतलब रह जाता है? यूनिसेफ की रिपोर्ट बताती है कि भारत में 20 वर्ष से कम उम्र की कम से कम 12 करोड़ लड़कियों का हर साल यौन शोषण किया जाता है। इनमें 90 प्रतिशत लड़कियों ने स्वीकार किया कि उन्हें यौनकर्मी बनाने के लिए ले जाने वाला व्यक्ति परिचित, दोस्त या उनका ही सगा था। इस सर्वेक्षण से पता चलता है कि जान-पहचान के लोग ही नाजायज फायदा उठाते हैं। सवाल यह है कि जब ऐसे लोगों में कानून का डर खत्म हो गया है और संबंधों की पवित्रता को तार-तार करने वालों की बाढ़ आ गई हो, तो समाज में महिलाओं, लड़कियों और बच्चों को किस तरह सुरक्षित किया जा सकता है? समाज में बढ़ती अपराध की प्रवृत्ति में यदि अपने ही लोग दाग लगाने लगे हों, तो आपसी रिश्तों को कैसे बचाया जा सकता है?

अखिलेश आर्येंदु

आए दिन क्रूरता और स्त्रियों की गरिमा का हनन करने वाले अपराधों के ब्योरे मन को झकझोर देते हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट कहती है कि हिंसा और यौन शोषण की घटनाओं में वर्ष 2000 के बाद लगातार वृद्धि हो रही है। यदि पिछले एक दशक के आंकड़े ही निकालकर देखें, तो पता चलता है कि समाज अराजकता और शोषण की राह पर आगे बढ़ रहा है। इसमें वह कथित सभ्य समाज भी है, जो खुद को पढ़ा-लिखा और उच्च मानता है। दूसरों का भरोसा जीतकर धोखा देने या विश्वासघात करने वालों की संख्या भी इस समय बढ़ गई है। ऐसे में किसी पर भी यकीन करना मुश्किल होता जा रहा है।

आज एक तरफ समाज में शिक्षा, रोजगार, बेहतर स्वास्थ्य, सुरक्षा और आर्थिक प्रगति से आम आदमी में खुशहाली लाने की बात हो रही है, तो दूसरी तरफ समाज में बढ़ती हैवानियत बता रही है कि समाज आज किस दिशा में जा रहा है। राज्य सरकारें आम आदमी की सुरक्षा पहले से बेहतर होने का दावा करती रही हैं, लेकिन बढ़ते अपराध इस दावे को झुठलाते हैं। गौर करें तो 16 दिसंबर 2012 से लेकर 2026 के दौरान हैवानियत की घटनाओं में ही वृद्धि नहीं हुई है, बल्कि क्रूरता का स्तर भी चरम पर पहुंच गया। वर्ष 2012 में दिल्ली में निर्भया कांड ने पूरे देश को उद्वेलित कर दिया था।

निर्भया मामले के बाद केंद्र सरकार ने सुरक्षा मानकों में कई सुधार किए, बावजूद इसके क्रूरता की हदें पार करने वाली घटनाएं होती रहीं। इस पर पुलिस और सुरक्षा से जुड़ी अन्य एजेंसियों पर सवाल खड़े किए गए। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, राजस्थान, बिहार, हरियाणा, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, नगालैंड, मिजोरम, कर्नाटक और महाराष्ट्र में इंसानियत को तार-तार करने वाली घटनाएं घटती रही हैं।

निर्भया कांड के बाद महिलाओं और लड़कियों की असुरक्षा को लेकर एक राष्ट्रीय बहस शुरू हो गई थी। इसके बाद केंद्र ने आपराधिक कानूनों में संशोधन, निर्भया फंड की स्थापना, त्वरित सुनवाई अदालतों की शुरुआत के साथ किशोर अपराध कानून पर पुनर्विचार किया। फिर भी आपराधिक घटनाओं में कोई कमी नहीं आई।

वर्ष 2018 में जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में अपहरण, बलात्कार और हत्याकांड ने निर्भया कांड की यादें फिर ताजा कर दी थीं। फिर 2019 में हैदराबाद में महिला चिकित्सक की हत्या, 2020 में हाथरस कांड और इसी वर्ष उन्नाव में हुई घटना ने पूरे देश को एक बार फिर झकझोर कर रख दिया था। मुंबई में 2013 में महिला फोटो पत्रकार और बाद में एक अन्य महिला से सामूहिक बलात्कार, अजमेर में सामूहिक यौन शोषण तथा बदायूं में दो किशोरियों के साथ सामूहिक बलात्कार और हत्या इंसानियत को तार-तार करने वाली घटनाएं थीं।

सवाल यह है कि कठोर कानून, त्वरित सुनवाई अदालतों के गठन और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम होने के बाद भी घटनाओं में कमी क्यों नहीं आई है? सवाल यह भी है कि शिक्षा का स्तर और जागरूकता बढ़ने के बावजूद बाल यौन शोषण में कमी आने के बजाय लगातार बढ़ोतरी क्यों हो रही है?

वर्ष 2012 में केंद्र सरकार ने यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण के लिए अधिनियम-2012 नामक एक विशेष कानून पारित किया था और बच्चों के साथ हुए अपराधों की सुनवाई के लिए विशेष अदालतों की स्थापना की। मगर दस वर्षों के आंकड़े बताते हैं कि न्यायालयों की स्थापना के बाद 2023 तक पाक्सो से संबंधित दो लाख 43 हजार से अधिक मामले लंबित थे। एक सर्वेक्षण के मुताबिक हर दस बच्चों में से एक बच्चा यौन शोषण और हिंसा से प्रभावित है। इसी तरह यौन शोषण के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने की औसत उम्र नौ साल है।

सबसे ज्यादा आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश में, जहां पिछले आठ वर्षों में आम आदमी की सुरक्षा पर सबसे ज्यादा गौर किया गया, वहां भी यौन अपराध की दर में कमी नहीं आई है। अक्तूबर 2025 तक के आंकड़े बताते हैं कि देश में कुल अपराधों में से बच्चों के साथ किए गए अपराध 45 प्रतिशत से अधिक हैं। इससे साबित होता है कि बच्चों के साथ हिंसा, क्रूरता और बलात्कार के मामलों में लगातार वृद्धि हुई है। यह तब है जब अपराधी की क्रूरता को देखते हुए उसे अधिकतम सजा दिए जाने का प्रावधान है। इसका मतलब है कि वर्ष 2012 में बनाया गया पाक्सो कानून अपराधियों पर नकेल कसने में नाकाम रहा है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के मुताबिक बाल यौन शोषण, बच्चों के साथ क्रूरता और हिंसा वाले मामलों में ज्यादातर मामले अपहरण किए गए बच्चों से संबंधित हैं। अपहरण के मामलों में लड़कियों की संख्या सबसे ज्यादा है। इसके अलावा मानव तस्करी के मामले भी बहुत बड़ी संख्या में सामने आए हैं।

ये आंकड़े बयान करते हैं कि बाल यौन शोषण रोकने के लिए केवल कानून ही काफी नहीं है, बल्कि बच्चों को हर तरह से जागरूक करने की भी जरूरत है। चिंता की बात यह है कि ऐसे कई मामलों में सगे-संबंधियों ने भी भरोसा तोड़ा। हजारों की संख्या में ऐसे मामले सामने आ रहे हैं। इस साल रामभुवन का मामला चर्चा में रहा।

सवाल यह है कि समाज में रिश्तों की पवित्रता पर दाग लगाने वालों की संख्या लगातार क्यों बढ़ रही है? रिश्तों की विश्वसनीयता खत्म होना सभ्य समाज के पतन का सूचक है, फिर आर्थिक, शैक्षिक और विचारात्मक विकास का क्या मतलब रह जाता है?

यूनिसेफ की रिपोर्ट बताती है कि भारत में 20 वर्ष से कम उम्र की कम से कम 12 करोड़ लड़कियों का हर साल यौन शोषण किया जाता है। इनमें 90 प्रतिशत लड़कियों ने स्वीकार किया कि उन्हें यौनकर्मी बनाने के लिए ले जाने वाला व्यक्ति परिचित, दोस्त या उनका ही सगा था। इस सर्वेक्षण से पता चलता है कि जान-पहचान के लोग ही नाजायज फायदा उठाते हैं।

सवाल यह है कि जब ऐसे लोगों में कानून का डर खत्म हो गया है और संबंधों की पवित्रता को तार-तार करने वालों की बाढ़ आ गई हो, तो समाज में महिलाओं, लड़कियों और बच्चों को किस तरह सुरक्षित किया जा सकता है? समाज में बढ़ती अपराध की प्रवृत्ति में यदि अपने ही लोग दाग लगाने लगे हों, तो आपसी रिश्तों को कैसे बचाया जा सकता है?

आज के दौर में जब बच्चों का सारा ध्यान मोबाइल गेम, रील और वीडियो पर केंद्रित हो गया हो, तो उनको समझाने के लिए कौन-सा तरीका बेहतर रहेगा? कठोर कानून का भी लोगों में डर नहीं है, तो यौन अपराधों को किस तरह रोका जाएगा? देश में परिवार का स्वरूप भी कमजोर पड़ रहा है। बच्चे एकाकी जिंदगी जीने के अभ्यस्त हो गए हैं। वे बिना सोचे-समझे अनजान लोगों पर भरोसा कर लेते हैं और अपने साथ हुई घटना माता-पिता को नहीं बताते। यही वजह है कि अपराधी प्रवृत्ति के व्यक्ति बच्चों को लालच देकर उनका शोषण करने लगते हैं। यह स्थिति बच्चों के लिए खतरनाक साबित हो रही है। इसको रोकने के लिए परिवार और समाज को जागरूक करने की जरूरत है। बच्चों को जब तक हर तरह से जागरूक नहीं बनाया जाएगा, तब तक उन्हें बचाना संभव नहीं।

मोदी 10 जून को रचने जा रहे हैं सबसे बड़ा इतिहास

> प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत केवल आर्थिक और राजनीतिक रूप से ही मजबूत नहीं हुआ, बल्कि विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों के माध्यम से आत्मविश्वास से भरे नए राष्ट्र के रूप में उभरा है। घरेलू उत्पादन, रक्षा निर्माण, डिजिटल क्रांति, स्टार्टअप संस्कृति और आधारभूत ढांचे के विस्तार ने भारत को आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ाया है। वहीं वैश्विक मंच पर मोदी की कूटनीति ने भारत की प्रतिष्ठा को अभूतपूर्व ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। अमेरिका से लेकर पश्चिम एशिया, यूरोप से लेकर इंडो पैसिफिक तक भारत की आवाज पहले से कहीं अधिक प्रभावशाली हुई है।

नीरज कुमार दुबे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय राजनीति में एक नया इतिहास रच दिया है। दस जून को वह देश के सबसे लंबे समय तक लगातार निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने वाले नेता बन जाएंगे। इस उपलब्धि के साथ वह पंडित जवाहरलाल नेहरू के उस लंबे कार्यकाल को पीछे छोड़ देंगे, जिसे दशकों तक भारतीय राजनीति का सबसे मजबूत अध्याय माना जाता रहा। मई 2014 में पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने वाले नरेंद्र मोदी दस जून 2026 तक लगातार चार हजार 399 दिनों तक देश का नेतृत्व कर चुके होंगे, जबकि नेहरू का लगातार निर्वाचित कार्यकाल चार हजार 398 दिनों का था।

यह केवल समय का रिकॉर्ड नहीं है, बल्कि भारतीय राजनीति के बदलते स्वरूप का प्रतीक भी है। एक ओर नेहरू का दौर था, जब कांग्रेस स्वतंत्रता आंदोलन की विरासत के सहारे लगभग निर्विरोध सत्ता में थी, वहीं दूसरी ओर नरेंद्र मोदी का उदय बेहद कठिन और प्रतिस्पर्धी राजनीतिक माहौल में हुआ। मोदी ने पहले गुजरात में लगातार तीन विधानसभा चुनाव जीतकर अपनी राजनीतिक और प्रशासनिक क्षमता साबित की और फिर पूरे देश में भारतीय जनता पार्टी को अभूतपूर्व ऊंचाइयों तक पहुंचाया। साल 2014 भारतीय राजनीति का निर्णायक मोड़ साबित हुआ। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी ने तीन दशकों बाद किसी गैर कांग्रेसी दल को पूर्ण बहुमत दिलाया। कांग्रेस मात्र 44 सीटों पर सिमट गई और देश में गठबंधन युग की राजनीति को निर्णायक चुनौती मिली। इसके बाद 2019 में भाजपा ने और भी बड़ी जीत दर्ज करते हुए तीन सौ तीन सीटें हासिल कीं। वर्ष 2024 में भले ही पार्टी अपने दम पर बहुमत से थोड़ी दूर रही, लेकिन राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने फिर सत्ता बरकरार रखी।

देखा जाये तो प्रधानमंत्री मोदी का राजनीतिक सफर उनकी संगठन क्षमता और जनसंपर्क कौशल का भी उदाहरण है। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने भूकंप के बाद बदहाल स्थिति में राज्य की कमान संभाली और विकास आधारित प्रशासन को नई पहचान दी। यही मॉडल बाद में पूरे देश में चर्चा का विषय बना। गुजरात में लगातार तीन चुनाव जीतकर वह राज्य के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले मुख्यमंत्री बने।

मोदी सरकार के कार्यकाल में कई ऐसे फैसले हुए जिन्हें दशकों तक असंभव माना जाता था। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाना, तीन तलाक समाप्त करना और अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त होना, ऐसे ऐतिहासिक कदम रहे जिन्होंने भारतीय राजनीति की दिशा बदल दी। भाजपा समर्थकों का मानना है कि सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और विकास के संतुलन ने मोदी को देश की जनता के बीच असाधारण स्वीकार्यता दिलाई।

प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता केवल भारत तक सीमित नहीं है। विश्व स्तर पर भी उनकी पहचान एक मजबूत और निर्णायक नेता के रूप में बनी है। विभिन्न वैश्विक सर्वेक्षणों में उनकी लोकप्रियता दुनिया के कई लोकतांत्रिक नेताओं से कहीं अधिक दर्ज की जाती रही है। डिजिटल माध्यमों पर भी उनकी पहुंच अत्यंत प्रभावशाली है। सोशल मीडिया के जरिए उन्होंने जनता से सीधा संवाद स्थापित कर एक नई राजनीतिक शैली की शुरुआत सबसे पहले की थी, जिसका उन्हें भरपूर लाभ मिला।

मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी का भौगोलिक विस्तार भी अभूतपूर्व रहा है। वर्ष 2014 में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन केवल सात राज्यों में सत्ता में था, जबकि अब यह संख्या 21 हो चुकी है। पूर्वोत्तर से लेकर पूर्वी तथा दक्षिण भारत तक भाजपा ने अपने संगठन और जनाधार को मजबूत किया है। संसद में भी पार्टी की ताकत लगातार बढ़ी है। लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों में भाजपा की उपस्थिति पहले की तुलना में कई गुना मजबूत हुई है।

आर्थिक मोर्चे पर भी मोदी सरकार ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। भारत की अर्थव्यवस्था ने पिछले एक दशक में तेज गति से विस्तार किया है। वर्ष 2014 में दुनिया की दसवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था रहा भारत अब चौथे स्थान पर पहुंच चुका है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुसार भारत की अर्थव्यवस्था का आकार 4.3 खरब डॉलर तक पहुंच गया है। जापान को पीछे छोड़ते हुए भारत अब केवल अमेरिका, चीन और जर्मनी से पीछे है।

इसमें कोई दो राय नहीं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह लंबा कार्यकाल केवल राजनीतिक स्थायित्व का उदाहरण नहीं, बल्कि बदलते भारत की नई पहचान भी बन गया है। उन्होंने भारतीय राजनीति की भाषा, शैली और प्राथमिकताओं को बदलते हुए विकास, राष्ट्रवाद और मजबूत नेतृत्व का ऐसा मिश्रण प्रस्तुत किया, जिसने उन्हें समकालीन भारत का सबसे प्रभावशाली नेता बना दिया है।

बहरहाल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत केवल आर्थिक और राजनीतिक रूप से ही मजबूत नहीं हुआ, बल्कि विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों के माध्यम से आत्मविश्वास से भरे नए राष्ट्र के रूप में उभरा है। घरेलू उत्पादन, रक्षा निर्माण, डिजिटल क्रांति, स्टार्टअप संस्कृति और आधारभूत ढांचे के विस्तार ने भारत को आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ाया है। वहीं वैश्विक मंच पर मोदी की कूटनीति ने भारत की प्रतिष्ठा को अभूतपूर्व ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। अमेरिका से लेकर पश्चिम एशिया, यूरोप से लेकर इंडो पैसिफिक तक भारत की आवाज पहले से कहीं अधिक प्रभावशाली हुई है। जी-20 की सफल अध्यक्षता, वैश्विक संकटों में संतुलित भूमिका और भारत केंद्रित विदेश नीति ने यह साबित किया है कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत अब केवल दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र नहीं, बल्कि वैश्विक निर्णयों को प्रभावित करने वाली एक निर्णायक शक्ति बन चुका है।

जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रचार प्रसार को ले बीजेपी ने की बैठक

राजगंज (ससे) : लाल बाजार शिव मंदिर के प्रांगण में भाजपा राजगंज मंडल की मासिक बैठक नव मनोनीत मंडल अध्यक्ष मनोज कुमार महतो व संचालन प्रवीण चौधरी ने किया। बैठक में मुख्य रुप से संगठन की विस्तार बूथ स्तर तक मजबूती के साथ, विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर ५ से १९ जून तक एक पेड़ मां के नाम लगाना, जनसंपर्क अभियान को गति देना, क्षेत्र की समस्या पर चर्चा, केन्द्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रचार प्रसार, आगामी कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करना, एंव एसआईआर पर विशेष चर्चा हुई।

कार्यक्रम के प्रभारी धनबाद ग्रामीण जिला के उपाध्यक्ष गीता बेसरा एवं प्रदेश के कार्यसमिति सदस्य ज्ञान रंजन सिन्हा मुख्य रुप से उपस्थित थे। बैठक में जिला मीडिया प्रभारी नीलकंठ रवानी, अजय राम, मधुसूदन मंडल, सूरज सोनी, कुसुम देवी, संजय चौधरी, मंजीत तिवारी, दीपक कुमार पंडित, कामेश्वर महतो सहित दर्जनों भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बलियापुर (ससे) : भाजपा कार्यालय में भाजपा पूर्वी मंडल के कार्यकर्ताओं की बैठक मंडल अध्यक्ष विद्युत चक्रवर्ती की अध्यक्षता में हुई।

बैठक में संगठन को मजबूत बनाने के लिए विभिन्न मुद्दों पर चर्चा किया गया। बैठक में जिला मंत्री आशीष मुखर्जी, विजय रवानी, संजु महतो, लखन गोराई, सुबल गोराई, गौतम चौबे के अलावा काफी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

झरिया (ससे) : भारतीय जनता पार्टी झरिया नगर अध्यक्ष अवधेश साव के अध्यक्षता में

प्रेस क्लब झरिया में एक अति महत्वपूर्ण बैठक हुई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य एसआईआर एवं देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के १२ साल बेमिसाल एक से एक जनकल्याण कारी कार्य हुए जिसे विस्तार पूर्वक एसआईआर के झरिया विधानसभा प्रभारी राजकुमार अग्रवाल विस्तृत जानकारी दिए।

संचालन महामंत्री संजू वर्मा ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन नगर उपाध्यक्ष अमित साव ने किया। बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित अरुण जायसवाल, सरवन राम चन्द्रवंशी, अशोक बरनवाल, रामप्रकाश सिंह, अरुण गोस्वामी, विश्वनाथ साव, अनीता सिंह, अजय वर्मा, भोला सेन मोदक आदि कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत में बढ़ोत्तरी जनविरोधी निर्णय : नवनीत नीरज

धनबाद (कासं) : जिला कांग्रेस कमिटी के उपाध्यक्ष नवनीत नीरज ने केंद्र की मोदी सरकार द्वारा घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर के दाम में २९ रूपये की बढ़ोत्त-री किए जाने की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि यह फैसला पहले से ही महंगाई की मार झेल रही आम जनता, विशेषकर गृहिणियों, गरीबों एवं मध्यमवर्गीय परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने वाला है।

नवनीत नीरज ने कहा कि एक ओर खाद्य पदार्थों, सब्जियों, दालों, बिजली तथा अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं, वहीं दूसरी ओर रसोई गैस के दामों में वृद्धि कर केंद्र सरकार आम लोगों का जीवन और कठिन बना रही है। सरकार महंगाई पर नियंत्रण करने में पूरी तरह विफल साबित हुई है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनता को महंगाई से राहत देने का वादा किया था, लेकिन आज स्थिति यह है कि आम परिवारों के लिए रसोई चलाना मुश्किल होता जा रहा है। गैस सिलेंडर की कीमतों में लगातार हो रही वृद्धि का सबसे अधिक असर महिलाओं और घरेलू बजट पर पड़ रहा है।

नवनीत नीरज ने केंद्र सरकार से अविलंब एलपीजी गैस की बढ़ी हुई कीमत वापस लेने तथा आम उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करने की मांग की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी जनता से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाती रही है और आगे भी महंगाई तथा जनविरोधी नीतियों के खिलाफ संघर्ष जारी रखेगी।

ट्रैक्टर की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार की मौत

जोड़ापोखर (ससे) : अलकडीहा ओपी क्षेत्र के न्यू पहाड़ीगोड़ा पानी टंकी के पास एक ट्रैक्टर की चपेट में आने से मोटर साइकिल सवार की मौत हो गया। लोदना तिलाईबनी बस्ती निवासी बिनोद महतो का बड़ा पुत्र ३० वर्षीय त्रिलोचन कुमार महतो गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसकी इलाज के दौरान अस्पताल में मौत हो गई है। घटना के बाद ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर छोड़कर फरार हो गया है। ट्रैक्टर मालिक छोटू महतो सुरंगा कुसमाटांड़ का रहनेवाला बताया जा रहा है। बताते है कि मृतक त्रिलोचन महतो जीनागोरा आउटसोर्सिंग में असंगठित मजदूरी का कार्य करता था। त्रिलोचन अपने मोटरसाइकिल से सुरंगा की ओर से जीनागोरा की ओर आ रहा था तभी आउटसोर्सिंग परियोजना से अवैध रूप से पत्थर की लदाई कर तेज रफ्तार में कुसमाटांड़ की तरफ जाने के क्रम में ट्रैक्टर चालक असंतुलित होकर मोटरसाइकिल सवार त्रिलोचन को अपने चपेट में ले लिया, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद रिश्तेदार एवं स्थानीय लोगों ने तुरंत इलाज के लिए एसएनएमसीएच धनबाद ले गया जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई है। त्रिलोचन की मौत के खबर से बस्ती में मातम पसर गया है। मृतक को पत्नी सुषमा देवी के अलावा दो पुत्री मोनिका कुमारी ६ वर्ष तथा दिया कुमारी ४ वर्ष एवं एक पुत्र २ वर्ष का है जिसका रो रो का बुरा हाल हो गया है। दहाड़ मारकर पत्नी रोसे के कह रही है कि अब बच्चों का भविष्य कैसे बनेगा, कौन करेगा परिवार का देखभाल । घटना की सूचना पाकर अलकडीहा पुलिस घटना स्थल पर पहुंचकर ट्रैक्टर व मोटरसाइकिल को जब्त कर ओपी ले आया है। पुलिस शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम करने के लिए धनबाद भेज दिया है। पुलिस अधिकारी का कहना है कि लिखित शिकायत के बाद कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कुएं से जानवरों के अवशेष बरामद होने से सनसनी

निरसा (ससे) : निरसा थाना क्षेत्र के बिरसिंहपुर पंचायत स्थित डांगापाड़ा गांव में सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब एक कुएं से तेज दुर्गंध आने की सूचना पर जांच की गई। कुएं के अंदर चार संदिग्ध बोरियां मिलीं, जिन्हें बाहर निकालने पर उनमें जानवरों के अवशेष पाए गए। घटना के बाद इलाके में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। पुलिस ने सभी बोरियों को कैंजे में लेकर जांच शुरू कर दी है और अवशेषों की पहचान के लिए आवश्यक परीक्षण कराया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार डांगापाड़ा निवासी बादल रविदास के नीलकुठी मोड़ के समीप स्थित आम बागान में एक कुआं है। सुबह कुएं की ओर से तेज दुर्गंध आने लगी। बदबू का कारण जानने के लिए जब बादल रविदास वहां पहुंचे तो उन्होंने देखा कि कुएं के अंदर चार बोरियां पड़ी हुई हैं, जिनसे दुर्गंध निकल रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए उन्होंने तुरंत इसकी सूचना निरसा थाना पुलिस को दी।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से कुएं से चारों बोरियों को बाहर निकलवाया। बोरियों को खोलने पर उनमें जानवरों के अवशेष मिले।

घटना की जानकारी फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। कुछ लोगों ने आशंका जताई कि बरामद अवशेष प्रतिबंधित मांस या किसी प्रतिबंधित जानवर के हो सकते हैं। हालांकि पुलिस ने ऐसी किसी भी आशंका की पुष्टि करने से इनकार करते हुए कहा कि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट रूप से कुछ कहा जा सकेगा। फिलहाल पुलिस ने बरामद अवशेषों को अपने कैंजे में लेकर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि वैज्ञानिक जांच और आवश्यक परीक्षण के बाद ही यह पता चल सकेगा कि अवशेष किस जानवर के हैं और उन्हें कुएं में किस उद्देश्य से फेंका गया था। मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है।

क्षत्रिय चंद्रवंशी समाज की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक

धनबाद (कासं) : एल सी रोड स्थित उत्सव भवन में अखिल भारतीय क्षत्रिय चंद्रवंशी समाज की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का नेतृत्व समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक आजाद के मार्गदर्शन में किया गया। जिसमें देशभर से आए पदाधिकारियों और समाज के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

बैठक में संगठन के विस्तार, समाज की मजबूती और आगामी राष्ट्रीय परिषद की बैठक के आयोजन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक के दौरान इस बात पर विशेष मंथन हुआ कि राष्ट्रीय परिषद की अगली बैठक कब और किस स्थान पर आयोजित की जाएगी। इसके साथ ही संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत करने, नए सदस्यों को जोड़ने और समाज की एकजुटता को बढ़ाने पर भी विचारविमर्श किया गया। समाज के धनबाद के युवा अध्यक्ष ने कहा कि समाज को संगठित करते हुए लोकतंत्र में शिक्षा, आर्थिक विकास, राजनीतिक भागीदारी और सामाजिक नेतृत्व के क्षेत्र में मजबूत उपस्थिति दर्ज कराना संगठन का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि समाज के लोगों को मुख्यधारा से जोड़ने और उनके अधिकारों तथा अवसरों को सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। वहीं, धनबाद इकाई के युवा अध्यक्ष ने कहा कि समाज के किसी भी परिवार के सामने जब भी कोई समस्या आती है, संगठन के सदस्य अपनी क्षमता और संसाधनों के अनुसार सहायता के लिए आगे आते हैं। उन्होंने कहा कि सामाजिक सेवा और आपसी सहयोग ही संगठन की सबसे बड़ी ताकत है।

बैठक में समाज के उत्थान, संगठनात्मक मजबूती और भविष्य की कार्ययोजना को लेकर कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा की गई। कार्यकारीकारिणी बैठक में अशोक आजाद राष्ट्रीय अध्यक्ष, आकाश कुमार रवानी, युवा प्रदेश अध्यक्ष एवं चंद्रवंशी समाज के लोगों उपस्थित थे।

चला एंटी क्राइम चेकिंग अभियान

धनबाद (कासं) : वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के निर्देश पर जिले भर में एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान विभिन्न थाना क्षेत्रों में पुलिस की टीमों ने प्रमुख चौक-चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर विशेष जांच अभियान चलाया। इस दौरान कुल १२८६ वाहनों की सघन जांच की गई। पुलिस द्वारा वाहनों के कागजातों का सत्यापन किया गया तथा वाहन चालकों से आवश्यक दस्तावेजों की जांच की गई। जिन वाहनों के कागजात सही नहीं पाए गए उन्हें आवश्यक निर्देश भी दिए गए और चालान भी काटा गया। इसके साथ ही चेकिंग के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों की तलाशी ली गई और उनकी पहचान का सत्यापन किया गया।

ठाकुर बाड़ी मंदिर सेवा समिति ने किया शर्बत वितरण

केन्दुआ (ससे) : केन्दुआ बाजार स्थित श्री श्री सत्यनारायण ठाकुर बाड़ी मंदिर सेवा समिति के द्वारा पुरुषोत्तम मास के पवित्र माह में आम राहगीर के बीच केन्दुआ मेन रोड सिनेमा हॉल के समीप दही के शर्बत (छाछ) का वितरण किया। इस पुनीत कार्य में मंदिर के पुजारी रमेश तिवारी, चैम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष सह मंदिर सेवा समिति के सदस्य पंकज भुवानिया, सहित कालू मानकाशिया, श्रीराम चौरसिया, बच्चन शर्मा, अशोक गुप्ता, प्रकाश मानकाशिया, करण अग्रवाल, संजय गोयल, नवल प्रसाद मुन्ना, सिन्टू रवानी, छोटू गुप्ता आदि का अहम् योगदान रहा।

आश्रम के विकास व समाजहित के कार्यों में सहयोग करने का लिया संकल्प

निरसा (ससे) : धनबाद एवं पश्चिम बंगाल के बालगोपाल चैरिटेबल ट्रस्ट के सदस्यों ने कलियासोल प्रखंड अंतर्गत भैरव मंदिर, तेलकूपी आश्रम का भ्रमण किया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण एवं आश्रम परिसर के सौंदर्यीकरण के उद्देश्य से पौधारोपण किया गया।

आश्रम के समग्र विकास, धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों के विस्तार तथा भविष्य की योजनाओं पर विचारविमर्श हेतु संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया। संगोष्ठी में आश्रम के विकास से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा कर कई निर्णय लिए गए। मौके पर राजा दा, शशि भूषण दा, देवब्रत दा, सपन दा, बाबू दा सहित अन्य सदस्य मौजूद थे। सदस्यों ने आश्रम के विकास एवं समाजहित के कार्यों में निरंतर सहयोग देने का संकल्प लिया।

भाकपा माले ने हर गरीब को काम दो बनाने का लिया संकल्प

निरसा (ससे) : भाकपा (माले) निरसा प्रखंड स्टैंडिंग कमिटी की महत्वपूर्ण बैठक गुरुदास भवन स्थित पार्टी कार्यालय में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड सचिव टूटून मुखर्जी ने की, जबकि संचालन मुमताज अंसारी ने किया। बैठक में आगामी १५ जून से १५ जुलाई तक चलने वाले विशेष अभियान हर गरीब को काम दो को सफल बनाने के लिए विस्तृत रणनीति और कार्ययोजना तैयार की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि अभियान के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के बेरोजगार गरीबों, खेतिहर मजदूरों, छोटे किसानों और वंचित परिवारों को मनरेगा सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत रोजगार दिलाने के लिए व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा। साथ ही संगठन के विस्तार और सदस्यता अभियान को भी गति दी जाएगी।

नेता मनु सिंह ने बताया कि अभियान तीन चरणों में संचालित होगा। पहले चरण में गांवमांव सर्वेक्षण कर बेरोजगार परिवारों और काम से वंचित मजदूरों की सूची तैयार की जाएगी। दूसरे चरण में पंचायत और प्रखंड स्तर पर जनजागरण रैली, पदयात्रा, सभा, पोस्टर, बैनर और माइकिंग के जरिए जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। तीसरे चरण में मनरेगा कार्यों की सामूहिक मांग उठाते हुए प्रशासन पर रोजगार उपलब्ध कराने का दबाव बनाया जाएगा। प्रखंड सचिव टूटून मुखर्जी ने कहा कि अभियान पूरी तरह शांतिपूर्ण, जनहितकारी और लोकतांत्रिक तरीके से चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि गरीबों को रोजगार दिलाने के सवाल पर भ्रष्टाचार, देरी और प्रशासनिक लापरवाही के खिलाफ भाकपा माले मजबूती से आवाज उठाएगी।

भूली बस्ती में नाली निर्माण कार्य का शिलान्यास

धनबाद (कासं) : धनबाद नगर निगम की ओर से भूली बस्ती क्षेत्र में नाली निर्माण कार्य का शिलान्यास विधिवत पूजाअर्चना के साथ किया गया। यह नाली निर्माण कार्य बजरंग बली मंदिर (इमली पेड़) से चौहान दुकान होते हुए पंचवटी नगर तक कराया जाएगा।

शिलान्यास कार्यक्रम में वार्ड संख्या १६ की पार्षद अरुणा कुमारी ने गड्ढा खोदकर एवं समाजसेवी दीपक महतो नारियल फोड़कर कार्य का शुभारंभ किया। इस अवसर पर स्थानीय लोगों की उपस्थिति में क्षेत्र के विकास और जलनिकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई। कार्यक्रम में समाजसेवी दीपक महतो, पूर्व पार्षद अशोक यादव सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। लोगों ने उम्मीद जताई कि नाली निर्माण होने से क्षेत्र में जलजमाव की समस्या से राहत मिलेगी और आवागमन भी सुगम होगा।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, इस नाली निर्माण कार्य की अनुशंसा मथुरा महतो द्वारा की गई थी, जिसके बाद नगर निगम ने योजना को स्वीकृति प्रदान कर कार्य प्रारंभ कराया। नाली निर्माण कार्य शुरू होने से भूली बस्ती और पंचवटी नगर के निवासियों में खुशी का माहौल है तथा लोगों ने नगर निगम और जनप्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

आईएसएम में 520 मेधावी छात्र हुए सम्मानित

धनबाद (कासं) : आईआईटी-आईएसएम में विद्यार्थियों के शैक्षणिक, करियर और व्यक्तित्व विकास को लेकर धनबाद कोर्चिंग एसोसिएशन ने मार्गदर्शन ४.० कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में जिले के ५२ कोर्चिंग संस्थानों के ५२० मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस दौरान शिक्षाविदों ने छात्रों को सफलता और बेहतर करियर के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। वहीं बीबीएमकेयू के कुलपति डॉ. राम कुमार सिंह ने पटना कोर्चिंग विवाद पर भी अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। धनबाद कोर्चिंग एसोसिएशन की ओर से आयोजित मार्गदर्शन ४.० कार्यक्रम में जिले भर के ५२ कोर्चिंग संस्थानों से ५२० विद्यार्थी अपने अभिभावकों के साथ शामिल हुए।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को सही दिशा, प्रेरणा और करियर संबंधी मार्गदर्शन प्रदान करना था। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों के शिक्षाविदों ने छात्रों को सफलता के मूल मंत्र बताए और भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार रहने की सलाह दी। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित बीबीएमकेयू के कुलपति डॉ. राम कुमार सिंह ने कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। निरंतर मेहनत, अनुशासन और सकारात्मक सोच ही सफलता का आधार है। उन्होंने कहा कि आज तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शिक्षा के क्षेत्र में नई संभावनाएं लेकर आए हैं, लेकिन गुरु का स्थान हमेशा सर्वोच्च रहेगा।

कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए कुलपति डॉ. राम कुमार सिंह ने पटना कोर्चिंग विवाद पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि ऐसे विवाद अक्सर प्रतिस्पर्धा और प्रतिद्वंद्विता के कारण सामने आते हैं।

उन्होंने छात्रों और शिक्षकों दोनों से संयम बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि क्रोध व्यक्ति की निर्णय क्षमता को प्रभावित करता है, जबकि संवाद और धैर्य से हर समस्या का समाधान निकाला जा सकता है। मार्गदर्शन ४.० कार्यक्रम में सभी ५२० विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही झारखंड बोर्ड की साइंस स्ट्रीम की स्टेट टॉपर रशिदा नाज, सीबीएसई १२वीं साइंस की जिला टॉपर पूनम कुमारी और क्लैट परीक्षा में उत्कृष्ट रैंक हासिल करने वाली श्रुति प्रिया झा को विशेष सम्मान दिया गया। धनबाद कोर्चिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज सिंह ने कहा कि यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को प्रेरित करने और सही मार्गदर्शन देने का एक महत्वपूर्ण मंच है। उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार सामने आ रहे पेपर लीक मामलों पर चिंता जताते हुए सरकार से कड़ी कार्रवाई की मांग भी की।

ईसीएल मुख्यालय शाखा की सामान्य सभा संपन्न

संकटोडिया (ससे) : कोल माइंस ऑफिसर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीएमओएआई), ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) मुख्यालय शाखा की सामान्य सभा (जनरल बॉडी मीटिंग) दिसरगढ़ क्लब, झालबागान, सांकतोरिया में सफलतापूर्वक आयोजित की गई। यह आयोजन अधिकारियों के सामूहिक हितों, संगठनात्मक एकजुटता तथा कल्याणकारी पहलों को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण अवसर सिद्ध हुआ।

इस अवसर पर सतीश झा, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक (सीएमडी), ईसीएल; मो. अंजार आलम, निदेशक (वित्त), ईसीएल; गुंजन कुमार सिन्हा, निदेशक (मानव संसाधन), ईसीएल; तथा गिरीश गोपीनाथन नायर, निदेशक (तकनीकी), ईसीएल की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की महत्ता को और बढ़ाया। इसके अतिरिक्त, श्री जे. पी. सिंह, अध्यक्ष, सीएमओएआई ईसीएल; श्री प्रसून स्मृति, सचिव, सीएमओएआई ईसीएल; तथा श्री सुब्रतो बनर्जी, पूर्व अध्यक्ष, सीएमओएआई ईसीएल मुख्यालय शाखा भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

सभा का शुभारंभ सभी सदस्यों एवं आमंत्रित अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। सेवानिवृत्ति, पदोन्नति एवं स्थानांतरण के कारण रिक्त हुए पदों को भरने हेतु लोकतांत्रिक एवं सर्वसम्मत प्रक्रिया के माध्यम से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। नवगठित समिति आगामी कार्यकाल में मुख्यालय शाखा का नेतृत्व करते हुए संगठन के उद्देश्यों एवं अधिकारियों के हितों को आगे बढ़ाएगी। सीएमओएआई वर्षों से कोयला उद्योग के अधिकारियों की एक सशक्त एवं उत्तरदायी प्रतिनिधि संस्था के रूप में कार्य कर रही है। संगठन ने सदैव अधिकारियों के सेवा-संबंधी, व्यावसायिक एवं कल्याणकारी मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने तथा उनके समाधान हेतु प्रबंधन एवं अधिकारियों के मध्य रचनात्मक संवाद स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अधिकारियों के अधिकारों, गरिमा एवं पेशेवर हितों की रक्षा के साथ-साथ संगठनात्मक विकास में भी सीएमओएआई का योगदान उल्लेखनीय रहा है। सभा में संगठन को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया, जिसके अंतर्गत जून २०२६ से ईसीएल मुख्यालय में कार्यरत सभी अधिकारियों की सीएमओएआई सदस्यता हेतु अंशदान कटौती प्रारंभ किए जाने का निर्णय लिया गया। यह निर्णय ईसीएल की अन्य क्षेत्रों में प्रचलित व्यवस्था के अनुरूप है तथा संगठन को अधिक प्रतिनिधिक एवं प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

सभा को संबोधित करते हुए सतीश झा, सीएमडी, ईसीएल ने अधिकारियों की संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि अधिकारियों की समस्याओं का प्रभावी समाधान तभी संभव है जब उन्हें व्यवस्थित एवं तथ्यपरक रूप से प्रस्तुत किया जाए तथा उनके निराकरण हेतु सकारात्मक संवाद कायम रखा जाए। उन्होंने कार्य के प्रति गंभीरता, उत्तरदायित्व एवं अनुशासन को सफलता की आधारशिला बताते हुए कार्य-जीवन संतुलन तथा कार्यालयीन दायित्वों के अतिरिक्त व्यक्तिगत जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने पर भी विशेष जोर दिया।

ईसीएल के निदेशकों ने भी संगठन की भूमिका एवं अधिकारी कल्याण संबंधी विषयों पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने आश्वस्त किया कि सीएमओएआई के माध्यम से उठाए जाने वाले वास्तविक एवं न्यायोचित मुद्दों के समाधान हेतु प्रबंधन सदैव सकारात्मक सहयोग प्रदान करेगा। उनके विचारों ने प्रबंधन एवं अधिकारी समुदाय के मध्य पारस्परिक विश्वास एवं सहयोग की भावना को और सुदृढ़ किया। कार्यक्रम के दौरान एक संवादात्मक प्रश्नोत्तर सत्र का भी आयोजन किया गया, जिसमें अधिकारियों द्वारा स्थानांतरण, पदस्थापन एवं कार्यस्थल संबंधी विभिन्न मुद्दों को उठाया गया। इस सत्र ने सदस्यों को अपनी जिज्ञासाओं एवं सुझावों को सीधे साझा करने का एक प्रभावी मंच प्रदान किया। सभा को संबोधित करते हुए श्री नज़रुल इस्लाम, अध्यक्ष, सीएमओएआई ईसीएल मुख्यालय शाखा ने संगठन की हालिया उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि अधिकारियों के हित में लैपटॉप सुविधा, मोबाइल सुविधा तथा हाउस रेंट अलाउंस (एचआरए) जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर संगठन द्वारा निरंतर प्रयास किए गए हैं, जिनसे अधिकारी समुदाय को प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त हुआ है।

कार्यक्रम के दौरान सभी विशिष्ट अतिथियों का पौधरोपण एवं हरित विकास के संदेश को प्रोत्साहित करते हुए पौधों के माध्यम से सम्मान किया गया। यह सम्मान प्रकृति संरक्षण, सतत विकास एवं सामूहिक उत्तरदायित्व के प्रति संगठन की प्रतिबद्धता का प्रतीक रहा।

सभा का समापन अध्यक्ष श्री नज़रुल इस्लाम द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उन्होंने प्रबंधन, आमंत्रित अतिथियों एवं सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए संगठन के प्रति उनके निरंतर सहयोग और विश्वास के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। यह सामान्य सभा एक बार पुनः इस तथ्य को रेखांकित करती है कि सीएमओएआई केवल एक संगठन नहीं, बल्कि अधिकारियों की आकांक्षाओं, अधिकारों एवं कल्याण का एक सशक्त मंच है। ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की प्रगति एवं उत्कृष्टता की यात्रा में सीएमओएआई एक सेतु के रूप में कार्य करते हुए प्रबंधन एवं अधिकारियों के मध्य संवाद, सहयोग एवं विश्वास की भावना को निरंतर सुदृढ़ करता रहेगा।

अस्मिता खेलो इंडिया के तहत साइकिलिंग प्रतियोगिता का आयोजन

डुमरी (ससे): भारत सरकार के युवा खेल मंत्रालय के निर्देशानुसार साइकिलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया एवं साईं के संयुक्त तत्वाधान में झारखंड साइकिलिंग एसोसिएशन के मार्गदर्शन में रविवार को गिरिडीह जिला साइकिलिंग संघ के अस्मिता खेलो इंडिया साइकिलिंग सिटी लीग एवं विश्व साइकिल दिवस डुमरी के पुराना जीटी रोड बेरमो मोड़ से अरगाघाट इसरी के बीच साइकिल रेस प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें अतिथि के रूप में नारायण राम (मजिस्ट्रेट धनबाद) यशोदा देवी (पूर्व प्रमुख डुमरी) दुर्योधन महतो (सामाजिक कार्यकर्ता) पंकज कुमार, मिथलेश महतो, निक्कू मिर्धा, रामचंद्र महतो आदि उपस्थित रहे। अस्मिता साइकिलिंग प्रतियोगिता में १५० प्रतिभागियों ने एवं विश्व साइकिल दिवस को लेकर आयोजित प्रतियोगिता में २०० प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।अस्मिता साइकिलिंग

प्रतियोगिता तीन वर्गों में खेली गई। अंडर-१४ में वर्षा कुमारी ने प्रथम,ब्यूटी कुमारी द्वितीय और मीठी कुमारी ने तीसरा स्थान हासिल किया।

अंडर-१७ वर्ग में रोशनी कुमारी ने प्रथम,दुलारी कुमारी द्वितीय एवं नेहा कुमारी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।वहीं अंडर १९ में लक्ष्मी कुमारी प्रथम प्रियंका कुमारी द्वितीय एवं नुसरत ने तीसरा स्थान पर सफल रही।सभी सफल प्रतिभागियों को मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।तकनीकी पदाधिकारी के रुप में राजकुमार मेहता, शिवशंकर यादव एवं नरेश कुमार ने खेल को संपन्न कराया। गिरिडीह जिला साइकिलिंग संघ के सचिव जितेंद्र महतो ने बताया कि जीते हुए खिलाड़ियों को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल होने का अवसर मिलेगा।वहीं आयोजन के दौरान पुलिस का सराहनीय सहयोग रहा। मौके पर पप्पू शर्मा,राजेंद्र महतो,सलीम, मोहन महतो आदि उपस्थित थे।

बहरामपुर से ममता के चुनाव लड़ने की अफवाहों पर विराम

कोलकाता(ईएमएस): पश्चिम बंगाल की बहरामपुर लोकसभा सीट से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के चुनाव लड़ने और मौजूदा सांसद यूसुफ पठान के इस्तीफे को लेकर चल रही खबरों पर अब पूरी तरह से विराम लग गया है। इस पूरे विवाद के बीच तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद और पूर्व क्रिकेटर यूसुफ पठान का एक वीडियो बयान सामने आया है, जिसमें उन्होंने साफ किया है कि ममता बनर्जी या पार्टी के किसी भी अन्य नेता ने उनसे सांसद पद से इस्तीफा देने के लिए नहीं कहा है। इसके साथ ही, इस मामले में मध्यस्थ के तौर पर नाम उछाले जाने के बाद पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान सौरव गांगुली ने भी आधिकारिक बयान जारी कर इन दावों को पूरी तरह से झूठा और निराधार बताया है।

सांसद यूसुफ पठान ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर कहा कि काफी समय से यह भ्रामक खबर फैलाई जा रही है कि ममता बनर्जी ने उनसे बहरामपुर लोकसभा सांसद पद छोड़ने को कहा है, ताकि वे खुद वहां से लोकसभा चुनाव लड़ सकें। उन्होंने स्पष्ट किया कि ममता बनर्जी ने उनसे इस बारे में कभी कोई बात नहीं की।

हाल ही में हुई बैठक के दौरान भी ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई थी, और न ही पार्टी के किसी आधिकारिक नेता ने उन तक ऐसा कोई संदेश पहुंचाया। यूसुफ पठान ने गहरी निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि बिना किसी आधिकारिक पुष्टि या सच्चाई के सोशल मीडिया और विभिन्न माध्यमों पर इस विषय पर लगातार चर्चा और बहस की जा रही है, जो पूरी तरह से गलत है।

नाम बदलने की राजनीतिः सांस्कृतिक पुनर्जागरण या राजनीतिक रणनीति

नई दिल्ली,(ईएमएस) : केंद्र की पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार और विभिन्न राज्यों में भाजपा की सरकारों ने स्थलों, इमारतों के नाम परिवर्तन का जो दौर चलाया उसे लेकर अब सवाल खड़े होने लगे हैं। देश में शहरों, गली-मोहल्ले, सड़कों, रेलवे स्टेशनों और अब विश्वविद्यालयों के नाम बदलने का सिलसिला लगातार तेज होता जा रहा है। हाल ही में भोपाल स्थित बरकतुल्ला विश्वविद्यालय का नाम बदलकर मां वाग्देवी भोजपाल विश्वविद्यालय किए जाने के प्रस्ताव पास होने के बाद यह बहस फिर तेज हो गई है कि नाम परिवर्तन के पीछे वास्तविक उद्देश्य क्या है।

अनावश्यक तौर पर किए जा रहे नाम परिवर्तन की आलोचना करने वालों का तर्क है कि यह प्रक्रिया राजनीतिक लाभ और भाजपा के वैचारिक एजेंडे का हिस्सा है। उनका कहना है कि नाम बदलने से रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और महंगाई जैसी मूलभूत समस्याओं का समाधान नहीं होता। विशेषज्ञों के अनुसार नाम परिवर्तन किए जाने से सरकार पर आर्थिक प्रभाव भी पड़ता है। सरकारी दस्तावेजों, साइनबोर्ड, वेबसाइटों और रिकॉर्ड को अपडेट करने में भारी खर्च आता है। इसके साथ ही सदियों की पहचान बने स्मारक अपनी असली पहचान भी खोते चले जाते हैं। उनकी पहचान कायम करने के लिए अलग से प्रयास किए जाते हैं, जिसमें काफी समय लग जाता है, जबकि दुनियाभर में ऐसे कार्यों की आलोचना ही होती है, कोई इसकी प्रशंसा नहीं करता दिखता। हालांकि समर्थकों का मानना है कि यह एक बार का निवेश है, जबकि सांस्कृतिक पहचान का लाभ लंबे समय तक बना रहता है।

विवाद को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी के नेता भी मुखर हुए हैं उन्होंने कहा है, कि यह कदम देश को औपनिवेशिक और विदेशी शासकों की विरासत से मुक्त कर भारतीय सांस्कृतिक पहचान को पुनर्स्थापित करने के लिए उठाए जा रहे हैं। पार्टी के अनुसार, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व वाले पुराने नामों को वापस लाकर राष्ट्रीय गौरव को मजबूत किया जा रहा है। इस पर विरोधी खेमा कहता देखा जाता है कि बरकतुल्ला भोपाली जैसे स्वतंत्रता सेनानी के नाम की जगह कोई और नाम रखा जाना औपनिवेशिक और विदेशी शासकों की विरासत से मुक्त करने जैसी सोच से जोड़कर कैसे देखा जा सकता है? अब इस तरह के नाम परिवर्तन को लेकर सोशल मीडिया पर विरोध दर्ज कराया जाने लगा है। विरोध करने वालों का कहना है कि नाम परिवर्तन करने की जगह मूलभूत समस्याओं पर ध्यान दिया जाए तो बेहतर होगा।

मुगलों और अंग्रेजों ने भी शंकराचार्यों का अपमान नहीं किया : स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद

आगरा(ईएमएस): आगरा में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि शंकराचार्यों का सम्मान सभी करते हैं, लेकिन एक व्यक्ति अहंकार में चूर होकर उनका अपमान कर रहा है। शंकराचार्यों का ऐसा अपमान मुगलों और अंग्रेजों ने भी नहीं किया था। भाजपा में भी अब दो भाजपा हो गई है। एक भाजपा गाय से प्रेम करती है, जबकि दूसरी गाय को माता कहने के लिए भी तैयार नहीं है। एक भाजपा संतों का सम्मान करती है, तो दूसरी संतों का अपमान करती है। हम अच्छी भाजपा को स्वीकार करते हैं और गलत भाजपा का विरोध करते हैं।

दरअसल, रविवार को शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की गविष्टि यात्रा आगरा पहुंची। यह यात्रा गो-संरक्षण और जनजागरण के उद्देश्य से निकाली जा रही है। राजपुर चुंगी स्थित परशुराम मंदिर पार्क में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्होंने लोगों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा- आप लोग ऐसे लोगों को सत्ता में पहुंचाएं, जो गाय को माता का दर्जा दें।

शहर के बाहर शिफ्ट होंगी मांस दुकानें

वाराणसी(ईएमएस) : धर्म और आध्यात्म की नगरी काशी में मीट-मांस और मछली के कारोबार को लेकर बड़ा फैसला लिया गया है। नगर निगम की साधारण सभा (सदन) की बैठक में शहर के भीतर संचालित मीट-मांस और मछली की दुकानों को चरणबद्ध तरीके से शहर की सीमा से बाहर स्थानांतरित करने पर सहमति बनी है। मैदागिन स्थित टाउनहाल भवन में महापौर अशोक कुमार तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित सदन की बैठक में इस प्रस्ताव पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में शहर के समग्र विकास, अतिक्रमण, स्वच्छता और जनहित से जुड़े कई मुद्दों पर विचार किया गया, जिसमें मीट-मांस और मछली के बाजारों को शहर के बाहरी क्षेत्रों में व्यवस्थित करने का प्रस्ताव प्रमुख रहा। नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने सदन को जानकारी दी कि योजना के प्रथम चरण के लिए पांच स्थानों का चयन कर लिया गया है। इनमें रामनगर, सूजाबाद, गणेशपुर, अवलेशपुर और शिवपुर क्षेत्र शामिल हैं। ये स्थान शहर की बाहरी सीमा के निकट स्थित हैं, ताकि आम लोगों को खरीदारी में किसी प्रकार की असुविधा न हो।

102 मीटर हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म और सीएएफ खरीदे जाएंगे

गौतमबुद्ध नगर अग्निशमन विभाग को आखिरकार नोएडा प्राधिकरण से ७७ करोड़ रुपये की महत्वपूर्ण राशि प्राप्त हो गई है। यह रकम विभाग के लिए एक बड़ी राहत है, क्योंकि इससे वह लंबे समय से प्रतीक्षित आधुनिक उपकरण, विशेषकर ऊंची इमारतों में आग बुझाने के लिए जरूरी १०२ मीटर का हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म और चार कंप्रेस्ड एयर फोम (सीएएफ) यूनिट खरीद सकेगा। यह कदम जिले में लगातार बढ़ती गगनचुंबी इमारतों के बीच दमकल सेवाओं की क्षमता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है। एक प्रमुख अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि नोएडा प्राधिकरण की ओर से कुल १५४ करोड़ रुपये मिलने हैं, जिसमें से आधी रकम के तौर पर ७७ करोड़ रुपये जारी हुए। इन पैसों से खरीदे जाने वाले उपकरण अग्निशमन बेड़े में शामिल होने के बाद आग बुझाने की क्षमताओं में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि ग्रेटर नोएडा से प्राप्त रकम से भी उपकरण खरीदे जाएंगे।

यह खरीद इसलिए भी अहम है क्योंकि वर्तमान में अग्निशमन विभाग के पास केवल ४२ मीटर ऊंचाई तक पहुंचने वाले पांच हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म हैं, जिनसे अधिकतम १४ मंजिल तक की आग बुझाने में ही मदद मिलती है। जबकि नोएडा में ८० मंजिल तक की सुपरनोवा स्पायरा जैसी करीब २५० मीटर ऊंची इमारतें मौजूद हैं, जिनके ऊपरी हिस्सों तक पहुंचने के लिए विभाग के पास कोई हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म नहीं था। विभाग करीब छह साल से ७२ और १०२ मीटर के हाइड्रोलिक खरीदने का दावा भर कर रहा था, जिससे करदाताओं की सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ रही थीं। अब इस रकम से यह कमी दूर होने की उम्मीद है। इसी बीच दिल्ली के मालवीय नगर अग्निकांड के बाद गौतमबुद्ध नगर अग्निशमन विभाग ने जिले के होटलों, गेस्ट हाउसों और रेस्त्रां में सुरक्षा जांच तेज कर दी है।

महंगाई की डबल मारः रसोई गैस, ईंधन के बाद दूध-दाल और अनाज भी महंगे

नई दिल्ली,(ईएमएस): आम जनता को महंगाई के मोर्चे पर एक और बड़ा झटका लगा है। घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में २९ रुपये की बढ़ोतरी के बाद अब ईंधन, खाद्य पदार्थों और रोजमर्रा के इस्तेमाल की वस्तुओं के दाम भी लगातार बढ़ रहे हैं। बढ़ती कीमतों का सीधा असर आम परिवारों के मासिक बजट पर पड़ रहा है और रसोई का खर्च पहले की तुलना में काफी अधिक हो गया है।

विशेषज्ञों के अनुसार पेट्रोल और डीजल की कीमतों में हालिया बढ़ोतरी के कारण परिवहन और लॉजिस्टिक्स लागत बढ़ गई है। इसका असर सप्लाई चेन पर पड़ा है और खाद्य वस्तुओं सहित लगभग हर उत्पाद महंगा हो गया है। दूध उत्पादकों पर पशु चारा, पैकेजिंग और ईंधन लागत का दबाव बढ़ने से कई डेयरी कंपनियों ने दूध की कीमतों में करीब दो रुपये प्रति लीटर तक वृद्धि की है।

दाल, खाद्य तेल, सब्जियां और अन्य आवश्यक खाद्य सामग्री भी महंगी हो गई हैं। बाजार विशेषज्ञों का अनुमान है कि आम परिवार की थाली का खर्च पिछले कुछ महीनों में करीब ३० प्रतिशत तक बढ़ा है। इसके अलावा साबुन, डिटर्जेंट और अन्य उपभोक्ता उत्पाद बनाने वाली एफएमसीजी कंपनियों ने भी बढ़ती लागत का हवाला देते हुए कीमतों में २ से १४ प्रतिशत तक वृद्धि की है।

रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने अपनी हालिया रिपोर्ट में चेतावनी दी है कि यदि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल

की कीमतें ऊंची बनी रहीं तो आने वाले समय में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में और बढ़ोतरी हो सकती है। इससे महंगाई पर अतिरिक्त दबाव पड़ेगा और खाद्य पदार्थों के साथ-साथ कपड़ा, इलेक्ट्रॉनिक्स, सीमेंट, सिरेमिक तथा निर्माण सामग्री जैसे क्षेत्रों में भी कीमतें बढ़ सकती हैं।

पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार घरेलू एलपीजी पर लागत और बिक्री मूल्य के बीच का अंतर यानी अंडर-रिकवरी वित्त वर्ष २०२५-२६ के अंत तक ६०,००० करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। यह पिछले वर्ष के ४१,३३८ करोड़ रुपये की तुलना में काफी अधिक है। इस स्थिति को देखते हुए केंद्र सरकार ने तेल विपणन कंपनियों को ३०,००० करोड़ रुपये के मुआवजे को मंजूरी दी है। वहीं, उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को प्रति सिलेंडर ३०० रुपये की सब्सिडी जारी रहेगी, जिससे १०.५८ करोड़ से अधिक परिवार लाभान्वित होंगे।

विशेषज्ञों का मानना है कि ईंधन की कीमतों में वृद्धि का असर केवल परिवहन तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह उत्पादन लागत बढ़ाकर समूची अर्थव्यवस्था में महंगाई को बढ़ावा देता है। ऐसे में आने वाले महीनों में उपभोक्ताओं को महंगाई की इस दोहरी मार का सामना करना पड़ सकता है।

इलेक्ट्रिक स्टोव में धमाका, लॉक हो गए कमरे

नई दिल्ली,(ईएमएस): दिल्ली के मालवीय नगर होटल अग्निकांड में २१ लोगों की मौत के बाद पुलिस आग लगने की वजहों को तलाशने में जुटी है। जांच में एक बेहद हैरान करने वाला खुलासा हुआ है। हादसे के वक्त किचन में मौजूद मुख्य शेफ केशव नेगी से पुलिस ने लंबी पूछताछ के बाद हिरासत में ले लिया है। शेफ ने पुलिस को जो बताया, उससे साफ हो गया है कि यह हादसा इतना भयानक कैसे हो गया। मीडिया रिपोर्ट में पुलिस को शेफ नेगी ने बताया कि बुधवार की सुबह जब वह किचन में काम कर रहा था, तभी इलेक्ट्रिक स्टोव चालू करते ही उसमें धमाका हुआ। इस ब्लास्ट के साथ ही पूरी रसोई में भीषण आग लग गई। लपटें इतनी तेज थीं कि देखते ही देखते आग पूरी बहुमंजिला इमारत में फैल गई। जांच में जो सबसे चौंकाने वाली बात सामने आई है, वह यह कि आग और धुआं देखकर शेफ नेगी बुरी तरह घबरा गया। अपनी जान बचाने उसने बिना सोचे-समझे पूरे होटल की मेन पावर सप्लाई बंद कर दी और खुद वहां से भाग गया। पुलिस को शक है कि जैसे ही होटल की बिजली कटी, इमारत का इलेक्ट्रॉनिक डोर लॉकिंग सिस्टम यानी कमरों और रास्तों के ऑटोमैटिक दरवाजे पूरी तरह ठप हो गए।

सीजेपी के मंच से सोनम वांगचुक ने छात्रों के आंदोलन का किया समर्थन

नई दिल्ली,(ईएमएस) : कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन को तब और बल मिला जब सोनम वांगचुक ने मंच पर पहुंचकर छात्रों के आंदोलन का समर्थन किया। वांगचुक ने कहा कि उन्हें व्यक्तिगत रूप से विरोध-प्रदर्शन पसंद नहीं है, लेकिन जब न्याय की मांगों को अनसुना किया जाता है तो लोगों को आवाज उठानी पड़ती है। उन्होंने कहा कि देश की शिक्षा व्यवस्था में बुनियादी बदलाव की जरुरत है और छात्रों की समस्याओं को गंभीरता से सुना जाना चाहिए। वांगचुक ने कहा कि बार-बार पेपर लीक हो रहे हैं। ऐसे में जवाबदेही तो तय करनी पड़ेगी।

इसी बीच कवांगचुक ने एक सुझाव देते हुए कहा कि नेताओं, मंत्रियों और नौकरशाहों के बच्चों को सरकारी स्कूलों और सरकारी शिक्षण संस्थानों में पढ़ना चाहिए। उनका कहना था कि जो लोग व्यवस्था चला रहे हैं, उन्हें उसी व्यवस्था का अनुभव भी करना चाहिए। मंच के सामने मौजूद छात्रों ने कई बार उन्हें शिक्षा मंत्री बनने का आग्रह किया, लेकिन उन्होंने किसी भी राजनीतिक भूमिका में आने की संभावना को खारिज कर दिया।

इससे पहले सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने आरोप लगाया कि छात्र आंदोलन की मांगों पर ध्यान देने के बजाय सोशल मीडिया गतिविधियों को निशाना बनाया जा रहा है। दीपके ने कहा कि पिछले एक माह से केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग उठाई जा रही है, लेकिन सरकार इस मुद्दे पर कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि समाज के कुछ वर्ग दबाव में समझौता कर सकते हैं, लेकिन देश के छात्र और युवा अभी भी अपने अधिकारों और न्याय के लिए

संघर्ष कर रहे हैं। दोपहर गर्मी से दीपके की तबीयत बिगड़ गई। हालांकि उन्होंने प्रदर्शनकारियों को संबोधित किया।

दीपके ने कहा कि आज का प्रदर्शन समाप्त हो रहा है, लेकिन यह सिर्फ शुरुआत है। हम अगले शनिवार फिर जंतर मंतर लौटेंगे। अगर धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा नहीं देते है तो यह आंदोलन केवल दिल्ली तक सीमित नहीं रहेगा। हम पूरे देश में प्रदर्शन करेंगे और स्टूडेंट्स की आवाज को हर राज्य और हर शहर तक पहुंचाएंगे। कई छात्र और राजनीतिक संगठनों का भी समर्थन देखने को मिला। जेएनयू के वर्तमान और पूर्व छात्र नेताओं ने भाग लिया। सीपीआई (एमएल) के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य भी जंतर-मंतर पहुंचे।

रिपोर्ट के मुताबिक प्रदर्शन समाप्त होने के बाद अभिजीत दीपके ने सोशल मीडिया पर एक मैसेज साझा किया। उन्होंने लिखा कि वह अपने माता-पिता से मिलने घर लौट रहे हैं, जिनसे उनकी मुलाकात एक साल से ज्यादा समय से नहीं हुई है। उन्होंने दावा किया कि पिछले १५ दिन में उनके परिवार को धमकियों दी जा रही है और उन्हें अपना घर छोड़ना पड़ा। दीपके ने कहा कि अब वह अपने माता-पिता को वापस घर ले जाएंगे। उन्होंने समर्थकों का आभार जताते हुए लिखा कि आज का प्रदर्शन सिर्फ एक ट्रेलर था।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक - गणेश मिश्रा. फोन - 9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

मारवाड़ी युवा मंच ने प्रतिभाओं को किया गया सम्मानित

झरिया (ससे) : मारवाड़ी युवा मंच, झरिया शाखा द्वारा अग्रवाल धर्मशाला (नया भवन), झरिया में भव्य प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में विभिन्न शैक्षणिक एवं व्यावसायिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल करने वाले कुल ७१ प्रतिभाशाली विद्यार्थियों एवं युवाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता शाखा अध्यक्ष किरण शर्मा ने की।

समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि सीए रविन्द्र कुमार पटनिया, विष्टि अतिथि राजकुमार अग्रवाल, डॉ. सूरज चौहान, विजय सांवरिया एवं अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय संयोजक (रक्तदान) विवेक लील्हा द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

इस अवसर पर शाखा के पूर्व अध्यक्ष विवेक लील्हा को अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय संयोजक (रक्तदान) मनोनीत होने पर विशेष रूप से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बताया गया कि लगभग २५ वर्षों के बाद झरिया शाखा के किसी सदस्य को राष्ट्रीय कार्यकारिणी में महत्वपूर्ण दायित्व प्राप्त हुआ है, जो सम्पूर्ण शाखा के लिए गौरव का विषय है।

समारोह में कक्षा १०वीं एवं १२वीं में ९० प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के साथसाथ उच्च शिक्षा, व्यावसायिक पाठ्यक्रमों एवं विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में किरण शर्मा ने कहा कि प्रतिभाओं का सम्मान किसी भी समाज के उज्ज्वल भविष्य की नींव को मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि आज सम्मानित हो रहे विद्यार्थी आने वाले समय में समाज एवं राष्ट्र का नेतृत्व करेंगे। मंच सदैव शिक्षा, संस्कार एवं सामाजिक दायित्वों के प्रति समर्पित रहा है और आगे भी प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने का कार्य निरंतर जारी रखेगा।

अपने संबोधन में विवेक लील्हा ने कहा कि झरिया शाखा सदैव सेवा, संस्कार एवं सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में अग्रणी रही है। राष्ट्रीय स्तर पर मिला यह दायित्व पूरी झरिया शाखा का सम्मान है। उन्होंने युवाओं से समाजसेवा, रक्तदान एवं जनकल्याणकारी कार्यों में बढ़चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया।

मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों को अनुशासन, निरंतर परिश्रम एवं सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। वहीं विशिष्ट अतिथियों ने भी सम्मानित प्रतिभाओं को शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम का स्वागत उद्बोधन संयोजक मयंक केजरीवाल ने प्रस्तुत किया। समारोह का प्रभावशाली मंच संचालन शाखा के निवर्तमान अध्यक्ष डॉ. मनीष शर्मा ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन शाखा सचिव सन्नी अग्रवाल ने किया।

समारोह में समाज के गणमान्य नागरिकों, अभिभावकों, विद्यार्थियों एवं मंच के सदस्यों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

भगवान बिरसा मुण्डा की पुण्यतिथि कल

धनबाद (कासं) : शहीद बिरसा मुण्डा स्मारक स्मृति संचालन समिति के तत्वावधान में इस वर्ष भी भगवान बिरसा मुण्डा की पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई जाएगी।

इस संबंध में समिति के संयोजक महादेव हाँसदा द्वारा एक प्रेसविज्ञप्ति जारी कर कार्यक्रम की रूपरेखा साझा की गई है। समिति से प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह कार्यक्रम आगामी ९ को सुबह ९ बजे धनबाद के हृदय स्थल बैंक मोड़ स्थित बिरसा मुण्डा चौक पर आयोजित किया जाएगा।

संयोजक महादेव हाँसदा के नेतृत्व में आयोजित होने वाले इस स्मृति समारोह में भगवान बिरसा मुण्डा की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी।

इस गरिमामयी कार्यक्रम में धनबाद जिले के वरीय प्रशासनिक पदाधिकारियों सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों और प्रमुख समाजसेवियों के उपस्थित रहने की संभावना है। इसके साथ ही शहीद बिरसा मुण्डा स्मारक स्मृति संचालन समिति के सदस्यों और जिला प्रशासन सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहेंगे।

गोलीबारी व हत्या के खिलाफ आजसू का मशाल जुलूस

गोविंदपुर (ससे) : आजसू पार्टी गोविंदपुर प्रखण्ड समिति की ओर से लोयाबाद थाना क्षेत्र के बांसजोड़ा गांव में गोली बारी एवं हत्या के खिलाफ सीबीआई जांच एवं किशुन रवानी के परिजनों और विष्णु प्रामाणिक उर्फ बादल प्रामाणिक का नार्को टेस्ट कराने की मांग को लेकर मशाल जुलूस निकाला गया। वक्ताओं ने कहा कि इस कांड में दोषियों को सजा मिलने तक आंदोलन जारी रहेगी। आजसू पार्टी हाईकोर्ट एवं सुप्रीम कोर्ट तक न्याय की लड़ाई लड़ेगी।

कार्यक्रम में शामिल केंद्रीय प्रवक्ता देवशरण भगत वरीय उपाध्यक्ष परवीन प्रभाकर, केंद्रीय महासचिव संतोष महतो, केंद्रीय सचिव प्रमोद चौरसिया, केंद्रीय सदस्य सह निरसा विधानसभा प्रभारी सफीक आलम अंसारी, धनबाद संसद प्रतिनिधि जिला सचिव आशीष तिवारी, जिला प्रधान सचिव जिला कार्यकारी अध्यक्ष रमेश मुनि राम, लाली महतो आदि शामिल थे।

बलियापुर (ससे) : पिछले दिनों लोयाबाद थाना क्षेत्र के बांसजोड़ा गांव में गोलीबारी एवं हत्या के खिलाफ आजसू पार्टी बलियापुर प्रखंड कमिटी की ओर से मशाल जुलूस निकाला गया।

जुलूस हटिया मोड़, बलियापुर बाजार होते हुए प्रखंड कार्यालय पहुंचा। आजसू पार्टी जिलाध्यक्ष मंटू महतो ने कहा कि क्षेत्र के बांसजोड़ा में जलेश्वर महतो के समर्थक कोयला चोरों द्वारा आजसू पार्टी के कार्यकर्ताओं के ऊपर गोली, बम, लाठी डंडा से जानलेवा हमला कर गाड़ी एवं लोगों को घायल किया। किशुन रवानी का हत्या हुआ। आजसू पार्टी सरकार एवं प्रशासन से बिंदुवार जांच की मांग की। हत्या के खिलाफ सीबीआई जांच, किशुन रवानी के परिजनों और विष्णु उर्फ बादल प्रमाणिक नार्को टेस्ट कराने की मांग की। मौके पर मनोज रवानी, सरिता देवी, बनी देवी, बलराम महतो, सुप्रिया कुमारी, भगवान दास वर्मा, गुड्डू अंसारी, परमेश्वर महतो, राजा दास आदि मौजूद थे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मिलीं तारा देवी

धनबाद/रांची (कासं) : भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के झारखंड प्रवास के दौरान रांची के ओरमांझी में आयोजित परिचयात्मक बैठक में सिंदरी विधानसभा की भाजपा नेत्री तारा देवी ने उनसे शिष्टाचार मुलाकात कर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया।इस अवसर पर तारा देवी ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष का झारखंड दौरा संगठन को नई दिशा और नई ऊर्जा प्रदान करेगा। उनके नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में भाजपा कार्यकर्ता जनसेवा, संगठन विस्तार और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को और अधिक मजबूती के साथ आगे बढ़ाएंगे। बैठक में संगठन सशक्तिकरण, कार्यकर्ताओं की भूमिका तथा आगामी राजनीतिक रणनीतियों को लेकर भी व्यापक चर्चा हुई। राष्ट्रीय अध्यक्ष के संबोधन से कार्यकर्ताओं में उत्साह और आत्मविश्वास का संचार हुआ।

लोडिंग प्वाइंट पर रोजगार संकट को ले मजदूरों ने दी आंदोलन की चेतावनी

जोड़ापोखर (ससे) : जीनागोरा एमडीओ (एनटीपीसीसीटी कुजामा अमलोरीटेक) लोडिंग प्वाइंट पर कार्यरत असंगठित मजदूरों ने रोजगार संकट और डी.ओ. एलॉटमेंट में हो रही देरी को लेकर प्रबंधन के प्रति गहरी नाराजगी व्यक्त की है।

मजदूर प्रतिनिधियों द्वारा मुख्य महाप्रबंधक, भाकोकोलि लोदना क्षेत्र को सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि लोडिंग प्वाइंट पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में मजदूर काम की उम्मीद में पहुंचते हैं, लेकिन एलॉटमेंट नहीं होने के कारण उन्हें बिना काम के वापस लौटना पड़ रहा है। मजदूरों का कहना है कि लगातार काम नहीं मिलने से उनके समक्ष आर्थिक संकट गहरा गया है और कई परिवारों के सामने भुखमरी जैसी स्थिति उत्पन्न होने लगी है।

उन्होंने बताया कि जीनागोरा लोडिंग प्वाइंट के लिए डी.ओ. उपलब्ध होने के बावजूद एलॉटमेंट की प्रक्रिया शुरू नहीं की जा रही है। वहीं डी.ओ. की वैधता अवधि भी समाप्ति की ओर है, जिससे मजदूरों की चिंता और बढ़ गई है। ज्ञापन के माध्यम से मजदूरों ने मांग की है कि तत्काल प्रभाव से डी.ओ. एलॉटमेंट शुरू किया जाए तथा समाप्त हो रही डी.ओ. की वैधता अवधि को बढ़ाया जाए, ताकि रोजगार की प्रक्रिया बाधित न हो। उनका कहना है कि समय पर एलॉटमेंट नहीं होने से न केवल मजदूरों का रोजगार प्रभावित हो रहा है, बल्कि कोयला परिवहन और संबंधित कार्यों पर भी प्रतिकूल असर पड़ सकता है।

मजदूर प्रतिनिधियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक पहल नहीं की गई तो वे ९ से लोदना क्षेत्र में ट्रांसपोर्टिंग एवं आउटसोर्सिंग कार्यों को बंद करने के लिए बाध्य होंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसी स्थिति उत्पन्न होने पर इसकी पूरी जिम्मेदारी प्रबंधन की होगी। मजदूरों ने प्रबंधन से संवेदनशीलता दिखाते हुए समस्या का स्थायी समाधान निकालने, रोजगार की निरंतरता सुनिश्चित करने तथा भविष्य में इस प्रकार की स्थिति दोबारा उत्पन्न न होने देने के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की है। उनका कहना है कि समय रहते उचित निर्णय लिया जाता है तो मजदूरों के हितों की रक्षा होगी और क्षेत्र में औद्योगिक शांति एवं कार्य व्यवस्था भी बनी रहेगी।

छात्रों ने किया पुरुषोत्तम योग का सामूहिक पाठ

झरिया (ससे) : श्री सत्यनारायण मंदिर स्टेशन रोड झरिया में संस्कृत पाठशाला में पुरुषोत्तम महीने में श्रीमद् भगवद्गीता के पुरुषोत्तम योग का सामूहिक पाठ एवं अभ्यास कराया गया। इसके अलावा संस्कृत में अंताक्षरी पहाड़ा संस्कृत संभाषण वार्तालाप गीत इत्यादि पढ़ाया गया। संस्कृत पढ़ाने का कार्य हरीश कुमार जोशी अधिवक्ता ने किया एवं प्रसाद वितरण राजेश लीलाधर ठक्कर द्वारा किया गया। इस अवसर पर खुशी कुमारी, छोटी कुमारी, श्लोक कुमारी, अनन्या कुमारी, विधि कुमारी, त्रिशा कुमारी, याचना कुमारी आदि उपस्थित थी।

रैयत ग्रामीण संघर्ष समिति ने किया नारेबाजी

बलियापुर (ससे) : बेलगड़िया बस्ती में रैयत ग्रामीण संघर्ष समिति व भूमि वापसी संघर्ष समिति के बैनर तले बीसीसीएल से विस्थापित हुए विभिन्न गांवों के ग्रामीणों की बैठक संपन्न हुई।

बैठक में पलानी स्थित हीरक रोड से बेलगड़िया बस्ती होते हुए रानी रोड तक सड़क चौड़ीकरण प्रस्ताव का जोरदार विरोध किया गया। जमकर नारेबाजी की। बैठक में एमओसीपी के नाम पर विभिन्न गांवों के अधिग्रहित भूमि को रैयत किसानों को वापस दिलाने के लिए जरेडा एवं जिला प्रशासन के विरुद्ध आंदोलन हेतु रणनीति पर विचारविमर्श किया गया। बैठक में सुभाष सिंह चौधरी, सुरिश सिंह, जीत लाल सिंह, जेठू महतो, जयपति गोप, अशोक महली, सोहन मोहली, नंदलाल महली, शरण सिंह, पिंटू सिंह, श्रीनाथ सिंह, रंजीत महतो, सुबल महतो, अमर सिंह आदि थे।

मानसरोवर मार्ग पर नेपाल को आपत्ति

नई दिल्ली (ईएमएस) : भारत दौरे पर आए नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने एक बार फिर कालापानी और लिपुलेख क्षेत्र को लेकर नेपाल का दावा दोहराते हुए इस मुद्दे को सार्वजनिक रूप से उठाया है। नेपाली विदेश मंत्री के इस बयान ने दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद को फिर चर्चा में ला दिया है। यह बयान ऐसे समय आया है जब उन्होंने नई दिल्ली में भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से मुलाकात की है। कैलाश मानसरोवर यात्रा से जुड़े एक प्रश्न के जवाब में खनाल ने कहा कि यात्रा कई अलग-अलग सीमा मार्गों से संचालित होती है और बड़ी संख्या में श्रद्धालु नेपाल के रास्ते भी यात्रा करते हैं। उन्होंने कहा कि नेपाल की मुख्य चिंता कालापानी और लिपुलेख क्षेत्र को लेकर भारत और चीन के बीच हुए समझौतों से जुड़ी है।

चबुतरा में पठनपाठन का कार्य किया

बलियापुर (ससे) : सरकारी स्कूलों में चल रहे ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान स्कूली बच्चों की पढ़ाई की प्रक्रिया नियमित बरकरार रखने के लिए बलियापुर क्षेत्र स्थित उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय खेरबाड़ी के बच्चों को विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्यों द्वारा गांव के चबूतरा में पठन पाठन का कार्य किया जा रहा है। मालूम हो कि ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान ग्राम शिक्षा संगम के तहत स्कूली बच्चों को नियमित अध्यापन हेतु ग्राम शिक्षा संगम के तहत निर्देशित किया गया है। जिसके तहत उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय खेरवाड़ी के विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्य अजीत गोप द्वारा गांव के बीचोबीच स्थित चबूतरा में बच्चों को अध्यापन का कार्य किया जा रहा है। गांव के बच्चे भी इस पठनपाठन कार्य में बढ़ चढ़कर भाग ले रहे हैं।

शेड निर्माण कार्य का शिलान्यास

बलियापुर (ससे) : दोलाबड़ शिव मंदिर प्रांगण में पंचायत फंड से बनने वाले शेड निर्माण हेतु भूमि पूजन का कार्य पंचायत की मुखिया सुनीता मल्लिक द्वारा किया गया। इस दौरान मुखिया श्रीमती मल्लिक ने कहा कि शेड का निर्माण होने से ग्रामीणों को काफी लाभ होगा। मौके पर निर्मल रजवार, उत्तम कर्मकार, अनिल दास, उज्जैन सेन, धीरेंद्र सेन, नकुल दास आदि थे।

सीआईएसएफ ने किया 30 टन अवैध कोयला जब्त

कतरास (ससे) : ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के बाद अब बीसीसीएल के क्षेत्रों में भी अवैध कोयला कारोबारियों के खिलाफ शिकंजा कसना शुरू हो गया है। बीसीसीएल के ईज एरिया अंतर्गत भौंरा के बंद पड़े ३५ नंबर इक लाइन (१ नंबर लाइन) में सीआईएसएफ और बीसीसीएल प्रबंधन ने एक बड़ी संयुक्त कार्रवाई को अंजाम दिया है। इस छापेमारी के दौरान टीम ने लगभग ३० टन अवैध कोयला जब्त किया है।

प्रबंधन को लगातार यह गोपनीय जानकारी मिल रही थी कि कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा भौंरा के बंद पड़े खदान क्षेत्र से अवैध रूप से कोयला निकाल कर उसे सुरक्षित स्थानों पर डंप किया जा रहा है। इस सूचना के सत्यापन के बाद सीआईएसएफ और बीसीसीएल की सुरक्षा टीम ने योजनाबद्ध तरीके से अचानक धावा बोल दिया।

अचानक हुई इस त्वरित कार्रवाई से अवैध कोयला चोरों और असामाजिक तत्वों में हड़कंप मच गया। टीम को आते देख धंधेबाज मौके से भाग खड़े हुए, जिससे उनके मंसूबों पर पूरी तरह पानी फिर गया।

सुरक्षा बलों ने न सिर्फ मौके से भारी मात्रा में निकाला गया कोयला जब्त किया, बल्कि भविष्य में वहां से दोबारा चोरी रोकने के लिए कड़े कदम उठाए। टीम ने पोकलेन और डोजर की मदद से कोयला निकालने के लिए बनाए गए अवैध सुरंगनुमा मुहाने की भराई कराकर उसे पूरी तरह बंद कर दिया है।

जब्त किए गए कोयले को बीसीसीएल प्रबंधन ने अपने कैंजे में ले लिया है और सुरक्षित डिपो में भेज दिया है। सुरक्षा अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र में अवैध कोयला खनन और परिवहन को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और आगे भी इस तरह के औचक अभियान जारी रहेंगे।

पर्यावरण संरक्षण को ले कार्यक्रम आयोजित

गोविंदपुर (ससे) : आरएस मोर कॉलेज में पर्यावरण संरक्षण को ले राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता प्राचार्य डॉ. प्रवीण सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों का चहुंमुखी विकास ही कॉलेज का उद्देश्य है। विशिष्ट वक्ता डॉ. राम चंद्र जेना एवं डॉ. रवि रंजन ने कहा कि धरती को बचाने के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाने ही होंगे। मौके पर विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। मंच संचालन अंजु कुमारी तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. कुहाली बनर्जी ने किया। कार्यक्रम में शिक्षकों, शिक्षकेतर कर्मचारियों एवं छात्रछात्राओं ने भाग लिया। दूसरी ओर पर्यावरण संरक्षण को ले मारवाड़ी युवा मंच गोविंदपुर उन्नति शाखा ने पर्यावरण बचाओ, पेड़ लगाओ आह्वान के साथ गोविंदपुर थाना परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम चलाया। थाना प्रभारी विष्णु प्रसाद राउत ने पौधरोपण कर कार्यक्रम की शुरुआत की।

स्कूल परिसर शौच के लिए हो रहा है इस्तेमाल

गोविंदपुर (ससे) : बेसिक स्कूल का विकास केवल भवन निर्माण या नाम मात्र की सुविधाओं तक सीमित नहीं होता, बल्कि उसकी असली पहचान उसके वातावरण, स्वच्छता और उपयोग के तरीके से तय होती है। लेकिन गोविंदपुर क्षेत्र के एक बेसिक स्कूल की वर्तमान स्थिति इस आदर्श के बिल्कुल विपरीत नजर आ रही है, जहां स्कूल परिसर का इस्तेमाल खुले में शौच के लिए किया जा रहा है। यह स्थिति केवल एक छोटी समस्या नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम की गंभीर विफलता को दर्शाती है। जिस स्थान पर बच्चों को शिक्षा, संस्कार और स्वच्छता का पाठ पढ़ाया जाना चाहिए, वहीं गंदगी और अव्यवस्था का माहौल बना हुआ है। इससे न केवल बच्चों के स्वास्थ्य पर खतरा मंडरा रहा है, बल्कि उनके मन में स्कूल के प्रति नकारात्मक भावना भी

उत्पन्न हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि स्कूल परिसर में न तो पर्याप्त निगरानी है और न ही बुनियादी सुरक्षा व्यवस्था। लोग इसे खुले स्थान की तरह उपयोग करने लगे हैं।

वहीं, आसपास शौचालय की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने के कारण भी लोग स्कूल परिसर का दुरुपयोग कर रहे हैं। इस मामले में जिम्मेदारी तय करने की बात करें तो यह स्पष्ट है कि यह केवल एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे तंत्र की विफलता है। स्कूल प्रबंधन की जिम्मेदारी है कि परिसर की साफसफाई और देखभाल सुनिश्चित करे। वहीं, स्थानीय प्रशासन और पंचायत को क्षेत्र में शौचालय की उचित व्यवस्था करनी चाहिए। शिक्षा विभाग की भूमिका भी अहम है, जिसे नियमित निरीक्षण और रखरखाव की निगरानी करनी चाहिए। हालांकि, जमीनी स्तर पर इन जिम्मेदारियों का सही निर्वहन नहीं हो पा रहा है। सरकार द्वारा स्वच्छता और शिक्षा को लेकर कई योजनाएं चलाई जा रही हैं, लेकिन इस तरह की स्थिति यह दर्शाती है कि ये योजनाएं केवल कागजों तक ही सीमित रह जाती हैं। इस समस्या का सबसे गंभीर पहलू यह है कि यह केवल गंदगी का मुद्दा नहीं, बल्कि समाज की सोच को भी उजागर करता है। जब लोग शिक्षा के स्थान का सम्मान नहीं करते, तो यह सामाजिक मूल्यों पर भी प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है। यदि समय रहते इस स्थिति में सुधार नहीं किया गया, तो इसका सीधा असर आने वाली पीढ़ियों पर पड़ेगा। इसलिए जरूरी है कि प्रशासन सख्त कदम उठाए, स्कूल प्रबंधन सक्रिय हो और समाज भी अपनी जिम्मेदारी समझे। तभी शिक्षा के इस मंदिर को उसकी वास्तविक गरिमा वापस मिल सकेगी।

युवा भविष्य को सुरक्षित करने में विश्वास रखते हैं, वे कठपुतली नहीं बनेंगे : नितिन नबीन

नई दिल्ली,(ईएमएस) : भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने आरोप लगाया है कि कुछ ताकतें देश के युवाओं को नकारात्मक राजनीति की ओर धकेलने का कोशिश कर रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत के युवा राष्ट्र निर्माण और अपने भविष्य को सुरक्षित करने में विश्वास रखते हैं।

वे किसी के हाथ की कठपुतली नहीं बनेंगे। झारखंड के रांची में बुद्धिजीवियों के साथ संवाद करते हुए नितिन नबीन ने कहा कि कुछ लोग विदेश में बैठकर यह सोचते हैं कि वे भारत के युवाओं को दिशा दे सकते हैं। हालांकि उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन उनका यह बयान कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके के संदर्भ में माना जा रहा है।

उन्होंने कहा कि आज का युवा नवाचार, सृजन और राष्ट्र निर्माण की सोच के साथ आगे बढ़ रहा है। देश में करीब दो लाख स्टार्टअप युवाओं की मेहनत और प्रतिभा का परिणाम हैं। भारत वैश्विक सूचना प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता केंद्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। नबीन ने कहा कि विरोध करना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन यह लोकतांत्रिक मर्यादाओं के अंदर होना चाहिए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि जो लोग युवाओं को व्यवस्था विरोधी राजनीति की ओर धकेलना चाहते हैं, उन्हें समझ लेना चाहिए कि भारत का युवा सकारात्मक राजनीति का ही चयन करेगा।

बीजेपी अध्यक्ष ने पीएम मोदी के विकसित भारत २०४७ विजन का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले १२ सालों में देश में बड़े बदलाव हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि २५ करोड़ से ज्यादा लोग गरीबी से बाहर आए हैं, ८० करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिल रहा है और ५४ करोड़ जनधन खाते खोले गए हैं। उन्होंने महिलाओं के लिए ३३ फीसदी आरक्षण, स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना और स्वच्छता अभियान जैसी योजनाओं का भी उल्लेख किया। नबीन दो दिवसीय झारखंड दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने पार्टी नेताओं के साथ संगठनात्मक बैठकों में हिस्सा लिया और पार्टी को मजबूत करने पर चर्चा की। उनका यह दौरा झारखंड में राज्यसभा की दो सीटों के चुनाव से पहले अहम माना जा रहा है।

महासचिव पद से डॉ. राजू का इस्तीफा

चंडीगढ़,(ईएमएस): पंजाब भाजपा में संगठनात्मक बदलावों के बीच पार्टी को एक बड़ा झटका लगा है। भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. जगमोहन सिंह राजू ने प्रदेश महासचिव पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपने इस्तीफे की जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से सार्वजनिक की।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार डॉ राजू ने ५ जून को संगठन मंत्री को इस संबंध में एक पत्र भेजा है। इस पत्र में उन्होंने कहा कि पिछले चार वर्षों में उन्होंने पार्टी के उपाध्यक्ष और महासचिव के रूप में कार्य किया तथा यह उनके लिए सीख और अनुभव से भरा कार्यकाल रहा। इसके लिए उन्होंने पार्टी नेतृत्व का आभार भी व्यक्त किया। राजनीतिक हलकों में उनके इस्तीफे को पंजाब भाजपा में हाल ही में हुए नेतृत्व परिवर्तन से जोड़कर देखा जा रहा है। भाजपा द्वारा केवल सिंह ढिल्लों को पंजाब इकाई का नया अध्यक्ष नियुक्त किए जाने के बाद यह फैसला सामने आया है।

इंडिया ब्लॉक की बैठक से डीएमके-आप ने बनाई दूरी, जेएमएम भी नाराज

नई दिल्ली,(ईएमएस) : इंडिया ब्लॉक की सोमवार को होने वाली बैठक से पहले मतभेद सामने आ गए हैं। डीएमके द्वारा कांग्रेस की मौजूदगी के कारण इस बैठक से दूर रहने की घोषणा के बाद अब सीपीआई-एम ने भी कांग्रेस की कार्यशैली पर नाराजगी जताई है। सीपीआई-एम ने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि केरल में उसके नेताओं द्वारा लगाए गए बीजेपी के साथ 'डील' के आरोप गठबंधन की मूल भावना के खिलाफ हैं। सूत्रों का कहना है कि झारखंड राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस द्वारा उम्मीदवार उतारे जाने से बाद से हेमंत सोरेन की पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा भी नाखुश है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीपीआई-एम महासचिव एम ए बेबी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पत्र लिखकर इस मुद्दे पर स्पष्टीकरण मांगा है। साथ ही इस पत्र की कई कॉपियां गठबंधन के अन्य सहयोगी दलों को भी भेजी हैं। बेबी ने पत्र में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के बयानों पर ऐतराज जताया है। उन्होंने कहा कि केरल विधानसभा चुनाव अभियान में कांग्रेस ने बार-बार ये प्रचार किया कि सीपीआई-एम और बीजेपी के बीच राजनीतिक समझौता है और तत्कालीन सीएम पिनराई विजयन और पीएम मोदी के बीच खास डील हुई है। सीपीआई-एम ने इसे विपक्षी गठबंधन की भावना के खिलाफ बताया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक माकपा नेता ने इन आरोपों को पूरी तरह से मनगढ़ंत करार दिया है जिसे वो किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं कर सकते। उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व को याद दिलाया कि केरल की धरती पर आरएसएस और बीजेपी के खिलाफ सीधे राजनीतिक लड़ाई लड़ते हुए माकपा ने अपने सैकड़ों समर्पित कार्यकर्ताओं को खोया है। बेबी ने अपने पत्र में कहा कि इंडिया ब्लॉक बीजेपी के खिलाफ राजनीतिक लड़ाई के लिए बना था और ऐसे वक्त में सहयोगी दलों पर ही संदेह जताना गठबंधन की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचाता है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इन आरोपों पर स्थिति स्पष्ट नहीं की गई तो ८ जून यानी सोमवार की गठबंधन बैठक से पहले ही एकता पर सवाल खड़े हो जाएंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस के रवैये पर कड़े सवाल उठाने के बावजूद सीपीआई-एम ने विपक्षी एकजुटता और समन्वय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया है। बेबी ने साफ किया कि उनकी पार्टी संसद के अंदर मोदी सरकार की तानाशाही, सांप्रदायिक और जनविरोधी नीतियों का मजबूती से विरोध करने के लिए अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर काम करती रहेगी। वहीं, दिल्ली में होने वाली इस रणनीतिक बैठक में ममता बनर्जी, अभिषेक बनर्जी, उद्धव ठाकरे, अखिलेश यादव और राहुल गांधी जैसे शीर्ष नेताओं के शामिल होने की संभावना है। हालांकि, कांग्रेस के साथ मतभेदों के चलते डीएमके के इस बैठक में शामिल होने की उम्मीद कम है। दूसरी ओर आम आदमी पार्टी ने भी इस बैठक से दूरी बना ली है, जिससे विपक्षी गठबंधन की एकजुटता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

उधर, झारखंड में आगामी राज्यसभा चुनावों में दो राज्यसभा सीटों में से एक पर कांग्रेस द्वारा अपने उम्मीदवार प्रणव झा की घोषणा करने पर जेएमएम भी कांग्रेस से नाराज है। सूत्रों का कहना है कि सीएम हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ जेएमएम राज्य की दोनों सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारना चाहती थी, क्योंकि जेएमएम-कांग्रेस गठबंधन के पास दोनों सीटें जीतने के लिए पर्याप्त संख्या बल है।

इसी बीच शिवसेना (यूबीटी) के वरिष्ठ नेता संजय राउत ने गठबंधन में किसी भी तरह की फूट या बिखराव के दावों को खारिज किया है। राउत ने कहा कि भले ही डीएमके ने इस बैठक से दूरी बना ली हो, लेकिन विपक्ष को तमिलनाडु में टीवीके के रूप में एक मजबूत वैकल्पिक मित्र मिल गया है।

राहुल गांधी ने सार्थक को बताया सीबीआई से भी तेज

नई दिल्ली,(ईएमएस) : कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सीबीएसई की मूल्यांकन प्रणाली में खामियों को उजागर करने वाले छात्र सार्थक सिद्धांत की जमकर सराहना की है। राहुल गांधी ने रविवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर छात्र के साथ हुई मुलाकात का वीडियो साझा करते हुए इसे युवाओं की बड़ी जीत बताया। रांची निवासी १८ वर्षीय सार्थक सिद्धांत ने सीबीएसई की ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली और उससे जुड़ी टेंडर प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं की ओर ध्यान आकर्षित किया था। बारहवीं कक्षा की परीक्षा में अपेक्षा से कम अंक मिलने के बाद उन्होंने अपनी उत्तर पुस्तिकाओं की पुनर्समीक्षा कराई और कथित त्रुटियों को सार्वजनिक किया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि देश का एक युवा छात्र उन तथ्यों को सामने लाने में सफल रहा, जिन्हें जांच एजेंसियां भी नहीं खोज सकीं। उन्होंने इसे युवाओं की जागरूकता और संघर्ष का उदाहरण बताया। सार्थक इससे पहले सीबीएसई में सुधार संबंधी सुझावों पर संसद की स्थायी समिति के समक्ष विस्तृत प्रस्तुति भी दे चुके हैं।

जंतर-मंतर प्रदर्शन पर एफआईआर को दिल्ली पुलिस ने बताया अफवाह

नई दिल्ली,(ईएमएस) : जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी द्वारा आयोजित प्रदर्शन के बाद सोशल मीडिया पर प्रदर्शनकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने की खबरें वायरल हुई हैं। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने इन दावों को भ्रामक और निराधार बताया है।

प्रदर्शन के दौरान राजधानी में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। जंतर-मंतर और आसपास के इलाकों में ड्रोन कैमरों, फेस रिकग्निशन सिस्टम (एफआरएस) तथा अतिरिक्त सुरक्षा बलों की मदद से निगरानी रखी गई। सीआईएसएफ, आरएएफ और अन्य अर्धसैनिक बलों की टुकड़ियां भी तैनात रहीं। दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में पूरे क्षेत्र को सुरक्षा घेरे में रखा गया था। जंतर-मंतर में हुए प्रदर्शन को लेकर पुलिस अधिकारियों ने कहा, प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। ऐसे में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज किए जाने की खबरों में कोई सच्चाई नहीं है। प्रदर्शन के दौरान पेपर लीक, परीक्षा प्रणाली में कथित गड़बड़ियों और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग उठाई गई। बड़ी संख्या में छात्र और युवा इसमें शामिल हुए।

जंतर-मंतर के प्रदर्शन को बताया ट्रेलर और दे दिया सरकार को अल्टीमेटम

नई दिल्ली,(ईएमएस)। परीक्षा प्रणाली में कथित अनियमितताओं, पेपर लीक की घटनाओं और शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने शनिवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद रविवार को पार्टी ने सोशल मीडिया पर कार्यक्रम का वीडियो साझा करते हुए केंद्र सरकार को सात दिन का अल्टीमेटम दिया है और चेतावनी दी है कि मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा।

कॉकरोच जनता पार्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए गए वीडियो के साथ लिखा कि शिक्षा व्यवस्था को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया गया और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग उठाई गई। पार्टी ने दावा किया कि यह केवल शुरुआत है और यदि जवाबदेही तय नहीं की गई तो आंदोलन का दायरा और बढ़ा होगा। प्रदर्शन के दौरान सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछले एक महीने से शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की जा रही है, लेकिन इस दिशा में कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

उन्होंने आरोप लगाया कि परीक्षा प्रणाली में लगातार सामने आ रही समस्याओं के बावजूद सरकार छात्रों और युवाओं की चिंताओं को गंभीरता से नहीं ले रही है।

कॉकरोच जनता पार्टी ने अपने बयान में कहा है कि यदि सात दिनों के भीतर केंद्रीय शिक्षा मंत्री को पद से नहीं हटाया गया तो अगले शनिवार को फिर से जंतर-मंतर पर प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। साथ ही आंदोलन को देशव्यापी स्वरूप देने की भी चेतावनी दी गई है। अभिजीत दीपके ने कहा कि मौजूदा प्रदर्शन आंदोलन का अंत नहीं, बल्कि शुरुआत है। उन्होंने दावा किया कि यदि मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो छात्रों और युवाओं की आवाज को देश के हर राज्य और शहर तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा और रोजगार से जुड़े मुद्दों पर युवाओं में बढ़ती नाराजगी को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। प्रदर्शन को विभिन्न छात्र संगठनों और राजनीतिक समूहों का भी समर्थन मिला। आंदोलन स्थल पर कई छात्र नेता मौजूद रहे। सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षा सुधार के पक्षधर सोनम वांगचुक ने भी कार्यक्रम में पहुंचकर आंदोलन के प्रति समर्थन जताया।

उन्होंने कहा कि जब न्याय और जवाबदेही की मांगों को अनसुना किया जाता है, तब लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठाना आवश्यक हो जाता है। सीजेपी का यह प्रदर्शन ऐसे समय हुआ है जब देश में परीक्षा प्रणाली, पेपर लीक और शिक्षा सुधार जैसे मुद्दों को लेकर युवाओं और अभिभावकों में सरकार के प्रति नाराजगी जारी है।

नीट पेपर लीक के बाद एनटीए सिस्टम बदलेगा

नई दिल्ली(ईएमएस) : नीट-यूजी २०२६ पेपर लीक और सीबीएसई की मार्किंग गड़बड़ियों के बाद सरकार परीक्षा व्यवस्था में बड़े बदलाव की तैयारी कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, एनटीए ऐसा नया सिस्टम बनाने पर काम कर रही है, जिसमें सवाल तैयार करने वाले एक्सपर्ट्स को भी पता नहीं होगा कि वह किस एग्जाम के क्वेश्चन पेपर बना रहे हैं। नई योजना के तहत अलग-अलग विषयों के एक्सपर्ट्स केवल सवाल तैयार करेंगे। इन सवालों को एक बड़े डिजिटल बैंक में रखा जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक इसमें करीब १० हजार सवाल हो सकते हैं। बाद में टेक्नीक की मदद से इन सवालों से फाइनल एग्जाम पेपर तैयार होगा।

एनटीए से जुड़े अधिकारी ने कहा कि हम चाहते हैं कि पूरे प्रश्नपत्र की जानकारी बहुत कम लोगों तक पहुंचे। सिस्टम को लोगों पर नहीं, प्रोसेस पर भरोसा करना चाहिए। पेपर लीक मामले में ट्रांसलेशन करने वालों की गिरफ्तारी के बाद एनटीए ट्रांसलेशन प्रोसेस में भी बदलाव करना चाहती है। एजेंसी पहले ही सुप्रीम कोर्ट को बता चुकी है कि वह करीब ८५ प्रतिशत ट्रांसलेशन का काम एआई से कराने की योजना बना रही है। इसके बाद एक्सपर्ट्स सिर्फ यह जांचेंगे कि ट्रांसलेशन सही हुआ या नहीं। अधिकारियों का कहना है कि कोशिश यह भी रहेगी कि ट्रांसलेशन करने वालों को यह जानकारी न हो कि वे किस परीक्षा के सवाल देख रहे हैं। वहीं, एनटीए इस समय २१ जून को होने वाले नीट-यूजी री-टेस्ट की तैयारी भी कर रही है। अधिकारियों के मुताबिक कुछ बदलाव अभी से लागू किए जा चुके हैं। इसके तहत नए सब्जेक्ट एक्सपर्ट्स को जोड़ा गया है। साथ ही पेपर छपने के बाद उसके ट्रांसपोर्ट और स्टोरेज सिस्टम को और सुरक्षित बनाने पर भी काम चल रहा है।

मुंबई एयरपोर्ट पर सोना तस्करी का खुलासा

मुंबई, (ईएमएस)। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सोना तस्करी के खिलाफ राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए भाजपा से जुड़े एक पदाधिकारी सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने आरोपियों के कब्जे से ५ करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का सोना और अन्य सामान बरामद किया है। डीआरआई द्वारा की गई इस कार्रवाई में गिरफ्तार आरोपियों में अजित आचरेकर का नाम प्रमुख रूप से सामने आया है। जानकारी के अनुसार, आचरेकर भाजपा की एक अग्रिम (कामगार) संगठन में सचिव के पद पर कार्यरत है। उनके अलावा रोहित कुमार सिंह, संतोष सुभाष, समीमुल्ला शाह, हमीद लेबरीफखान और फलिल मोहम्मद कासिम को भी हिरासत में लिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, डीआरआई की टीम ने मुंबई एयरपोर्ट परिसर में संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर इन लोगों को रोका और पूछताछ शुरू की।

नैनीताल के नन्हे जादूगर के मुरीद हुए आनंद महिंद्रा

नैनीताल,(ईएमएस): उत्तराखंड के नैनीताल की सड़कों पर जादू दिखाने वाले एक बाल कलाकार का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस बच्चे की प्रतिभा से प्रभावित होकर उद्योगपति आनंद महिंद्रा ने उसकी खुलकर प्रशंसा की है और उसकी मदद करने की इच्छा जताई है।

महिंद्रा ने सोशल मीडिया पर बच्चे का वीडियो साझा करते हुए उसे असाधारण प्रतिभाशाली बताया। उन्होंने कहा कि यदि उचित मार्गदर्शन और अवसर मिले तो यह बच्चा भविष्य में दुनिया के श्रेष्ठ जादूगरों में शामिल हो सकता है। उद्योगपति ने लोगों से अपील की है कि वे बच्चे और उसके परिवार का पता लगाने में मदद करें ताकि उसकी शिक्षा और प्रतिभा के विकास में सहयोग किया जा सके। उन्होंने संकेत दिया कि वे बच्चे की पढ़ाई और जादू की कला को निखारने के लिए आवश्यक सहायता देने को तैयार हैं।

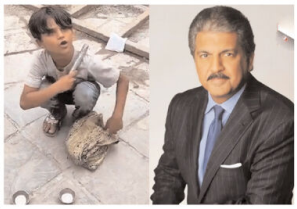

महिंद्रा की इस पहल की सोशल मीडिया पर व्यापक सराहना हो रही है। लोगों का कहना है कि देश के जमीनी स्तर के प्रतिभाशाली बच्चों को आगे बढ़ाने के ऐसे प्रयास समाज के लिए प्रेरणादायक हैं और इससे युवा प्रतिभाओं को नई दिशा मिल सकती है।

सीएए के विरोध में रेलवे को क्षति पहुंचाने वालों से होगी भरपाई

कोलकाता,(ईएमएस) : पश्चिम बंगाल में नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के खिलाफ साल २०१९ में हुए हिंसक प्रदर्शनों का जिन्न एक बार फिर बाहर आ गया है। इस दौरान रेलवे संपत्तियों को पहुंचाए गए भारी नुकसान के मामलों में अब फिर से कड़ी कार्रवाई की तैयारी शुरू हो गई है। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मॉडल की तर्ज पर अब पश्चिम बंगाल में भी मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने राज्य भर में दर्ज सभी पुराने मामलों की दोबारा समीक्षा करने और दोषियों से आर्थिक नुकसान की भरपाई कराने के कड़े निर्देश जारी किए हैं।

जानकारी के अनुसार, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ शनिवार को हुई एक उच्च स्तरीय बैठक के दौरान मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने राज्य के पुलिस महानिदेशक एसएन गुप्ता को २०१९ के सीएए विरोध प्रदर्शनों से जुड़े सभी मामलों की सघन समीक्षा करने का आदेश दिया। अधिकारियों के मुताबिक, इन बड़े फैसले के बाद उस दौर की सभी लंबित और बंद हो चुकी फाइलों को फिर से खोला जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि उस समय कानून में पर्याप्त प्रावधान होने के बावजूद नुकसान की भरपाई के लिए कोई ठोस या प्रभावी कदम नहीं उठाया गया था। लेकिन अब सरकार का रुख बेहद सख्त है और वह चाहती है कि सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वाले चिन्हित लोगों से सीधे तौर पर आर्थिक क्षतिपूर्ति वसूली जाए।

इस मामले में दो प्रमुख कानूनी प्रावधानों का इस्तेमाल करने की तैयारी है। पहला, वेस्ट बंगाल मेंटेनेंस ऑफ पब्लिक ऑर्डर (संशोधन) अधिनियम, जिसके तहत प्रभावित क्षेत्र के लोगों से सामूहिक मुआवजा वसूला जा सकता है। दूसरा, प्रिवेंशन ऑफ डैमेज टू पब्लिक प्रॉपर्टी एक्ट, जिसके तहत सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के दोषियों को पांच साल तक की कठोर सजा और आर्थिक दंड दोनों भुगतना पड़ सकता है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, पुलिस और रेलवे प्रशासन अब संयुक्त रूप से उन सभी मामलों की फाइलें दोबारा खंगालेगा, जिनमें रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों को नुकसान पहुंचाया गया था। जांच के आधार पर जिम्मेदार लोगों की पहचान की जाएगी और उनसे वसूली की प्रक्रिया शुरू होगी। इसे अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई माना जा रहा है, जिससे आरोपियों पर कानूनी और आर्थिक दबाव बढ़ना तय है।

दिसंबर २०१९ में हुए इन विरोध प्रदर्शनों के दौरान राज्य के कई हिस्सों में बड़े पैमाने पर हिंसा भड़क गई थी। उपद्रवियों ने रेलवे स्टेशनों, पटरियों और ट्रेनों को सीधे तौर पर निशाना बनाया था, जिससे रेलवे को करीब ९३ करोड़ रुपये का भारी नुकसान हुआ था। इस दौरान कई गंभीर घटनाएं सामने आई थीं।

एलपीजी सिलेंडर पर 700 रुपये तक का नुकसान उठा रहीं कंपनियां

नई दिल्ली,(ईएमएस): घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) सिलेंडर की कीमतों में हालिया बढ़ोतरी के बाद केंद्र सरकार ने इसके पीछे की वजह स्पष्ट करते हुए कहा है कि मौजूदा समय में १४.२ किलोग्राम के एक घरेलू एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति लागत १,६०० रुपये से अधिक पहुंच चुकी है। इसके मुकाबले उपभोक्ताओं से वसूली जाने वाली कीमत काफी कम होने के कारण तेल विपणन कंपनियों को प्रति सिलेंडर लगभग ७०० रुपये का नुकसान उठाना पड़ रहा है।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय बाजार में एलपीजी की कीमतों में तेज वृद्धि इस स्थिति का प्रमुख कारण है। विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य क्षेत्र में उत्पन्न भू-राजनीतिक तनाव और आपूर्ति संबंधी बाधाओं के चलते सऊदी अरामको की एलपीजी कॉन्ट्रैक्ट प्राइस (सीपी) में फरवरी से अब तक करीब ४६ प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक फरवरी में प्रोपेन और ब्यूटेन के मिश्रण की कीमत ५४२.५० अमेरिकी डॉलर प्रति टन थी, जो अप्रैल में बढ़कर ७७५ डॉलर प्रति टन और जून में ७९० डॉलर प्रति टन तक पहुंच गई। इसी अवधि में प्रोपेन की कीमतों में ३९ प्रतिशत तथा ब्यूटेन में ५२ प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई। इसका सीधा असर भारत में आयातित एलपीजी की लागत पर पड़ा है।

सरकार का कहना है कि बढ़ी हुई लागत के बावजूद भारत में घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतें दुनिया के कई देशों की तुलना में काफी कम हैं। दिल्ली में उपभोक्ता एक सिलेंडर के लिए ९४२ रुपये का भुगतान कर रहे हैं, जबकि वास्तविक बाजार आधारित लागत इससे कहीं अधिक है। वहीं, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को प्रति सिलेंडर ३०० रुपये की सब्सिडी मिलने से उनकी प्रभावी कीमत ६४२ रुपये रह जाती है।

मंत्रालय ने बताया कि घरेलू एलपीजी पर अंडर-रिकवरी वित्त वर्ष २०२५-२६ के अंत तक ६०,००० करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। इस बढ़ते वित्तीय बोझ को देखते हुए केंद्र सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों को ३०,००० करोड़ रुपये का मुआवजा देने की मंजूरी दी है।

सरकार के अनुसार भारत में गैस सिलेंडर की कीमत पाकिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा जैसे देशों की तुलना में कम है। मंत्रालय ने उपभोक्ताओं से ऊर्जा संरक्षण के उपाय अपनाने और एलपीजी के विवेकपूर्ण उपयोग की भी अपील की है, ताकि इस सब्सिडी वाले संसाधन का अधिकतम लाभ सुनिश्चित किया जा सके।

बिहार में खिलाड़ियों के लिए सम्राट सरकार ने खोल दिया खजाना

पटना (एर्जेसी): बिहार सरकार ने मेडल लाओ-नौकरी पाओ योजना के तहत खेलों के विकास को रफ्तार देने के लिए बड़े फैसले लिए हैं। अब राज्य में खिलाड़ियों को ओलंपिक स्तर की सुविधाएं देने की दिशा में तेजी से किया जाएगा। सम्राट सरकार ने इसे लेकर प्रखंड स्तर पर बन रहे आउटडोर स्टेडियमों को तय समय सीमा में पूरा करने को लेकर निर्देश दे दिए हैं।

दरअसल इसका उद्देश्य खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण देना और आधुनिक उपकरण मुहैया कराना है। साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सीधे रोजगार से जोड़ना है। सरकार का मानना है कि इससे खिलाड़ियों में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरणा बढ़ेगी। इसे लेकर प्रखंड स्तर पर बन रहे आउटडोर स्टेडियमों को दिशा-निर्देश दे दिए गए हैं।

इन स्टेडियमों के संचालन और रखरखाव के लिए झझझझ मॉडल अपनाने पर भी विचार किया जा रहा है। इसके साथ ही जिला स्तर पर भी खेल भवन-सह-व्यायामशालाओं का निर्माण कार्य तेजी से किया जा रहा है। समीक्षा बैठक में खेल विभाग की प्रगति पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में निर्देश दिया गया कि खिलाड़ियों को समय पर हर जरूरी सुविधा प्रदान किया जाए, ताकि वे बेहतर प्रदर्शन कर सकें। इसके साथ ही पंचायत स्तर पर भी खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने पर जोर दिया है। मंत्री श्रेयसी सिंह ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि खिलाड़ियों के लिए बेहतर अवसर तैयार किए जा रहे हैं। राजगीर स्थित खेल विश्वविद्यालय में नए और रोजगारपरक कोर्स शुरू करने की योजना पर भी काम चल रहा है।

राज्य की ८०५३ पंचायतों में से ५२६६ में खेल मैदानों का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। शेष कार्य भी जल्द ही करने का लक्ष्य है।

मुख्यमंत्री ने आदेश देते हुए कहा पटना के डुमरी खेल परिसर में अंतरराष्ट्रीय स्तर का स्टेडियम बनाया जाएगा। इसके अलावा राजगीर क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण ३१ दिसंबर तक पूरा करने का लक्ष्य है।

छत से कूदकर दारोगा ने दी जान जांच में जुटी पुलिस

पटना (एर्जेसी): पटना के एक निजी अस्पताल में रविवार को आईटीबीपी दारोगा ने छत से कूदकर जान दे दी। ३ जून से अस्पताल में भर्ती था। घटना पाटलिपुत्र औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक निजी अस्पताल का है। मृतक की पहचान राजस्थान के भरतपुर निवासी विजय सिंह के रुप में हुई है। पुलिस सभी पहलुओं को देखते हुए जांच में जुटी हुई है।

जानकारी के मुताबिक, दारोगा आईटीबीपी के टेलीकॉम डिपार्टमेंट में दारोगा के पद पर तैनात था। वर्तमान में सारण जिले के जलालपुर में पोस्टिंग थी। तबीयत खराब के वजह से पहले उन्हें फुलवारीशरीफ के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था हालांकि बाद में वहां से एशियन अस्पताल में रेफर कर दिया गया था। बताया जा रहा है कि देखरेख के लिए एक जवान हमेशा साथ रहता था। लेकिन वॉशरुम जाने का बहाना बनाकर विजय ने अंदर से गेट बंद कर लिया और फिर छत से कूदकर जान दे दी।

मोहन भागवत मुंगेर में 700 स्वयंसेवकों को देंगे मार्गदर्शन

पटना (एर्जेसी): आरएसएस के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत रविवार को तीन दिवसीय बिहार दौरे पर पटना पहुंचे। उनके स्वागत के लिए पटना एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी समेत संघ और भाजपा के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद से यह उनकी पहली दौरा है। संघ के शताब्दी वर्ष समारोह में ७०० स्वयंसेवकों को मार्गदर्शन देंगे।

एयरपोर्ट से निकलने के बाद कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मोहन भागवत मुंगेर के लिए रवाना हुए। वहां ७ से ९ जून तक आयोजित होने वाली संघ शिक्षा वर्ग में भाग लेंगे। यह कार्यक्रम संघ के शताब्दी वर्ष समारोह के तहत आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम को संगठन के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

बताया जा रहा है कि यह कार्यक्रम मुंगेर के पुरानीगंज स्थित सरस्वती विद्या मंदिर परिसर में आयोजित होना है। सूत्रों के मुताबिक, इस प्रशिक्षण वर्ग में करीब ७०० स्वयंसेवक हिस्सा लेंगे। यहां स्वयंसेवकों को संगठन की विचारधारा, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, सामाजिक समरसता और राष्ट्र सेवा से जुड़े विषयों पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रवास के दौरान मोहन भागवत स्वयंसेवकों को संबोधित करेंगे। इसके अलावा विभिन्न संगठनात्मक बैठकों में भी शामिल हो सकते हैं। संघ के शताब्दी वर्ष के बीच उनका यह दौरा संगठन के विस्तार और आगामी गतिविधियों के लिहाज से अहम माना जा रहा है।

नवजात को जन्म देने के बाद प्रसूता की मौत, लापरवाही का आरोप

गोरखपुर (ईएमएस): गोरखपुर के चौरीचौरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में रविवार भोर एक प्रसूता की ऑपरेशन के बाद संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। नवजात को जन्म देने के बाद हुई इस दुखद घटना के बाद मृतका के परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन और चिकित्सकों पर इलाज में गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। सूचना पर पहुंची चौरीचौरा पुलिस ने आक्रोशित भीड़ को शांत कराया और मामले की जांच शुरू कर दी है। देवरिया जनपद के एकौना थाना क्षेत्र स्थित बेलवा दुबौली गांव की २८ वर्षीय नीलम निषाद, जो अपने मायके चौरी खास आई हुई थीं, उन्हें शनिवार को प्रसव पीड़ा होने पर सीएचसी चौरीचौरा में भर्ती कराया गया था। चिकित्सकों ने ऑपरेशन कर सफलतापूर्वक पुत्र को जन्म दिलाया, जिससे परिवार में पहले पुत्र के जन्म से खुशी का माहौल था। हालांकि, परिजनों का आरोप है कि ऑपरेशन के बाद से ही नीलम की तबीयत बिगड़ने लगी, लेकिन रात के समय पर्याप्त चिकित्सक मौजूद नहीं थे और समुचित उपचार का अभाव रहा।

पति देव निषाद तथा उनके भाइयों राहुल और नीतेश ने आरोप लगाया कि समय पर देखभाल न मिलने के कारण नीलम की हालत गंभीर होती चली गई और इसी लापरवाही के कारण उनकी मौत हुई। रविवार सुबह करीब पांच बजे नीलम की मौत के बाद स्वजन आक्रोशित हो गए और अस्पताल परिसर में विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। उधर, सीएचसी चौरीचौरा के प्रभारी चिकित्साधिकारी ने सभी आरोपों को सिरे से खारिज किया है। उन्होंने बताया कि प्रसूता का ऑपरेशन सफलतापूर्वक किया गया था और प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, उसकी मौत हृदयाघात (हार्ट अटैक) के कारण हुई है।

खान सर की बढ़ीं मुश्किलें, फायर सेफ्टी उल्लंघन मामले में 15 दिनों का अल्टीमेटम

पटना (एर्जेसी): पटना में खान सर के कोचिंग हमले के बाद उनकी मुश्किलें बढ़ती ही जा रही है। खान ग्लोबल इस्टीट्यूट पर फायर सेफ्टी उल्लंघन के बाद प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। बिहार फायर सर्विस के उख्रऋ मनोज कुमार नट ने कहा है कि संस्थान में बच्चों की सुरक्षा से लेकर कुछ अनियमतताओं सामने आई है। कोचिंग में अग्निशमन मानकों का पालन नहीं किया गया है। इसे लेकर खान सर को १५ दिनों के भीतर अनियमितताओं को दूर करने का अल्टीमेटम दिया गया है। डीआईजी ने स्पष्ट कहा है कि अगर खान सर १५ दिनों के अंदर सुरक्षा में सुधार कर लेते हैं तो ठीक है नहीं तो कोचिंग बंद करने की कार्रवाई हो सकती है। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी संस्थान को नोटिस दिया गया था। पूर्व में एसडीओ के साथ मिलकर जांच भी की गई थी। उस समय भी कई खामियां सामने आई थी। अब फिर से जांच में गंभीर लापरवाही पाई गई है। इसको देखते हुए प्रशासन ने अल्टीमेटम दिया है कि अगर समय पर नियम पूरे नहीं किये गए तो सख्त कदम उठाए जाएंगे।

२ जून को मुसल्लहपुर हाट इलाके में खान सर के कोचिंग सेंटर के बाहर फायरिंग और बवाल का मामला सामने आया था। इसके बाद ज्ञान बिंदू के संस्थापक रोशन आनंद सहित तीन लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार की थी। हालांकि उसके बाद वीडियो सामने के बाद खान सर के भी दो सहयोगियों को गिरफ्तार किया गया था। फिर रोशन आनंद के आरोप के बाद खान सर पर भी एफआईआर दर्ज की गई। फिलहाल पुलिस खान सर को गिरफ्तार करने के लिए लगातार खोज में है। वहीं फायर सेफ्टी विभाग ने भी कोचिंग में सुरक्षा कमी को लेकर अल्टीमेटम दिया है।

अयोध्या राम मंदिर से 7 करोड़ की चोरी : अखिलेश

अयोध्या/लखनऊ (ईएमएस): सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव का दावा है कि अयोध्या के राम मंदिर से करोड़ों रुपए का चढ़ावा गायब हो गया है। उन्होंने रविवार को एक्स पोस्ट कर लिखा, पूरी दुनिया में भगवान राम के उपासकों के लिए ये एक बेहद संवेदनशील खबर है। राम मंदिर के चढ़ावे की करोड़ों रुपए की रकम गायब मिली है। अखिलेश ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट और सरकार को भी घेरा है। लिखा, करोड़ों रुपए गायब होना मंदिर ट्रस्ट के लिए अत्यंत शर्मनाक स्थिति है। कोई भी सफाई देने के लिए सामने नहीं आना चाहता है। सपा अध्यक्ष ने कोर्ट से स्वत: संज्ञान लेने की मांग की है, क्योंकि इसका सीधा संबंध वैश्विक स्तर पर समस्त सनानती समाज की प्रभु राम में गहरी आस्था से जुड़ा है। सरकार की चुप्पी संदिग्ध है।

दरअसल, अयोध्या के पूर्व विधायक पवन पांडेय का दावा है कि राम मंदिर के चढ़ावे में चोरी ५ से ७.५० करोड़ तक हो सकती है। अगर चोरी नहीं हुई है तो ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय सामने आएं और प्रभु श्रीराम की कसम खाकर कहें कि सबकुछ झूठ है। अगर बात सच है तो एफआईआर करवाएं। उन्होंने कहा, अभी ये स्पष्ट नहीं है कि ये चोरी कितने समय से हो रही थी। ट्रस्ट के किन-किन सदस्यों तक ये पैसा गया है, इसकी भी जांच होनी चाहिए।

सत्ता से दूर जाते ही टूट गया 40 साल पुराना रिश्ता : पंकज चौधरी

कानपुर (एर्जेसी): यूपी बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी रविवार को कानपुर देहात पहुंचे. इस दौरान उन्होंने संगठनात्मक गतिविधियों में हिस्सा लिया और पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक कर आगामी चुनावों को लेकर रणनीति पर चर्चा की. जिले में पहुंचते ही उन्होंने संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी रहे रज्ञन लाल मिश्रा से उनके आवास पर मुलाकात की.

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी रविवार को कानपुर देहात पहुंचे. उनके दौरे को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला. जिले में आगमन के बाद उन्होंने सबसे पहले संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी रहे रज्ञनलाल के आवास पहुंचकर शिष्टाचार मुलाकात की और उनका हालचाल जाना. इस दौरान उनके साथ भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला, विधायक और सांसद समेत समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे.

इसके बाद प्रदेश अध्यक्ष भाजपा कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की. बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने और आगामी चुनावों की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई. प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं को चुनावी तैयारियों में पूरी ताकत से जुटने का संदेश दिया और जीत का मंत्र भी दिया.

अपने दौरे के दौरान पंकज चौधरी भोगनीपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में भी शामिल हुए. भाजपा नेतृत्व का यह दौरा संगठन को मजबूत करने और आगामी चुनावों के लिए कार्यकर्ताओं में उत्साह भरने की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है. पार्टी कार्यकर्ताओं का कहना है कि प्रदेश अध्यक्ष के दौरे से संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी और चुनावी तैयारियों को और गति मिलेगी.

पंकज चौधरी ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि २०२४ के लोकसभा चुनाव में सपा ने लोगों को गुमराह किया था, लेकिन अब उनका झूठ सबके सामने आ चुका है. इसलिए बीते दिनों कई राज्यों में हुए चुनाव के बीजेपी में प्रचंड जीत हासिल की. इंडिया गठबंधन को लेकर पंकज चौधरी ने कहा उस पर क्या ही बोलें, ४० साल पुराना संबंध कांग्रेस और डीएमके का था, लेकिन जरा सा वो सत्ता से दूर गए और कांग्रेस ने उसका साथ छोड़ने में एक पल नहीं लगाया. बंगाल की भी हालत देख लिए, झारखंड के मुक्तिमोर्च की हालत देख लीजिए, इंडिया एलाइंस का अब कोई मतलब नहीं रह गया है.

पीडीए समाज को निशाना बनाया जा रहा है : विधायक पिंकी

संभल,(ईएमएस): संभल के कसेरवा गांव में मस्जिद पर हुई बुलडोजर कार्रवाई को लेकर समाजवादी पार्टी ने प्रदेश सरकार और प्रशासन पर तीखा हमला बोला है। सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क और विधायक पिंकी यादव ने कार्रवाई को लेकर नाराजगी जताई है। बर्क ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि तमाम कानूनी प्रयासों और गुहार के बावजूद प्रशासन ने मस्जिद को ध्वस्त कर दिया।

इसी के साथ ही सांसद बर्क ने आरोप लगाया है, कि अधिकारियों द्वारा पूर्व निर्धारित लक्ष्य के तहत कार्रवाई की जा रही है। सांसद ने कहा कि जब लोगों की फरियाद और कानूनी दलीलें भी नहीं सुनी जातीं, तो न्याय व्यवस्था पर लोगों का भरोसा कमजोर पड़ता है। वहीं विधायक पिंकी यादव ने भी सरकार को घेरते हुए आरोप लगाया कि बुलडोजर कार्रवाई के जरिए एक विशेष समुदाय और पीडीए समाज को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थलों पर लगातार हो रही कार्रवाई सामाजिक सद्भाव और विश्वास को प्रभावित कर रही है। उल्लेखनीय है कि प्रशासन ने हाल ही में कसेरवा गांव में कब्रिस्तान के लिए आरक्षित सरकारी भूमि पर बनी मस्जिद को हटाने की कार्रवाई की थी।

घरेलू गैस सिलिंडर के दाम, 29 रुपया हुआ महंगा

पटना (एर्जेसी): पेट्रोल-डीजल की मार झेलने के बाद अब लोगों को घरेलू गैस सिलिंडर खरीदने के लिए भी जेब ढीले करने पड़ेंगे। आज ७ जून से एक बार फिर से घरेलू रसोई गैस का दाम २९ रुपया बढ़ाया दिया गया है। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन ने यह फैसला लिया है। यानी लोग १४.२ किलो का सिलिंडर खरीदने के लिए जहां १०११ रुपये देते थे वहीं अब उन्हें १०४० रुपये देने होंगे।

पिछले ३ महीने में यह दूसरी बार है कि रसोई गैस की कीमत में बढ़ोतरी हुई है। पटना के ज्योती कलश इंडेन वितरक क्षेत्र में घरेलू गैस सिलिंडर की कीमत में बढ़ोतरी की गई है। नए कीमत रविवार से ही प्रभावी हो गई हैं। नई कीमतें की वजह से उपभोक्ताओं को अब अतिरिक्त भार का बोझ सहन करना पड़ेगा। वहीं ५ किलो के घरेलू सिलिंडर की कीमत ३८६ रुपये निर्धारित है।

पश्चिमी देशों में हो रहे झगड़ों के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजार में उथल-पुथल हुआ। जिसका असर भारत पर सीधा दिखाई देता है। पेट्रोल-डीजल के बाद अब घरेलू गैस सिलिंडर के कीमतों का बढ़ना आमलोगों की चिंता बढ़ा दी है।

आरपीएफ जवान के बैग में मिले जिंदा कारतूस

बोधगया,(ईएमएस): गयाजी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षा जांच में एक आरपीएफ जवान के बैग से दो जिंदा कारतूस मिलने के बाद सुरक्षा एर्जेसियों में हड़कंप मच गया। जवान को हिरासत में लेकर पुलिस के हवाले कर दिया गया है, जहां उससे पूछताछ की जा रही है। जानकारी के मुताबिक मोहनपुर थाना क्षेत्र निवासी संतोष कुमार जो दिल्ली के आनंद विहार में रेलवे सुरक्षा बल में कार्यरत हैं, छुट्टी बिताने अपने घर आए थे। शनिवार को वह इंडिगो की उड़ान से दिल्ली लौट रहे थे। इसी दौरान गयाजी एयरपोर्ट के सुरक्षा जांच केंद्र पर उनके सामान की स्कैनिंग की गई। स्कैनिंग में मशीन में संदिग्ध वस्तु दिखाई देने पर सुरक्षा कर्मियों ने बैग को अलग कर सघन तलाशी ली। जांच में बैग से दो जिंदा कारतूस मिले। इसके बाद एयरपोर्ट की सुरक्षा में तैनात सीआईएसएफ ने तत्काल कार्रवाई करते हुए जवान को हिरासत में लिया और आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए पुलिस को सौंप दिया। इस मामले में रविवार को मगध मेडिकल थाना प्रभारी ने बताया कि जिंदा कारतूस के साथ पकड़े गए आरपीएफ जवान के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

युवाओं को धर्म और आध्यात्मिकता से जोड़ने का काम कर रहे प्रेमानंद महाराज : रामभद्राचार्य

लखनऊ (ईएमएस): जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने कहा है कि प्रसिद्ध संत प्रेमानंद महाराज निश्चित रूप से युवाओं को धर्म और आध्यात्मिकता से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे है। उन्होंने कहा कि आज कई चर्चित हस्तियां, जिसमें क्रिकेटर विराट कोहली भी शामिल हैं, प्रेमानंद महाराज के पास मार्गदर्शन लेने पहुंचे हैं, जिससे युवाओं में भी धर्म के प्रति रुचि बढ़ रही है।

लखनऊ में आयोजित श्रीराम कथा के दौरान रामभद्राचार्य ने सनातन धर्म, रामराज्य और संन्यासियों की भूमिका पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि किसी भी संन्यासी का मूल धर्म साधना करना और समाज को सही दिशा देना होता है। राजनीति को मार्गदर्शन देना संतों का दायित्व हो सकता है, लेकिन सक्रिय राजनीति करना उनका कार्य नहीं है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में कई लोग राजनीति की ओर आकर्षित हो रहे हैं, जबकि संन्यासियों को अपने आध्यात्मिक कर्तव्यों पर केंद्रित रहना चाहिए। हालांकि, उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक अपवाद बताकर कहा कि वे राजर्षि की भूमिका में कार्य कर रहे हैं और जनहित में अच्छा काम कर रहे हैं।

रामभद्राचार्य ने रामराज्य की अवधारणा पर विस्तार से बात की। उन्होंने कहा कि रामराज्य का मूल भाव आपसी प्रेम, सामाजिक समरसता और कर्तव्य पालन में निहित है। उनके अनुसार, ऐसा समाज होना चाहिए जहां कोई किसी के अधिकारों का हनन न करे और सभी अपने धर्म एवं जिम्मेदारियों का ईमानदारी से पालन करें। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से भी भारत को आत्मनिर्भर और समृद्ध राष्ट्र बनना चाहिए। देश को आयात पर निर्भर रहने के बजाय निर्यातक राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ना चाहिए। यही वास्तविक अर्थों में रामराज्य की परिकल्पना है।

कथावाचक पर रेप की एफआईआर

अयोध्या (ईएमएस) : अयोध्या के रहने वाले कथावाचक पवन देव महाराज (४२) पर बिहार की एक महिला ने दुष्कर्म का आरोप लगाया है। महिला ने कहा, कथावाचक पवन उसे राम मंदिर दर्शन कराने के बहाने अयोध्या लेकर आया। यहां दुष्कर्म किया। इसके बाद मंदिर में फर्जी शादी की।

अफसरशाही संविधान के बजाय सत्ता दल के प्रति वफादार इलाहाबाद हाईकोर्ट की तल्ख टिप्पणी ने बढ़ाई चिंता

प्रयागराज,(ईएमएस) : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश की पुलिसिंग और प्रशासनिक व्यवस्था पर बेहद गंभीर और तीखी टिप्पणी की है। अदालत ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि उत्तर प्रदेश में पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी संविधान के प्रति जवाबदेह होने के बजाय सत्ताधारी दल के प्रति अधिक वफादार दिखाई देते हैं। राज्य की मशीनरी को हमेशा सत्ता में बैठे किसी राजनीतिक दल के बजाय केवल कानून और देश के संविधान के प्रति उत्तरदायी होना चाहिए। ३ जून को दिए गए एक फैसले में जस्टिस विनोद दिवाकर ने कहा कि उत्तर प्रदेश में नेताओं और नौकरशाहों की सामंती मानसिकता ने लंबे समय से संवैधानिक शासन को जनसेवा के बजाय व्यक्तिगत वर्चस्व का जरिया बना दिया है।

हाईकोर्ट ने राज्य में अधिकारियों के ट्रांसफर-पोस्टिंग के खेल पर से पर्दा उठाते हुए कहा कि प्रशासनिक मशीनरी में राजनीतिक दखल बहुत गहरा हो चुका है। अदालत ने इसे एक जगजाहिर तथ्य बताते हुए कहा कि जिन अधिकारियों को सत्ता का वफादार माना जाता है, उन्हें बड़े शहरी कमिश्नरेट या भारी कमाई वाले जिलों में मलाईदार पोस्टिंग इनाम के तौर पर दी जाती हैं। इसके विपरीत, जो अधिकारी स्वतंत्र रूप से काम करते हैं और ईमानदारी दिखाते हैं, उन्हें सजा के तौर पर लूप लाइन या महत्वहीन पदों पर भेज दिया जाता है। फील्ड पर तैनात अधिकारी ट्रांसफर-पोस्टिंग की इस इकॉनमी को अच्छी तरह समझते हैं, इसलिए वे अपने आचरण को अपने राजनीतिक आकाओं को खुश करने के हिसाब से ढाल लेते हैं।जस्टिस दिवाकर ने कानून व्यवस्था के नाम पर होने वाली पुलिसिया कार्रवाइयों और मनमाने एनकाउंटर पर भी गंभीर सवाल खड़े किए। गैंगस्टर एक्ट का इस्तेमाल समय-समय पर अदालतों के संज्ञान में आता रहा है। अधिकारी वर्ग का एक बड़ा हिस्सा कानून के शासन को संवैधानिक दायित्व नहीं, बल्कि अपने काम में एक प्रशासनिक बाधा मानता है। बता दें कि अदालत ने यह कड़ी टिप्पणियां गाजियाबाद के निवासी राजेंद्र त्यागी द्वारा उत्तर प्रदेश गैंगस्टर और असामाजिक गतिविधियां (निवारण) अधिनियम, १९८६ के संबंध में दायर एक याचिका पर सुनवाई करते हुए कीं। चूंकि सुप्रीम कोर्ट भी इस अधिनियम से जुड़े मुद्दों पर विचार कर रही है, इसलिए हाईकोर्ट ने अंतिम फैसला सुनाने से परहेज किया, लेकिन उत्तर प्रदेश के गृह सचिव को कड़ी फटकार लगाते हुए अधिकारियों के कामकाज का स्वतंत्र मूल्यांकन करने का निर्देश दिया।

2029 की तैयारी में जुटे भाजपा कार्यकर्ता, बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने का मंत्र

रांची (एजेंसी): भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने झारखंड दौरे के दूसरे दिन पार्टी पदाधिकारियों और जिला अध्यक्षों की बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि वर्ष २०२९ के लक्ष्य को ध्यान में रखकर वर्तमान टीम का गठन किया गया है और सभी कार्यकर्ताओं को अभी से चुनावी तैयारी में जुट जाना चाहिए।

प्रदेश कार्यालय में आयोजित बैठक में नितिन नबीन ने कहा कि भाजपा झारखंड का गढ़ थी, है और रहेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से निराशा छोड़कर नए उत्साह के साथ संगठन विस्तार में जुटने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत-२०४७ का सपना तभी साकार होगा जब भाजपा का संगठन बूथ स्तर तक सशक्त होगा और कार्यकर्ता पूरी ऊर्जा के साथ जनता के बीच काम करेंगे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने प्रदेश से लेकर मंडल स्तर तक नियमित मासिक बैठकें सुनिश्चित करने, शक्तिकेंद्रों पर बूथों की समीक्षा करने तथा सभी मोर्चों का गठन मंडल स्तर तक पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने प्रत्येक मंडल में कम से कम १०० सक्रिय कार्यकर्ताओं की टीम तैयार करने का लक्ष्य भी दिया।

एसआईआर को गंभीरता से लेने का निर्देश

बैठक में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को गंभीरता से लेने का निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश से लेकर बूथ स्तर तक इसकी नियमित समीक्षा की जाए और दैनिक रिपोर्टिंग सुनिश्चित हो। साथ ही वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को सम्मानपूर्वक संगठन से जोड़ने, विचार परिवार के संगठनों के साथ समन्वय बढ़ाने तथा नियमित प्रवास कार्यक्रम चलाने पर भी जोर दिया।

प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि नितिन नवीन का संगठनात्मक जीवन भाजपा की कार्यकर्ता-आधारित संस्कृति का उदाहरण है। उन्होंने विश्वास जताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष का यह दौरा संगठन को नई दिशा और नई ऊर्जा प्रदान करेगा।

बैठक में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि झारखंड में कानून-व्यवस्था की स्थिति चिंताजनक है। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं से स्थानीय जनसमस्याओं और जनमुद्दों को लेकर आंदोलन करने तथा जनता के बीच सक्रिय रहने का आह्वान किया। वहीं संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के समक्ष झारखंड भाजपा के संगठनात्मक ढांचे, बूथ सशक्तिकरण अभियान, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और आगामी गतिविधियों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। बैठक में प्रदेश एवं जिला स्तर के कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

लर्निंग और ड्राइविंग लाइसेंस के लंबित आवेदनों का जल्द निपटारा करें : परिवहन सचिव राजीव रंजन

रांची (एजेंसी): परिवहन सचिव राजीव रंजन ने राज्य के सभी जिला परिवहन पदाधिकारियों को लर्निंग लाइसेंस और ड्राइविंग लाइसेंस के लंबित आवेदनों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि विभागीय पोर्टल पर लाइसेंस से संबंधित बड़ी संख्या में आवेदन लंबित दिख रहे हैं, जिससे आम लोगों को अनावश्यक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

दरअसल हाल में हुई विभाग की समीक्षा के दौरान सचिव ने पाया कि कई जिलों में आवेदनों के साथ जमा दस्तावेजों की जांच और सत्यापन की प्रक्रिया अपेक्षित गति से नहीं हो रही है। उन्होंने इसे गंभीरता से लेते हुए कहा कि कार्यों में किसी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी जिला परिवहन पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि लंबित आवेदनों की नियमित समीक्षा करें और उनका त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करें, ताकि पोर्टल पर लंबित मामलों की संख्या न्यूनतम हो सके।

बैठक में गोड्डा जिला परिवहन कार्यालय की कार्यप्रणाली पर भी चर्चा हुई। सचिव ने कहा कि जिले में राजस्व संग्रहण का कार्य संतोषजनक नहीं पाया गया है। इस पर उन्होंने संताल परगना प्रमंडल के क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार के उप परिवहन आयुक्त-सह-सचिव को गोड्डा जिला परिवहन कार्यालय का निरीक्षण करने का निर्देश दिया। साथ ही १५ दिनों के भीतर जांच कर विस्तृत प्रतिवेदन विभाग को सौंपने को कहा गया है।

परिवहन सचिव ने स्पष्ट किया कि विभागीय सेवाओं को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और जनहितकारी बनाने के लिए लंबित मामलों के निपटारे तथा कार्यालयों की कार्यप्रणाली की लगातार निगरानी की जाएगी।

परिमल नाथवानी को मिला बीजेपी का समर्थन, भाजपा नहीं देगी उम्मीदवार

रांची (एजेंसी): राज्यसभा चुनाव में भाजपा ने यू टर्न लेते हुए अपना प्रत्याशी नहीं देने का फैसला किया है। भाजपा ने अब निर्दलीय प्रत्याशी परिमल नाथवानी का समर्थन करने का फैसला किया है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष प्रो आदित्य साहु ने जदयू, लोजपा, आजसू के अलावा भाजपा के लगभग एक दर्जन विधायकों को परिमल नाथवानी का प्रस्तावक बनने का निर्देश दिया है। नाथवानी भाजपा के समर्थन से ८ जून को अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। नाथवानी रात ८.३० बजे तक दिल्ली से रांची पहुंचेंगे। मालूम हो कि नाथवानी कल मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद रात में ही दिल्ली रवाना हो गए थे। वह दिल्ली तब रवाना हुए जब उन्हें मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कर दिया कि उनकी पार्टी उनका प्रस्तावक नहीं बनेगी।

दिल्ली में दिन भर रह कर नाथवानी ने गोटी सेट किया और भाजपा का समर्थन हासिल करने में सफल हुए। झामुमो नहीं चाहता था कि परिमल नाथवानी का प्रस्तावक बन कर वह कांग्रेस से प्रत्यक्ष रूप से अपना विरोधी छवि प्रदर्शित करे।

भाजपा के इस फैसले से अब नाथवानी की जीत सुनिश्चित दिखने लगी है वहीं कांग्रेस को अपने प्रत्याशी को विजय दिलाने की चुनौती और बढ़ गयी है।

मालूम हो कि इंडिया गठबंधन के नेता और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन कांग्रेस से बार बार यही कह रहे थे। वह बता रहे थे कि कांग्रेस अपना प्रत्याशी नहीं दे और झामुमो को दोनों प्रत्याशी खड़ा करने दे।

लेकिन झामुमो और कांग्रेस के बीच इस बात पर सहमति नहीं बनी। हालांकि अभी मुख्यमंत्री आवास में इंडिया गठबंधन के सभी विधायकों की बैठक हो रही है। इसमें कांग्रेस के पर्यवेक्षक भूपेश बघेल और अजय शर्मा भी शामिल।

नाथवानी के उम्मीदवार बनने से चहुंओर हरियाली

इधर नाथवानी के निर्दलीय प्रत्याशी बनने से कांग्रेस छोड़ भाजपा, झामुमो, राजद समेत अन्य सभी दलों के विधायकों के चेहरे पर मुस्कान देखी जाने लगी है। राजनीति के रणनीतिकारों का भी मानना है कि भाजपा का समर्थन मिलने के बाद नाथवानी को मात्र चार मतों का ही जुगाड़ करना है, जो उनके लिए बहुत आसान है। यह उनके चुटकी का खेल है।

कांग्रेस की चुनौती बढ़ी

नाथवानी के निर्दलीय प्रत्याशी बनने के बाद अब कांग्रेस की चुनौती सबसे अधिक बढ़ गयी है। १८ जून को मतदान के बाद कांग्रेस के लिए यह साबित करना कठिन चुनौती है कि उनके सभी १६ विधायक भी एकजुट रहे। कांग्रेस प्रत्याशी प्रणव झा को सभी १६ विधायकों ने मतदान किया। अगर ऐसा नहीं हुआ तो कांग्रेस की स्थिति और कमजोर होगी और आने वाले दिनों में इसका राज्य सरकार की सेहत पर भी दिखना अवश्यंभावी हो जाएगा।

गढ़वा में निजी अस्पताल को किया गया सील, नहीं थे डॉक्टर

गढ़वा (एजेंसी): जिला प्रशासन ने रविवार को कचहरी रोड स्थित एक निजी अस्पताल को सील कर दिया। यह कार्रवाई तब हुई, जब एसडीओ संजय कुमार और सिविल सर्जन डॉ. जॉन एफ केनेडी के संयुक्त औचक निरीक्षण में अस्पताल बिना चिकित्सक के चलता हुआ मिला। प्रशासन को सूचना मिली थी कि अस्पताल में इलाज के दौरान एक मरीज की मौत हो गई है। इसी सूचना के सत्यापन के लिए एसडीओ और सिविल सर्जन अस्पताल पहुंचे। निरीक्षण के दौरान संबंधित मरीज तो नहीं मिला, लेकिन अस्पताल में कोई चिकित्सक मौजूद नहीं था। जांच में पता चला कि अस्पताल में मरीजों का इलाज चिकित्सकों के बजाय कंपाउंडरों और तकनीशियनों के भरोसे किया जा रहा था।

मोदी सरकार ने एलपीजी सिलेंडर महंगा कर जनता की रसोई पर डाला डाका:ऋषीकेश सिंह

रांची (एजेंसी): झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी ने घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत में एक बार फिर ₹२९ प्रति १४.२ किलोग्राम सिलेंडर तथा ५ किलोग्राम सिलेंडर पर ₹१०.५० की वृद्धि को आम जनता के साथ क्रूर मज़ाक बताया है। प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रवक्ता ऋषीकेश सिंह ने कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई से पहले ही त्रस्त जनता पर मोदी सरकार ने एक और आर्थिक हमला कर दिया है। रसोई गैस, पेट्रोल, डीजल, खाद्य पदार्थ और रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में लगातार वृद्धि के कारण आम परिवारों का मासिक बजट पूरी तरह चरमरा चुका है, लेकिन केंद्र सरकार को जनता की परेशानियों से कोई लेना-देना नहीं रह गया है।

२०१४ में घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत लगभग ४१० रुपये थी

ऋषीकेश सिंह ने कहा कि वर्ष २०१४ में जिस घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत लगभग ₹४१० थी, आज वही सिलेंडर ₹१००० से अधिक में मिल रहा है। पिछले दस वर्षों में गैस सिलेंडर की कीमतों में कई बार वृद्धि की गई है और अब फिर ₹२९ की नई बढ़ोतरी कर दी गई है।

भाजपा ने सत्ता में आने से पहले महंगाई कम करने का वादा किया था, लेकिन आज स्थिति यह है कि देश की करोड़ों गृहिणियों की रसोई पर सबसे बड़ा संकट भाजपा सरकार की गलत आर्थिक नीतियों के कारण खड़ा हुआ है। ऋषीकेश सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार उज्ज्वला योजना का प्रचार तो करती है, लेकिन सच्चाई यह है कि बढ़ती कीमतों के कारण लाखों गरीब परिवार गैस सिलेंडर रिफिल कराने में असमर्थ हैं। गांवों और गरीब तबकों में बड़ी संख्या में लोग मजबूरी में फिर से लकड़ी, कोयला और उपलों का उपयोग करने लगे हैं। सरकार केवल कनेक्शन देने का श्रेय ले रही है, जबकि सिलेंडर भरवाने की क्षमता जनता से छीन ली गई है।

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की प्राथमिकता महंगाई पर नियंत्रण नहीं बल्कि जनता की जेब से अधिक से अधिक पैसा निकालना बन गई है। देश में बेरोजगारी, महंगाई और घटती क्रयशक्ति के बीच आम नागरिक दोहरा बोझ झेल रहा है। एक ओर आय नहीं बढ़ रही है, दूसरी ओर जीवन की हर आवश्यक वस्तु लगातार महंगी होती जा रही है। भाजपा सरकार के दस वर्षों में महंगाई ने हर घर की रसोई और हर परिवार की आर्थिक स्थिति को प्रभावित किया है। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी केंद्र सरकार से मांग करती है कि घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में की गई ताजा वृद्धि को तत्काल वापस लिया जाए तथा आम जनता को राहत देने के लिए रसोई गैस पर सब्सिडी बढ़ाई जाए।

पृष्ठ एक का शेषांश

झारखंड के 1.5 टन---

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत कार्यरत कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीईडीए) ने झारखंड से ब्रिटेन के लिए ताजा आमों की पहली व्यावसायिक खेप भेजने की जानकारी दी है। यह खेप ४ जून को कोलकाता से लंदन के लिए रवाना की गई। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया पर इस उपलब्धि को साझा करते हुए इसे लोकल गोज ग्लोबल का सशक्त उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि झारखंड के सिमडेगा जिले की महिला किसान उत्पादक कंपनी द्वारा उगाए गए आम्रपाली आम अब यूनाइटेड किंगडम के बाजार तक पहुंच रहे हैं। उन्होंने प्राधिकरण के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इससे किसानों को बेहतर मूल्य, महिलाओं को नई पहचान और भारत के कृषि निर्यात को नई गति मिली है। इस सफलता की सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आमों की यह खेप सिमडेगा जिले के बानो प्रखंड स्थित बेउरा फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड से प्राप्त की गई है। यह पूरी तरह महिला किसानों द्वारा संचालित किसान उत्पादक कंपनी है, जिसमें स्थानीय महिलाएं खेती, प्रसंस्करण और विपणन की जिम्मेदारी संभालती हैं।

टीएमसी में बढ़ा सियासी---

सामने आ रही हैं। दरअसल टीएमसी के लिए सबसे बड़ा झटका विधानसभा में तब सामने आया, जब पार्टी के ८० में से ५८ विधायकों ने कथित तौर पर अभिषेक बनर्जी के बढ़ते प्रभाव का विरोध करते हुए 'ऑपरेशन क्राउन प्रिंस' के तहत बगावत का रास्ता अपनाया। बागी गुट ने निष्कासित नेता ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व में खुद को एक अलग राजनीतिक शक्ति के रूप में स्थापित करने की कोशिश की है। हद यह रही कि विधानसभा अध्यक्ष ने इस गुट को स्वीकृति प्रदान करते हुए कार्रवाई भी कर दी। इस बीच बागी विधायक और विधानसभा में नए विधायी गुट के उपनेता संदीपन साहा ने दावा किया है कि पश्चिम बंगाल विधानसभा जैसा घटनाक्रम अब दिल्ली में भी दोहराया जा सकता है। उनके अनुसार लोकसभा और राज्यसभा में भी कई सांसद नेतृत्व की कार्यशैली से असंतुष्ट हैं और उनके बीच संपर्क अभियान चलाया जा रहा है। यहां बताते चलें कि लोकसभा में टीएमसी के वर्तमान में २८ सांसद हैं। दल-बदल विरोधी कानून के तहत किसी भी गुट को वैध अलग पहचान के लिए कम से कम १९ सांसदों के समर्थन की आवश्यकता होगी।

ओडिशा में इंजीनियर---

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जांच में अब तक पांच बड़ी इमारतों का पता चला है। इनमें भुवनेश्वर स्थित नीलाद्री विहार में करीब १०,५०० वर्गफुट क्षेत्रफल वाली चार मंजिला इमारत सबसे बड़ी है। इसके अलावा सैलश्री विहार में तीन मंजिला भवन, पटिया में दो मंजिला मकान, चंद्रशेखरपुर में दो मंजिला मकान है। जाजपुर जिले के धर्मशाला में पैतृक जमीन पर भी दो मंजिला इमारत बनी है। विजिलेंस को बेहरा और उनके परिवार के नाम पर १३ प्लॉट भी मिले हैं। इनमें सात प्लॉट भुवनेश्वर, पांच जाजपुर जिले के धर्मशाला और एक बारिपदा में स्थित है। भुवनेश्वर में और भी जमीन होने की जानकारी सामने आई है।

अवैध प्रवासियों को लेकर---

अंततः हजारों लोगों की पहचान, नागरिकता और भविष्य को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। वे न तो पूरी तरह भारत में सुरक्षित महसूस कर रहे हैं और न ही बिना वैध दस्तावेजों के बांग्लादेश लौट पा रहे हैं। इससे सीमा क्षेत्र में मानवीय और प्रशासनिक चुनौती लगातार गहराती जा रही है।

9 और 10 को भारी बारिश का अलर्ट, कई जिलों में तेज हवा और वज्रपात की चेतावनी

रांची (एजेंसी): झारखंड में मानसूनी गतिविधियां तेज होने लगी हैं और आगामी दिनों में मौसम के और अधिक सक्रिय होने के संकेत मिल रहे हैं। मौसम विज्ञान केंद्र रांची द्वारा जारी ताजा पूर्वानुमान के अनुसार, राज्य के कई हिस्सों में ९ और १० जून को भारी से अति भारी वर्षा दर्ज की जा सकती है। विशेष रूप से रांची और आसपास के जिलों में अत्यधिक बारिश की संभावना व्यक्त की गई है, जिससे सामान्य जनजीवन प्रभावित होने की आशंका है।

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, यदि वर्तमान पूर्वानुमान सटीक साबित होता है, तो राज्य के कुछ क्षेत्रों में एक दिन में २०० मिमी से अधिक वर्षा दर्ज की जा सकती है। यह पिछले एक दशक के दौरान दर्ज हुई सबसे अधिक दैनिक वर्षा के आंकड़ों को चुनौती दे सकती है। वर्ष २०१५ के बाद पहली बार इतनी व्यापक और तीव्र बारिश की संभावना जताई गई है।

मौसम विभाग ने संकेत दिया है कि ९ और १० जून को रांची समेत झारखंड के मध्य और दक्षिणी भागों में व्यापक वर्षा गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं। कई स्थानों पर भारी से अति भारी बारिश होने की संभावना है। लगातार बारिश के कारण निचले इलाकों में जलभराव, यातायात बाधित होने और ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि कार्यों पर असर पड़ने की आशंका है।

इन क्षेत्रों में ४० से ५० किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। तेज हवाओं के साथ बिजली गिरने की घटनाएं भी हो सकती हैं, जिससे लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। खुले मैदानों, खेतों और पेड़ों के नीचे खड़े होने से बचने की अपील की गई है।

कल कई जिलों में खराब रहेगा मौसम

मौसम विभाग के अनुसार, ८ जून को भी राज्य के कई हिस्सों में मौसम का मिजाज बदला रहेगा। कुछ जिलों को छोड़कर अधिकांश क्षेत्रों में गरज-चमक के साथ बारिश, तेज हवा और वज्रपात की संभावना बनी हुई है। यह मौसमीय गतिविधियां १० जून तक जारी रह सकती हैं।

रांची, रामगढ़, बोकारो, खूंटी, लोहरदगा, गुमला और धनबाद सहित कई जिलों में मौसम लगातार बदलता रहेगा। वहीं राज्य के अन्य हिस्सों में भी बादल छाए रहने और रुक-रुक कर वर्षा होने के संकेत हैं।

पिछले कुछ दिनों से रांची समेत आसपास के क्षेत्रों में बादलों की आवाजाही और हल्की बारिश के कारण तापमान में ३ से ४ डिग्री सेल्सियस तक की कमी दर्ज की गई है।

श्रावणी मेला की तैयारियां तेज, बस ऑनर्स एसोसिएशन के साथ डीटीओ ने ट्रैफिक व्यवस्था के लिए किया मंथन

देवघर (एजेंसी): विश्वप्रसिद्ध श्रावणी मेला २०२६ के सफल आयोजन और श्रद्धालुओं के लिए बेहतर यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में रविवार को जिला परिवहन पदाधिकारी (डीटीओ) विजय कुमार की अध्यक्षता में बस ऑनर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में बस ऑनर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित यात्रा के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव प्रशासन के समक्ष रखे। एसोसिएशन ने विशेष रूप से देवघर-बासुकिनाथ मार्ग पर बिना वैध परमिट के संचालित हो रहे टेंपो और मैजिक वाहनों के परिचालन पर पूर्ण रोक लगाने की मांग की। उनका कहना था कि अवैध वाहनों के कारण दुर्घटनाओं और ट्रैफिक जाम की समस्या बढ़ जाती है, जिससे बसों के संचालन पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

प्रतिनिधियों ने श्रावणी मेले के दौरान क्लब ग्राउंड में अस्थायी बस पड़ाव बनाने का प्रस्ताव भी दिया। इसके साथ ही वहां श्रद्धालुओं और वाहन कर्मियों के लिए पेयजल की समुचित व्यवस्था, रात्रि में पर्याप्त प्रकाश की सुविधा तथा सुरक्षा के लिए स्थायी पुलिस बल की तैनाती की मांग की गई। यातायात व्यवस्था को और अधिक सुचारु बनाने के लिए बस ऑनर्स एसोसिएशन ने वन-वे ट्रैफिक सिस्टम लागू करने का सुझाव दिया। प्रस्ताव के अनुसार देवघर से बासुकिनाथ जाने वाली बसों को सारठ-पालोजोरी मार्ग से भेजा जाए, जबकि बासुकिनाथ से लौटने वाली बसों के लिए मुख्य मार्ग निर्धारित किया जाए।

वायुसेना अधिकारी ने पत्नी और ससुर पर लगाया 23 लाख रुपये की ठगी का आरोप, केस दर्ज

रांची (एजेंसी): रांची के रातू थाना क्षेत्र से पारिवारिक रिश्तों और आर्थिक लेन-देन से जुड़ा एक गंभीर मामला सामने आया है। भारतीय वायुसेना के एक अधिकारी ने अपनी पत्नी और ससुर पर २३ लाख रुपये से अधिक की कथित ठगी करने का आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के आधार पर रातू थाना में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मामला भरोसे, पारिवारिक संबंधों और बड़े आर्थिक लेन-देन से जुड़ा होने के कारण चर्चा का विषय बना हुआ है। पुलिस अब बैंक खातों, वित्तीय दस्तावेजों और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पूरे मामले की पड़ताल कर रही है।

जामताड़ा में मरीजों के हक के बेड पर 'सहिया' का कब्जा, सरकारी दावों की खुली पोल

जामताड़ा (एजेंसी): जामताड़ा सदर अस्पताल के महिला वार्ड का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेज़ी से वायरल हो रहा है, जो अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही को उजागर करता है।

जहां एक तरफ गंभीर रूप से बीमार गरीब मरीज ज़मीन पर लेटने को मजबूर हैं, वहीं दूसरी तरफ उनकी तीमारदारी के लिए तैनात एक 'सहिया' मरीजों के हक के बेड पर कब्ज़ा जमाकर चैन की नींद सोती नजर आ रही है।

सरकारी दावों की पोल खोलती इस घटना ने एक बार फिर सूबे की स्वास्थ्य व्यवस्था को कटघरे में खड़ा कर दिया है। झारखंड की बदहाल चिकित्सा व्यवस्था का यह जीता-जागता उदाहरण है, जिसने मानवता और जिम्मेदारी दोनों को तार-तार कर दिया है।

मरीज़ ज़मीन पर, सहिया बेड पर

वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि जामताड़ा सदर अस्पताल के महिला वार्ड में गंभीर रूप से बीमार महिला मरीज नीचे ज़मीन पर लेटी हुई है। वहीं, मरीजों की देखभाल के लिए तैनात सहिया आराम से बेड पर सोकर 'अराम फरमा' रही है।

अस्पताल के इस संवेदनहीन रवैये को वहां मौजूद एक शख्स ने अपने कैमरे में कैद कर लिया।

आरक्षित जगह खाली, फिर भी बेड पर कब्ज़ा

हैरानी की बात यह है कि अस्पताल परिसर में सहिया और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों के रुकने के लिए आधिकारिक तौर पर अलग से जगह रेस्ट रूम निर्धारित है। वीडियो में यह भी दिखाया गया है कि सहिया के लिए तय कमरा और बेड पूरी तरह खाली पड़े हैं। इसके बावजूद, नियमों को ताक पर रखकर मरीजों के लिए आरक्षित बेड पर कब्ज़ा जमाया गया।

स्वास्थ्य व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल

वीडियो वायरल होने के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है। लोग सवाल उठा रहे हैं कि क्या गरीब मरीजों की मजबूरी का इसी तरह मज़ाक उड़ाया जाएगा? इस घटना ने एक बार फिर सरकारी अस्पतालों की लचर कार्यशैली और संवेदनहीनता को उजागर कर दिया है।

अब देखना यह है कि जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग इस वायरल वीडियो का संज्ञान लेकर दोषी सहिया पर क्या कार्रवाई करता है।

जिम वालों के लिए कौन सा प्रोटीन सबसे बेस्ट ! चिकन, अंडा या पनीर

चिकन और लीन मीट

नॉन-वेज डाइट लेने वालों के लिए चिकन और लीन मीट मसल्स बिल्डिंग के सबसे मजबूत और भरोसेमंद प्रोटीन स्रोत माने जाते हैं। 100 ग्राम चिकन में लगभग 25-30 ग्राम हाई-क्वालिटी प्रोटीन मिलता है, जिसे शरीर बेहद आसानी से अवशोषित कर लेता है। इसमें मौजूद मिनरल्स और आवश्यक अमीनो एसिड मसल्स को तेजी से रिपेयर करते हैं और ग्रोथ को बूस्ट करते हैं। इसके साथ ही मछली और मटन जैसे अन्य मीट भी बेहतरीन विकल्प हैं। इनमें न सिर्फ क्वालिटी प्रोटीन मिलता है, बल्कि आयरन और ओमेगा-3 फैटी एसिड जैसे पोषक तत्व भी होते हैं, जो रिकवरी को तेज करते हैं और शरीर को ज्यादा स्ट्रॉन्ग बनाते हैं।

जिम में घंटों पसीना बहाने के बावजूद अक्सर लोग शिकायत करते हैं कि मसल्स ठीक से बन नहीं रहे। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि मसल्स ग्रोथ में वर्कआउट से ज्यादा अहम रोल डाइट का होता है, खासकर प्रोटीन का। प्रोटीन ही शरीर की मसल्स को रिपेयर करता है, उन्हें मजबूत बनाता है और तेजी से ग्रोथ देता है। लेकिन सवाल यह है कि इतनी सारी प्रोटीन वाली चीजों में से असल में बेस्ट क्या है अंडा, चिकन या पनीर? आइए समझते हैं किस फूड में कैसी प्रोटीन मिलती है और जिम लवर्स के लिए कौन सबसे बेहतर साबित होता है।

अंडा: कंप्लीट प्रोटीन का पावरहाउसअंडे को प्रोटीन का सबसे बेहतरीन और आसान स्रोत माना जाता है, क्योंकि इसमें सभी 9 जरूरी अमीनो एसिड मौजूद होते हैं, जो सीधे मसल्स की ग्रोथ और रिकवरी में मदद करते हैं। शरीर अंडे के प्रोटीन को बेहद तेजी से अवशोषित कर लेता है, जिससे वर्कआउट के बाद मांसपेशियों की हीलिंग जल्दी होती है। इसकी जर्दी में मौजूद हेल्दी फैट्स और विटामिन क्ग2 एनर्जी लेवल बढ़ाते हैं और शरीर को पूरे दिन एक्टिव रखते हैं। चाहे आप उबला अंडा खाएं, ऑमलेट बनाएं या स्क्रैम्बल हर रूप में अंडा मसल्स बनाने के लिए सुपर फायदेमंद है।

पनीर - वेजिटेरियन लोगों के लिए पनीर किसी सुपरफूड से कम नहीं। इसमें मौजूद केसिन प्रोटीन धीरे-धीरे पचता है, जिससे शरीर को लंबे समय तक लगातार प्रोटीन मिलता रहता है। खासतौर पर रात के भोजन में पनीर शामिल करना बेहद फायदेमंद माना जाता है, क्योंकि यह मसल ब्रेकडाउन को रोकने में मदद करता है। सब्जी, सलाद से लेकर पनीर टिक्का तक हर फॉर्म में यह शरीर को पोषण देता है। साथ ही, यह पेट भरने के साथ हेल्दी वेट गेन में भी सहयोगी साबित होता है।

क्या सप्लीमेंट्स की जरूरत पड़ती है?

सप्लीमेंट्स तभी लेने चाहिए जब आपकी नियमित डाइट आपकी प्रोटीन या न्यूट्रिशन की जरूरत पूरी न कर पाए। ऐसे में व्हे प्रोटीन या प्लांट-बेस्ड प्रोटीन अच्छे विकल्प हो सकते हैं। हालांकि, सप्लीमेंट चुनते समय यह जरूर देखें कि उसमें कम केमिकल्स हों और अमीनो एसिड प्रोफाइल उच्च गुणवत्ता वाला हो, ताकि शरीर को अधिकतम लाभ मिल सके।

जामें प्रोटीन का असर कैसे बढ़ाएं - दिन भर थोड़ा-थोड़ा प्रोटीन खाएं। एक बार में बहुत ज्यादा प्रोटीन लेने से शरीर उसे पूरी तरह उपयोग नहीं कर पाता, और इसका फायदा भी कम हो जाता है। इसलिए बेहतर यही है कि दिन भर में छोटे-छोटे हिस्सों में प्रोटीन शामिल करें। इससे मसल्स को लगातार अमीनो एसिड मिलता रहता है और रिकवरी भी तेज होती है।

सही कॉम्बिनेशन बनाएं -सही फूड कॉम्बिनेशन मसल्स को पूरा अमीनो एसिड प्रोफाइल देने में मदद करता है। जैसे दाल+चावल, पनीर+सलाद या अंडा+ओट्स जैसे कॉम्बो शरीर में प्रोटीन की क्वालिटी को बेहतर बनाते हैं। ये संयोजन न सिर्फ डाइजेशन आसान करते हैं बल्कि मसल रिकवरी और स्ट्रेंथ बढ़ाने में भी कारगर साबित होते हैं।

वर्कआउट के 30-60 मिनट के अंदर प्रोटीन लें

वर्कआउट के बाद शरीर की मसल्स सबसे ज्यादा थकी हुई होती हैं और उसी समय उन्हें प्रोटीन की सबसे ज्यादा जरूरत पड़ती है। इसलिए एक्सरसाइज खत्म होने के 30-60 मिनट के भीतर प्रोटीन लेना बेहद फायदेमंद माना जाता है। इस टाइम विंडो में लिया गया प्रोटीन तेजी से अवशोषित होता है, जिससे मसल रिकवरी दोगुनी तेजी से होती है, ह्यश्ह्द्ग-ठ्ठद्ग्ह्यह्य कम होती है और मसल ग्रोथ भी बेहतर तरीके से शुरू हो जाती है। यही वजह है कि फिटनेस एक्सपर्ट इसे गोल्डन विंडो कहते हैं।

पानी ज्यादा पिएं - जब आप हाई-प्रोटीन डाइट लेते हैं, तो शरीर को प्रोटीन को पचाने और अवशोषित करने में अधिक पानी की जरूरत होती है। पर्याप्त पानी न मिलने पर पाचन धीमा हो सकता है, कब्ज या ब्लोटिंग जैसी दिक्कतें भी बढ़ सकती हैं। इसलिए हाई-प्रोटीन भोजन के साथ पूरे दिन नियमित रूप से पानी पीना बेहद जरूरी है। अच्छी हाइड्रेशन न सिर्फ पाचन को आसान बनाती है, बल्कि मसल रिकवरी, एनर्जी लेवल और किडनी फंक्शन को भी सपोर्ट करती है। दिनभर में थोड़ा-थोड़ा पानी पीने से शरीर में प्रोटीन का अवशोषण बेहतर होता है और डाइट का फायदा भी ज्यादा मिलता है।

तो जानें आखिर बेस्ट क्या है

नॉन-वेज खाने वालों के लिए: चिकन + अंडा सबसे तेज और असरदार मसल-बिल्डिंग प्रोटीन।

वेजिटेरियन के लिए: पनीर + दाल + दही/दूध मसल ग्रोथ का बेस्ट कॉम्बो।

जिन्हें फैट कम और प्रोटीन ज्यादा चाहिए: अंडा और चिकन सबसे उपयुक्त।

हर फूड में प्रोटीन है, लेकिन आपका लक्ष्य, आपकी बॉडी और आपकी डाइट तय करती है कि कौन सा प्रोटीन आपके लिए सबसे बेहतर है। सही प्रोटीन चुनेंगे, तभी सही मसल्स बनेंगे।

टैनिंग हटाने के देसी नुस्खे, 7 दिन में दिख सकता है असर

टैनिंग हटाने के लिए नींबू, दही, बेसन, हल्दी और एलोवेरा जैसे प्राकृतिक तत्व बेहद प्रभावी होते हैं। इनका नियमित उपयोग स्किन को साफ, निखरी और टैन-फ्री बनाता है।

गर्मियों का मौसम आते ही सबसे बड़ी समस्या त्वचा की टैनिंग होती है। तेज धूप, प्रदूषण और बाहर ज्यादा समय बिताने की वजह से स्किन का रंग डार्क पड़ने लगता है। चेहरे, हाथ और पैरों पर टैनिंग न सिर्फ आपकी खूबसूरती को प्रभावित करती है, बल्कि आत्मविश्वास को भी कम कर देती है।

हालांकि, बाजार में टैनिंग हटाने के लिए कई तरह के केमिकल प्रोडक्ट्स उपलब्ध हैं, लेकिन इनका असर हर किसी पर एक जैसा नहीं होता और कई बार ये स्किन को नुकसान भी पहुंचा सकते हैं। ऐसे में देसी और प्राकृतिक नुस्खे एक सुरक्षित और असरदार विकल्प बनकर सामने आते हैं।

घरेलू उपायों की खास बात यह है कि ये आसानी से उपलब्ध सामग्री से तैयार होते हैं और त्वचा को कोमल प्रभाव डालते हैं। साथ ही इनके नियमित उपयोग से धीरे-धीरे स्किन का नैचुरल ग्लो भी वापस आता है। इस लेख में हम आपको बताएंगे टैनिंग हटाने के कुछ ऐसे देसी नुस्खे, जो आसान होने के साथ-साथ बेहद प्रभावी भी हैं।

नींबू और शहद का मिश्रण

नींबू में प्राकृतिक ब्लीचिंग प्रॉपर्टीज होती हैं, जो टैनिंग को हल्का करने में मदद करती हैं। शहद स्किन को मॉश्चराइज करता है। दोनों को मिलाकर 10-15 मिनट तक लगाएं और फिर धो लें।

दही और बेसन फेस पैक

दही स्किन को ठंडक देता है और बेसन डेड स्किन हटाने में मदद करता है। इस पैक को हफ्ते में 2-3 बार इस्तेमाल करने से टैनिंग धीरे-धीरे कम होने लगती है।

एलोवेरा जेल का उपयोग

एलोवेरा स्किन को शांत करता है और टैनिंग को कम करने में मदद करता है। रोज रात को सोने से पहले एलोवेरा जेल लगाने से स्किन हेल्दी और ग्लोइंग बनती है।

खीरा और गुलाब जल

खीरा स्किन को ठंडक देता है और गुलाब जल स्किन टोन को संतुलित करता है। दोनों को मिलाकर लगाने से स्किन फ्रेश और टैन-फ्री दिखती है।

किचन की ये 5 चीजें बालों को बनाती हैं काला, घना और चमकदार, जानिए इनके फायदे और इस्तेमाल का तरीका

बालों की समस्या पिछले कुछ सालों में तेजी से बढ़ी है। आजकल लोग कम उम्र में सफेद बाल और गंजेपन के शिकार हो रहे हैं। जितने हेयर प्रोडक्ट बढ़ रहे हैं उतनी ही समस्याएं भी पैदा हो रही हैं। ऐसे में बालों को घना और काला बनाने के लिए कीमती हेयर प्रोडक्ट लगाने की बजाय नेचुरल उपाय करें। आपकी किचन में ऐसी कई चीजें मौजूद होती हैं जिनसे बालों को खूबसूरत बनाया जा सकता है। इन चीजों को असर भले ही धीमी गति से हो लेकिन धीरे-धीरे बाल प्राकृतिक रूप से मजबूत होने लगेंगे। जानिए बालों को काला घना और मजबूत बनाने के लिए क्या घरेलू उपाय करें।

बालों को काला-घना बनाने के उपाय

आपकी रसोई में ऐसी कई चीजें हैं जिनका इस्तेमाल बालों को फायदा पहुंचाता है। इसमें काले तिल, आंवला पाउडर, कलौंजी, मैथी, त्रिफला जैसी चीजें शामिल हैं। इनका इस्तेमाल बालों को पोषण देता है। आप किसी न किसी रूप में इनका इस्तेमाल बालों पर कर सकते हैं। आप इन सारी चीजों को मिलाकर हेयर मास्क भी बना सकते हैं। इसे हफ्ते में 1-2 बार बालों पर लगाएं और कुछ ही दिनों में फर्क नजर आने लगेगा।

बालों के लिए त्रिफला के फायदे- बालों के लिए त्रिफला पाउडर फायदेमंद माना जाता है। इसमें आंवला के साथ हरड़ और बहेड़ा भी होता है। जो स्कैल्प को डिटॉक्स करता है और बालों की जड़ से मजबूत बनाता है। इससे समय से पहले सफेद हो रहे बाल कम होने लगते हैं। डैंड्रफ और खुजली में भी राहत मिलती है।

बालों के लिए काले तिल- बालों के लिए काले तिल को नेचुरल टॉनिक माना जाता है। काले तिल में कैल्शियम, आयरन और एंटीऑक्सीडेंट्स काफी ज्यादा होते हैं। ये बालों को नेचुरल काला रंग देता है। तिल खाने से बालों की लंबाई बढ़ती है और झड़ना कम होता है।

बालों के लिए आंवला पाउडर- आयुर्वेद में आंवला को बालों के लिए अमृत माना गया है। आंवला बालों को काला, मजबूत और चमकदार बनाने में मदद करता है। आंवला में विटामिन सी होता है। समय से पहले सफेद हो रहे बालों को कम करने में आंवला मदद करता है।

बालों के लिए कलौंजी- बालों के लिए कलौंजी का तेल बनाकर इस्तेमाल किया जा सकता है। इसे लगाने से जड़ों को पोषण मिलता है और बालों का टूटना कम होता है। कलौजी तेल लगाने से स्कैल्प की ड्राईनेस कम होती है। इससे बाल मजबूत, मुलायम और शाइनी बनाते हैं।

बालों के लिए प्याज- जिन लोगों में गंजापन बढ़ रहा है वो प्याज का इस्तेमाल कर सकते हैं। प्याज का रस लगाने और प्याज का तेल लगाने से बाल उगने लगते हैं। इससे बालों का टूटना कम होता है। प्याज में पाए जाने वाले पोषक तत्व बालों को मजबूत बनाते हैं और सफेद वालों को कम करते हैं।

पुरानी और जाम हुई चाय की छन्नी को बिना घिसे मिनटों में करें साफ

क्या आपकी स्टील की चाय छन्नी पुरानी दिखने लगी है? छेद जाम हो गए हैं और उसमें चाय की पत्ती फंस जाती है? इसे घिसकर साफ करना थकाऊ काम हो सकता है, लेकिन इसका एक आसान और असरदार तरीका बताया है। इस ट्रिक से आप मिनटों में छन्नी के जाम हुए छेद खोल सकते हैं और इसे हमेशा नया बनाए रख सकते हैं।

जाम हुए छेद खोलने के लिए गैस की आंच

छन्नी के बारीक छेदों में चाय की पत्ती और चिकनाई जमा हो जाती है। इसे हटाने के लिए गर्मी का इस्तेमाल करें। छन्नी को सावधानी से पकड़कर सीधे गैस की आंच पर रखें। जैसे ही छन्नी गर्म होगी, उसमें जमा चिकनाई और कण पिघलकर हटने लगेंगे। इस प्रक्रिया में मुश्किल से एक मिनट ही लगता है।

ध्यान दें: छन्नी को हाथ से पकड़ते समय गरमी से बचने के लिए रबड़ या कपड़े का इस्तेमाल करें।

गर्म छन्नी को साफ करने का आसान तरीका

गैस पर गर्म करने के बाद छन्नी पर जमा चिकनाई ढीली हो जाती है।

तरीका: छन्नी को आंच से हटाएं और हल्का ठंडा होने दें। थोड़ा डिशवॉशिंग जेल या साबुन लगाएं। पुराने टूथब्रश या स्पंज की मदद से हल्के हाथ से साफ करें। अंत में साफ पानी से धोकर सुखा लें। गर्म करने से कालिख और चाय के दाग आसानी से हट जाते हैं।

दाग-धब्बों और पीलापन हटाने की ट्रिक

अगर छन्नी पीली या दाग-धब्बेदार हो गई है तो एक छोटे बर्तन में गर्म पानी, सफेद सिरका और नींबू का रस बराबर मात्रा में मिलाएं। छन्नी को 10-15 मिनट के लिए घोल में भिगो दें। हल्के हाथ से रगड़कर धो लें। प्राकृतिक घोल से छन्नी की चमक वापस आ जाती है।

रात भर भिगोने का आसान तरीका

यदि छन्नी पर जिद्दी चिकनाई जमा हो गई है तो एक बर्तन में गर्म पानी + 1 चम्मच बेकिंग सोडा + थोड़ा डिशवॉश लिक्विड मिलाएं। छन्नी को मिश्रण में डालकर रात भर भिगो दें। सुबह हल्के हाथ से रगड़कर धो लें। इससे छन्नी पर जमे सभी चिकनाई और दाग आसानी से हट जाते हैं।

छन्नी को लंबे समय तक नया रखने के टिप्स

चाय बनाने के तुरंत बाद छन्नी को नल के नीचे धो लें। रोजाना धोते समय गर्म पानी का इस्तेमाल करें। धोने के बाद सूखे कपड़े से पोंछें या हवा में सुखाएं, ताकि पानी के धब्बे या जंग न लगें। इन आसान ट्रिक्स को अपनाकर आप अपनी पुरानी, जाम हुई चाय की छन्नी को मिनटों में नया और चमकदार बना सकते हैं। अब घिसने की जरूरत नहीं, और आपका चाय का हर कप बनेगा और भी मजेदार।

पानी गर्म रखने वाली बोतल से आ रही गंदी बदबू तो दूर करने का ये तरीका जान लें

सर्दियों का मौसम शुरू हो चुका है। ऐसे में पानी, चाय या किसी लिक्विड चीज को रखने के लिए थर्मोपलास्क वाली बोतल का इस्तेमाल ज्यादातर लोग करते है। जिससे की खाने-पीने का सामान देर तक गर्म बना रहे। लेकिन बोतल लगातार कई महीनों से बंद पड़ी होने की वजह से उसमे से बदबू कर रही है। और कई बार साफ करने के बाद भी ये बदबू पूरी तरह नहीं जा रही। तो इन ट्रिक्स को ट्राई करें। जिनकी मदद से बोतल से आ रही सारी बदबू साफ हो जाएगी और दोबारा से यूज करने लायक बन जाएगी।

चावल और नमक से करें सफाई - पानी गर्म रखने वाली बोतल यानी थर्मोफ्लास्क की बोतल से बदबू आ रही है और वो साबुन से धुलाई के बाद भी नहीं जा रही। तो बस ये आसान सी ट्रिक ट्राई कर लो। जिसकी मदद से ये बदबू एक बार में ही गायब हो जाएगी। बस इसके लिए बोतल में करीब एक चम्मच चावल के दाने डाल दें। साथ ही एक चम्मच सेंधा नमक भी डाल दें। अब इसमे एक कप के करीब पानी डालें। और, जोर से हिलाएं। इसे करीब पांच मिनट हिलाकर आधे घंटे के लिए छोड़ दें। फिर पानी से अच्छी तरह से साफ कर दें। ऐसा करने से बोतल की तली में लगी सफेदी और गंदगी भी अच्छी तरह से साफ हो जाएगी।

नींबू और नमक- अगर बोतल की गंदी बदबू जा ही नहीं रही है तो ये नुस्खा आजमाएं। बोतल में गर्म पानी करीब आधा कप डाल दें। साथ ही उसमे नींबू का रस निचोड़ दें और साथ ही एक चम्मच सेंधा नमक डाल दें। सारी चीजों को शेक करें और अच्छी तरह से हिलाएं। फिर करीब आधे घंटे के लिए बोतल में नींबू का पानी और नमक छोड़ दें। फिर आधे घंटे बाद सफाई करेंगे तो बोतल की सारी गंदगी साफ हो जाएगी।

पढ़ाई के साथ-साथ कनाडा में करें पार्ट टाइम जॉब

कनाडा में पढ़ने वाले भारतीय छात्रों के लिए पढ़ने के साथ ही पार्ट टाइम जॉब करने के लिए आप ये जॉब्स जरुर कर सकते है। भारतीय छात्रों के लिए कनाडा में जॉब करना बेहद पॉपुलर है। इन जॉब्स की मदद से आप रोजमर्रा के खर्चों को पूरा कर सकते हैं।

अब्रॉड में पढ़ने की चाह कई लोग रखते हैं। ऐसे में कनाडा भारतीय छात्रों के लिए स्टाडी करने के लिए काफी पॉपुलर है। भारत के लाखों छात्र इस समय कनाडा में पढ़ाई कर रहे हैं। कनाडा पढ़ाई के मामले मे बहुत ही खर्चा आता है। यहां महीने का खर्च के लगभग 1 लाख रुपये तक होता है। इसी कारण भारतीय छात्र यहां पर पार्ट टाइम जॉब करते हैं ताकि खर्चा निकल सके। आइए जानते है कनाडा में पार्ट टाइम जॉब्स के बारे में, जिन्हें करने से आपको लाखों रुपये तक सैलरी मिल सकती है।

एडमिनिस्ट्रेटिव क्लर्क

एडमिनिस्ट्रेटिव क्लर्क की जॉब में ऑफिस से जुड़े काम देखते हैं, जैसे कि रिपोर्ट बनाना, बयान तैयार करना, फोन कॉल या दस्तावेज तैयार करना। गौरतलब है कि यहां पर क्लर्क के तौर पर काम करना काफी आसान है। हर घंटे काम करने से सिर्फ आपको 22.50 डॉलर मिलेंगे (1367 रुपये) मिलेंगे।

टीचिंग असिस्टेंट

पढ़ाई के साथ-साथ अगर आप भी पार्ट टाइम जॉब करना चाहते हैं, तो टीचिंग असिस्टेंट के तौर पर काम करना बेहद आसान होता है। आपको इस प्रकार की नौकरी कैंपस के भीतर ही मिल जाती है और इसके लिए सिर्फ स्टूडेंट्स की भर्ती होती है। टीचिंग असिस्टेंट के तौर पर छात्रों को प्रोफेसर्स की रिसर्च जैसी चीजों में मदद करती है। इस पार्ट टाइम नौकरी में हर घंटे 25.48 डॉलर (1550 रुपये) दिए जाते हैं। इस तरह एक महीने में 1798 डॉलर (1.09 लाख रुपये) कमाएं जा सकते है।

ट्रांसलेटर

अगर आप भाषाओं का ज्ञान रखते हैं, तो उनके लिए ट्रांसलेटर की नौकरियां सबसे ठीक है। ट्रांसलेटर के तौर पर काम करना

काफी फायदे का सौदा हो सकता है। ट्रांसलेटर की नौकरी के लिए हर घंटे 30.77 डॉलर मिलते हैं। अगर आप कोई छात्र एक महीने में 80 घंटे ट्रांसलेटर की जॉब करता है। तो वह 2461 डॉलर (1.49 लाख रुपये) कमा सकते है।

फ्रीलांसर

यदि आप कनाडा में फ्रीलांसर के तौर पर कार्य कर सकते है। ग्राफिक डिजाइनिंग, कंटेट राइटर, डिजिटल मार्केटिंग जैसे काम फ्रीलांसर के तौर पर आराम से कर सकते हैं। फ्रीलांसर तौर पर जॉब करने पर 23.51 डॉलर (1428 रुपये) कमाते हैं। एक महीने में 1880 डॉलर की कमाई की जा सकती है। भारतीय रुपये में बात करें तो आप महीने में 1.14 लाख रुपये कमा सकते हैं।

शानदार कॉरियर बनाने के लिए फॉलो करें ये टिप्स, मिलेगी मनचाही सफलता

अगर आप भी अपने कॉरियर में बहुत अच्छा करना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ऐसी 5 चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपके बहुत काम आएंगे।

हम सभी का सपना होता है कि हमारा कॉरियर अच्छा होता है। हालांकि इसके लिए अलग-अलग फैक्टर काम करते हैं। सिर्फ अकेले पढ़ाई से ही काम नहीं चल पाता है। जब आप कहीं इंटरव्यू देने जाते हैं, आपसे कुछ सवाल पूछे जाते हैं। वहीं आपको उन सभी सवालों के जवाब अच्छे से आते हैं, तो आपको नौकरी मिलने में दिक्कत नहीं आती है। वहीं अगर आपको उन सवालों के जवाब नहीं आते हैं, तो जॉब आपके हाथ से चली जाएगी। ऐसे में अगर आप भी अपने कॉरियर में बहुत अच्छा करना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ऐसी 5 चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपके बहुत काम आएंगे।

बता दें कि कॉन्फिडेंस एक ऐसी चीज होती है, जो फील्ड में काम आती है। फिर चाहे वह पर्सनल लाइफ हो या फिर प्रोफेशनल लाइफ हो। दोनों की हालातों में कॉन्फिडेंस का होना बेहद जरूरी है। अगर आपके पास योग्यता के साथ-साथ सेल्फ कॉन्फिडेंस है, तो आपको कोई हरा नहीं सकता है। इसलिए पढ़ाई के अलावा अलग-अलग एक्टिविटी का भी हिस्सा बनें। जिससे आपका कॉन्फिडेंस स्किल्स बढ़ता जाए। हालांकि यह हम सभी लोग जानते हैं कि कॉरियर बनाने में हमेशा नई-नई टेक्नोलॉजी की मांग होती रहती है। नई तकनीक पुरानी होने से पहले आपको उसके बारे में पूरी तरह से जान लेना चाहिए। साथ ही अपने ज्ञान को बढ़ाते रहना चाहिए। क्योंकि आप जितनी ज्यादा जानकारी रखेंगे, उतना ही आपके कॉरियर को फायदा मिलेगा।

कई लोग कॉरियर बनाने के कारण अपने परिवार से दूर होते जाते हैं। लेकिन ऐसा नहीं करना चाहिए। क्योंकि हमें तनाव मुक्त होकर और खुश रहकर कॉरियर बनाने का प्रयास करना चाहिए।

नौकरी से जुड़ी जानकारी पाने के लिए आपका कॉन्टैक्ट में बने रहना चाहिए। जिससे आपको समय-समय पर कई तरह की जानकारी और कॉरियर बनाने के लिए अलग-अलग टॉपिक्स के बारे में जानकारी मिलती रहती है। इसलिए अपने कॉन्टैक्ट बढ़ाएं और लोगों से कॉरियर से संबंधित जानकारियां एकत्र करते रहें।

कॉरियर के मार्केट में खुद को कीमती समझें और पैसे से बिकने का प्रयास नहीं करना चाहिए। इसके साथ ही अपने काम और टैलेंट पर भरोसा रखें और समय-समय पर अपनी योग्यताओं को लगातार डेवलप करते रहना चाहिए।

अगर आपके पास 40 लाख तक का बजट है, तो आप भारत में सीट मिलने का इंतजार करने के बजाय विदेशी यूनिवर्सिटी से एमबीबीएस सीट बुक कर सकते हैं। क्योंकि विदेश की यूनिवर्सिटी में आवेदन करने के बाद पूरा प्रोसेस होने में 2-3 सप्ताह का समय लग जाता है।

विदेश में एमबीबीएस करने से पहले करें बजट प्लानिंग

जागरुकता की कमी के चलते लाखों की संख्या में ऐसे नीट अभ्यर्थी होते हैं, जो 500 या इससे कम स्कोर लाते हैं। इसके बाद भी वह काउंसिलिंग के लास्ट राउंड तक सीट मिलने का वेट करते हैं। लेकिन अगर आपके पास 40 लाख तक का बजट है, तो आप भारत में सीट मिलने का इंतजार करने के बजाय विदेशी यूनिवर्सिटी से एमबीबीएस सीट बुक कर सकते हैं। क्योंकि विदेश की यूनिवर्सिटी में आवेदन करने के बाद पूरा प्रोसेस होने में करीब 2-3 सप्ताह का समय लग जाता है। ऐसे में आप बिना देर किए बेहतर विदेशी यूनिवर्सिटी चुनकर एमबीबीएस सीट के लिए अप्लाई कर सकते हैं। इसलिए आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको विदेश से एमबीबीएस करने में लगने वाले बजट के बारे में बताने जा रहे हैं।

कैसे करें विदेशी यूनिवर्सिटी का चुनाव

ट्यूशन फीस – 5 साल के लिए
एक साल बाद – वापसी के लिए टिकट
विदेश में रहने का खर्च
भोजन का खर्च
कपड़े या अन्य जरूरी एसेसरीज का खर्च

यदि आप रूस, चीन, कजाकिस्तान, जॉर्जिया, नेपाल, इजिप्ट और बांग्लादेश जैसे देशों से एमबीबीएस करने पर आपकी पढ़ाई से लेकर रहने, खाने और अन्य चीजों को मिलाकर कुल खर्च 25 से 30 लाख के बीच होगा।

मेडिकल सीट्स

इन देशों की तमाम यूनिवर्सिटी में करीब 16,000 मेडिकल सीट्स हैं। हर विश्वविद्यालय की ट्यूशन फीस अलग हो सकती है। ऐसे में स्टूडेंट्स एमबीबीएस के लिए एनएमसी के दिशा-निर्देशों को अच्छे से पढ़ व समझ लें। क्योंकि ये कार्यक्रम 54 महीने की अवधि के गैर-अनुपालन की वजह से भारत में मान्य नहीं हैं। आपका MBBS NMC निर्देशानुसार कम से कम 60 महीने का होना चाहिए।

ऐसे शॉर्टलिस्ट करें यूनिवर्सिटी

विदेश यूनिवर्सिटी में एडमिशन लेने से पहले आप पिछले 3 सालों की कटऑफ और विश्वविद्यालय की ट्यूशन फीस आदि देख सकते हैं। इसके साथ ही भारत के प्राइवेट यूनिवर्सिटी और डीम्ड यूनिवर्सिटी आदि की भी फीस देख सकते हैं। फिर आप अपने बजट, रैंक और ग्रेड के हिसाब से यूनिवर्सिटी चुन सकते हैं।

यूनिवर्सिटीज की ट्यूशन फीस का ऐसे करें भुगतान

फीस का भुगतान सीधे यूनिवर्सिटी के बैंक अकाउंट में करना चाहिए। विदेश से एमबीबीएस करने के लिए किसी एजेंट का सहारा न लें। क्योंकि इससे आप धोखाधड़ी का शिकार हो सकते हैं। आपकी फीस, हॉस्टल और आगमन का शुल्क बंटा होना चाहिए। अन्य सेवाओं के लिए उस देश में पहुंचने के बाद भुगतान करें। वहीं यूनिवर्सिटी द्वारा दिया गया बैंक अकाउंट आपको मिलता है। ऐसे में फीस सीधे उसी अकाउंट में भेजें।

बता दें कि रूस में 2 तरीकों से वार्षिक ट्यूशन फीस विश्वविद्यालय 2 पार्टी और 3 पार्टी अनुबंधों के तहत ली जाती है। 2 पार्टी अनुबंध के तहत यूनिवर्सिटी प्रवेश पत्र के मुताबिक ट्यूशन फीस अपने अकाउंट में जमा करवाता है। वहीं 3 पार्टी अनुबंध के तहत यूनिवर्सिटी एजेंट के जरिए ट्यूशन फीस वसूलती है।

पहले साल का बजट

ऐसे में अगर आप भी विदेश से एमबीबीएस की पढ़ाई करने का मन बना रहे हैं, तो पहले साल के खर्चों का बजट जैसे छात्रावास खर्च, आगमन के बाद की सेवाएं, ट्यूशन फीस, हवाई टिकट, वीजा, भारतीय भोजन पैकेज (अगर कोई हो), परामर्श शुल्क कोचिंग आदि तैयार रखें। पहले साल में आपका खर्च 8-10 लाख के बीच आता है। वहीं अगर कोई स्टूडेंट जॉर्जिया से एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहा है, तो पहले साल में 10-12 लाख रुपए की जरूरत होगी।

जरूरी टिप्स

- विदेशी यूनिवर्सिटी से एमबीबीएस करने से पहले अपना बजट योजना अच्छे से तैयार कर लें। वहीं अकादमिक सत्र शुरू होने के पहले अप्लाई करें।
- रूस और जॉर्जिया की यूनिवर्सिटी में अक्तूबर महीने में आवेदन हो जाना चाहिए। वरना अगले साल के एमबीबीएस सीट दाखिला सत्र के लिए ट्रांसफर कर दिया जाएगा।
- एजेंट द्वारा एमबीबीएस सीट बुक करने के दौरान कभी भी 3 पार्टी समझौते पर हस्ताक्षर न करें। बल्कि सीधे यूनिवर्सिटी के बैंक अकाउंट में फीस जमा करें।
- विदेश की टॉप यूनिवर्सिटीज में जल्दी सीटें बुक हो जाती हैं, इसलिए आवेदन में देरी न करें।

पायलट बन चमकाएं कॉरियर

वर्तमान समय में एविएशन इंडस्ट्री में तेजी से ग्रोथ हो रही है। साथ ही इस फील्ड में अवसरों की भरमार है। ऐसे में आप इस फील्ड में कॉरियर बनाकर अपने भविष्य को एक नई दिशा दे सकते हैं।

अक्सर आसमान में उड़ते हवाई जहाज को देखकर लोगों के मन में आसमान मापने का सपना होता है। अधिकतर लोग पायलट बनकर आसमान में ऊंची उड़ान भरने का सपना देखते हैं। हालांकि आज के समय में कॉरियर के लिहाज से युवाओं के पास कई तरह के ऑप्शन होते हैं। जिसमें वह डिग्री, डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स कर आगे बढ़ सकते हैं। तो वहीं कई युवा ऐसे में हैं, जो पायलट बनने का ख्वाब देखते हैं। अगर आपका लक्ष्य क्लियर होता है, तो आपको सिर्फ इस ओर बढ़ने की जरूरत होती है। ऐसे में अगर आप भी पायलट बनकर अपना भविष्य चमकाना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस फील्ड में बारे में जानकारी देने जा रहे हैं। वर्तमान समय में एविएशन इंडस्ट्री में तेजी से ग्रोथ हो रही है। साथ ही इस फील्ड में अवसरों की भरमार है।

ऐसे करें पायलट बनने की तैयारी

पायलट बनने के लिए आपको 12वीं में फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ्स के साथ कम से कम 50 फीसदी अंकों से पास होना चाहिए। जिसके बाद आपको किसी एविएशन संस्थान में एडमिशन के लिए एंट्रेंस एग्जाम पास करना होगा। फिर आपको इंटरव्यू और मेडिकल टेस्ट में पास होना होता है। सभी प्रोसेस में सफल होने के बाद संस्थान में एडमिशन मिलता है। जहां पर आपको प्लेन से जुड़ी बारीकियां सिखाने के साथ प्लेन उड़ाने की पूरी ट्रेनिंग दी जाएगी।

एयरफोर्स में बनें पायलट

अगर आप इंडियन एयरफोर्स में पायलट बनने का ख्वाब देख रहे है, तो आपको 12वीं पास करने के बाद एयरफोर्स कॉमन एडमिशन टेस्ट, एनसीसी स्पेशल एंट्री स्कीम एग्जाम और यूपीएससी एनडीए एग्जाम क्लियर करना होगा। जिसके बाद इंडियन एयरफोर्स कैडिडेट्स को ट्रेनिंग देती है। वहीं इंडियन एयरफोर्स में पायलट बनने के लिए आप कंबाइंड डिफेंस सर्विसेज एग्जाम भी दे सकते हैं। हालांकि इस एग्जाम के लिए आपको साइंस स्ट्रीम से 12वीं या फिर बीई/बीटेक की डिग्री होनी चाहिए।

कमर्शियल पायलट

बता दें कि 12वीं की पढ़ाई के बाद आप एविएशन संस्थान से ट्रेनिंग लेकर बतौर कॉमर्शियल पायलट अपना कॉरियर बना सकते हैं। इसके लिए ट्रेनिंग पीरियड 18-24 महीने का होता है। फिर कमर्शियल पायलट के लिए आपको रिटेन एग्जाम और फिटनेस टेस्ट देना होता है। इन दोनों चीजों को क्लीयर करने के बाद आपको कमर्शियल पायलट बनने की योग्यता हासिल हो जाती है।

संक्षिप्त समाचार

ईरान ने कुवैत-बहरीन पर दागीं मिसाइलें, अमेरिका ने ध्वस्त किए तेहरान के रडार

वॉशिंगटन, एजेंसी। ईरान के अर्द्धसैनिक बल रिवोल्यूशनरी गार्ड ने कहा कि उसने कुवैत में

अमेरिकी सैनिकों की मौजूदगी वाले अली अल सलेम एयरबेस व बहरीन स्थित अमेरिकी नौसेना के 5वें बेड़े को निशाना बनाया है। बहरीन ने हमलों की कड़ी निंदा की है। वहीं, ईरान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि शनिवार तड़के अमेरिका ने केशम द्वीप और सिरिक के पास मौजूद निगरानी ठिकानों पर हमला किया। तेहरान ने इस हमले को नाजुक संघर्षविराम का उल्लंघन बताया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि ईरान की ज्यादातर ड्रोन व मिसाइल निर्माण सुविधाएं तबाह हो चुकी हैं। ट्रंप ने एनबीसी न्यूज के कार्यक्रम में कहा, उनके पास 21-22 प्रतिशत मिसाइलें बची हैं। ये बहुत सारी मिसाइलें हैं, पर उतनी नहीं हैं जब हमने पहली बार हमला किया था। ट्रंप ने बैक चैनल वार्ता से उम्मीदें जताईं और कहा कि इसमें प्रगति हो रही है। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने ईरान के संवर्धित यूरेनियम के भंडार को वहां से निकालने के लिए अमेरिकी सैनिक भेजने की एक सैन्य योजना पर विचार किया था, लेकिन उसे खारिज कर दिया। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई के सैन्य सलाहकार मोहसेन रेजाई ने इस्लामिक रिपब्लिक के 47 साल के इतिहास में तेहरान की पहली सैन्य जीत का दावा किया है। रेजाई ने 24 अरब डॉलर की ईरानी संपत्ति को जारी करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि अगर जंग फिर से शुरू होती है, तो अमेरिका अंधेरे गलियारे में प्रवेश कर जाएगा जहां उसे कोई अंत दिखाई नहीं देगा। अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष विराम के टूटने का खतरा बढ़ गया है। नाजुक संघर्ष विराम के बीच दोनों देशों ने एक-दूसरे के ठिकानों पर हमले किए हैं। ईरान ने जहां कुवैत व बहरीन पर सात बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं, वहीं अमेरिका ने हमला कर तेहरान के रडारों को उड़ा दिया। अमेरिकी सेना ने कहा कि उसने शुक्रवार को ईरान की ओर से होर्मुज जलमार्ग के खाड़ी के अरब देशों की ओर छोड़ी गई मिसाइलों व ड्रोन को मार गिराया। हमले के जवाब में ईरान के कुछ तटीय निगरानी रडार ठिकानों पर हमले किए गए। अमेरिकी सेना ने इस जवाबी हमले का वीडियो भी जारी किया है। अमेरिकी सेंट्रल कमान ने बताया कि ईरान ने कुवैत व बहरीन पर 7 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। इनमें से छह को अमेरिकी सेना ने रोक लिया, जबकि सातवीं लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाई। सेना ने कहा कि अमेरिकी कर्मियों को कोई क्षति नहीं पहुंची है। इससे पहले ईरान ने होर्मुज की ओर चार ड्रोन छोड़े थे जिन्हें मार गिराया गया था। कुवैत ने कहा कि उसके सुरक्षा बल देश पर हो रहे मिसाइल व ड्रोन हमलों को निष्क्रिय कर रहे हैं।

भारतीय समुदाय को निशाना बनाने वाली ऑनलाइन सामग्री ब्लॉक करने का आदेश

सिंगापुर, एजेंसी। भारत में सिंगापुर के उच्चायोग ने शनिवार को घोषणा की कि उनकी

सरकार ने सोशल मीडिया साइटों को भारतीय समुदाय को निशाना बनाने वाली सामग्री को ब्लॉक करने का आदेश दिया है। यह सामग्री संभवतः चीन से उत्पन्न हुई थी। सिंगापुर के गृह मंत्रालय के बयान के अनुसार, ऑनलाइन आपराधिक नुकसान अधिनियम 2023 के तहत पुलिस बल ने यूट्यूब, फेसबुक और एक्स पर सामग्री के लिए 'अक्षम करने के निर्देश' जारी किए हैं। ये निर्देश सिंगापुर के बहुसंस्कृतिवाद मॉडल को कमजोर करने वाली सामग्री से निपटने के लिए हैं। पिछले महीने चीनी सूचना क्षेत्र में सिंगापुर की सांस्कृतिक पहचान पर चिंता संबंधी बातें प्रसारित हुई। इसके बाद ऑनलाइन सामग्री में सिंगापुर की विविधता पर भड़काऊ बातें सामने आईं।

पीएम मोदी का दिया हीरा अपने पास रखना चाहती थीं जिल बाइडन, लेकिन इस वजह से अमेरिकी सरकार को लौटाना पड़ा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की पूर्व प्रथम महिला डॉ. जिल बाइडन ने कहा है कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उपहार में दिए गए हीरे को अपने पास रखना चाहती थीं, लेकिन उसकी अधिक कीमत के कारण उन्होंने उसे संघीय सरकार को लौटा दिया। अपनी आत्मकथा 'द्यू फ्रॉम द ईस्ट विंग: ए मेमोइर' में बाइडन ने व्हाइट हाउस के जीवन और अमेरिका के प्रथम परिवार को मिलने वाले उपहारों से जुड़े सख्त नियमों का विस्तार से वर्णन किया है। यह पुस्तक इसी सप्ताह बाजार में आई है।

बाइडन को सबसे अधिक याद रहने वाले उपहारों में एक 7.5 कैरेट का लैब-ग्रोन डायमंड भी शामिल है, जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने उनकी वॉशिंगटन स्थित राजकीय यात्रा के दौरान भेंट किया था। बाइडन लिखती हैं, 'कभी-कभी उपहार के रूप में छोटी-छोटी चीजें मिलती थीं, जैसे फूल या शराब, लेकिन कभी-कभी बड़ी चीजें भी मिलती थीं। इनमें 7.5 कैरेट का वह लैब-ग्रोन डायमंड भी शामिल था, जो भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी राजकीय यात्रा के दौरान मुझे दिया था। यह रत्न प्रयोगशाला में निर्मित हीरों के क्षेत्र में अग्रणी बनने के भारत के प्रयासों का प्रतीक था'।

हीरे को लेकर क्या थी जिल बाइडन की योजना

बाइडन आगे लिखती हैं, 'यह हीरा बेहद खूबसूरत था। अमेरिकी नैतिक नियमों के अनुसार यह उपहार व्यक्तिगत रूप से मेरा नहीं था। तकनीकी रूप से यह मुझे नहीं, बल्कि प्रथम महिला के पद को दिया गया था, इसलिए यह संघीय सरकार की संपत्ति माना गया'। उन्होंने बताया कि एक निश्चित मूल्य से अधिक के उपहारों की सरकारी अधिकारियों द्वारा समीक्षा की जाती है और उनका रिकॉर्ड रखा जाता है। ऐसे उपहारों को प्राप्त करने वाला व्यक्ति उनके उचित बाजार मूल्य का भुगतान कर उन्हें खरीद सकता है। प्रधानमंत्री मोदी के उपहार के मामले में उन्होंने शुरुआत में ऐसा करने पर विचार किया था।

बाइडन लिखती हैं, 'प्रधानमंत्री ने कहा था कि यह उनके गृहनगर में 2,500 डॉलर में हस्तनिर्मित किया गया था। उनके पास इसकी रसीद भी थी। मैंने सोचा था कि शायद मैं इसे खरीद लूं। लेकिन बाद में विदेश विभाग ने इसकी कीमत 20,000 डॉलर आंकी, इसलिए मैंने इसे नहीं खरीदा'। उन्होंने आगे लिखा, 'मुझे बताया गया कि मैं इसे अपने कार्यालय में प्रदर्शित कर सकती हूं या पहनने के लिए उधार ले सकती हूं। इसलिए मैंने इसे अंगूठी में जड़वा लिया और आधिकारिक समारोहों में पहनती थी। यह व्यवस्था केवल व्हाइट हाउस में मेरे कार्यकाल तक ही रही। पद छोड़ने के बाद मैंने इसे वापस कर दिया। अंगूठी को अन्य अनगिनत राष्ट्रपति उपहारों के साथ एक गोदाम में रख दिया गया, जिनमें से कई को बाद में नष्ट कर दिया गया'।

यह संस्मरण इस घटना के माध्यम से व्हाइट हाउस के जीवन से जुड़े उन वित्तीय और नैतिक नियमों को रेखांकित करता है, जिन्हें अक्सर लोग ठीक से नहीं समझ पाते। बाइडन लिखती हैं कि आधिकारिक आवास, कार्यक्रमों और उपहारों से जुड़े विस्तृत नियमों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सार्वजनिक पदों पर बैठे लोग सरकारी संसाधनों या विदेशी उपहारों से व्यक्तिगत लाभ न उठा सकें। बाइडन ने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा दिए गए हीरे की तुलना फ्रांस की प्रथम महिला ब्रिगिट मैक्रों द्वारा दिए गए एक कंगन से की है। इस कंगन का उनके लिए भावनात्मक महत्व था, इसलिए उन्होंने सरकार से इसे खरीद लिया ताकि पद छोड़ने के बाद भी वह इसे अपने पास रख सकें। बाइडन लिखती हैं, 'मैंने विदेश विभाग को भुगतान किया ताकि पद छोड़ने के बाद भी मैं इसे अपने पास रख सकूं। मैं इसे आज भी हर दिन पहनती हूं'। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान मिले अन्य उपहारों का भी उल्लेख किया है। इनमें 'यूक्रेन द्वारा बम के छर्रों से बनाया गया एक बोल्ट' भी शामिल है, जिसकी कीमत अधिकारियों ने 14,063 डॉलर आंकी थी।

उत्तर कोरिया ने अमेरिका को दी खुली चुनौती, किम जोंग उन की बहन बोलीं- परमाणु हथियार नहीं छोड़ेंगे

अमेरिका की परमाणु निरस्त्रीकरण की मांग को पुराना और अव्यावहारिक सपना

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरिया ने एक बार फिर अमेरिका को खुली चुनौती देते हुए साफ कर दिया है कि वह अपने परमाणु हथियार कार्यक्रम को बंद नहीं करेगा। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने अमेरिका की परमाणु निरस्त्रीकरण की मांग को पुराना और अव्यावहारिक सपना बताया। उन्होंने कहा कि अमेरिका और उसके सहयोगी देशों से मिल रहे खतरे के बीच उत्तर कोरिया लगातार अपने परमाणु हथियारों को मजबूत करेगा। इस बयान ने एक बार फिर कोरियाई प्रायद्वीप में तनाव बढ़ा दिया है।

किम जोंग उन की बहन और उत्तर कोरिया की वरिष्ठ नेता किम यो जोंग ने कहा कि उत्तर कोरिया को परमाणु शक्ति राष्ट्र के रूप में मान्यता मिल चुकी है और अमेरिका की तरफ से इसे बदलने की कोशिश का कोई कानूनी महत्व नहीं है। उन्होंने अमेरिका के उस दावे को भी खारिज कर दिया जिसमें कहा गया था कि अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने उत्तर कोरिया के परमाणु निरस्त्रीकरण पर सहमति जताई है। उन्होंने कहा कि अमेरिका अभी भी पुराने दौर की सोच में फंसा हुआ है। उत्तर कोरिया अब पीछे हटने वाला नहीं है और अपनी सुरक्षा के लिए परमाणु ताकत बढ़ाता रहेगा।

आखिर उत्तर कोरिया परमाणु ताकत क्यों बढ़ा रहा है?

उत्तर कोरिया लगातार अपने परमाणु हथियार और मिसाइल कार्यक्रम को मजबूत कर रहा है। साल 2019 में ट्रंप और किम जोंग उन के बीच बातचीत विफल होने के बाद उत्तर

कोरिया ने हथियार कार्यक्रम को और तेज कर दिया था। हाल ही में किम जोंग उन ने एक परमाणु सामग्री उत्पादन संयंत्र का दौरा किया था। वहां उन्होंने कहा था कि देश की परमाणु ताकत को तेजी से कई गुना बढ़ाया जाएगा। रविवार को उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया ने बताया कि किम जोंग उन ने एक हथियार फैक्ट्री का भी दौरा किया और मिसाइल उत्पादन क्षमता को ढाई गुना बढ़ाने का आदेश दिया।

चीन और रूस की भूमिका क्यों अहम मानी जा रही है?

यह बयान ऐसे समय आया है जब चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग उत्तर कोरिया के दौरे पर जाने वाले हैं। माना जा रहा है कि चीन इस दौरे के जरिए उत्तर कोरिया पर अपना प्रभाव फिर मजबूत करना चाहता है। विशेषज्ञों का मानना है कि चीन सीधे परमाणु निरस्त्रीकरण का मुद्दा नहीं उठाएगा बल्कि आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर जोर देगा। दूसरी तरफ उत्तर कोरिया रूस के और करीब जाता दिख रहा है। अमेरिका और दक्षिण कोरिया का आरोप है कि उत्तर कोरिया ने रूस को यूक्रेन युद्ध में मदद के लिए हथियार और सैनिक भेजे हैं। इसके बदले रूस से उसे आर्थिक और सैन्य सहायता मिल रही है।

अमेरिका और दक्षिण कोरिया पर क्या आरोप लगाए गए?

किम यो जोंग ने अमेरिका और दक्षिण कोरिया पर लगातार हथियार बढ़ाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि दोनों देश सैन्य दबाव बनाकर उत्तर कोरिया को डराने की कोशिश कर रहे हैं। इसी वजह से उत्तर कोरिया अपनी परमाणु क्षमता को और मजबूत कर रहा है। विशेषज्ञ मानते हैं कि उत्तर कोरिया अब खुद को स्थायी परमाणु शक्ति के रूप में स्थापित करना चाहता है। उसका मकसद अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध हटवाना और वैश्विक स्तर पर राजनीतिक मान्यता हासिल करना है।

ओहायो फेस्टिवल के पास ताबड़तोड़ फायरिंग से दहशत, 12 घायल; मामले की जांच तेज

टोलेडो (ओहायो), एजेंसी। अमेरिका के ओहायो राज्य के टोलेडो शहर में एक सामुदायिक फेस्टिवल के पास हुई गोलीबारी ने पूरे इलाके में दहशत फैला दी। ओल्ड वेस्ट एंड फेस्टिवल के दौरान अचानक चली गोलियों से लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। इस घटना में कम से कम 12 लोग घायल हुए हैं, जिनमें दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने बताया कि हमलावरों की तलाश जारी है और मामले की जांच तेज कर दी गई है।

टोलेडो पुलिस के अनुसार यह घटना शनिवार शाम उस समय हुई जब ओल्ड वेस्ट एंड फेस्टिवल में बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। यह दो दिवसीय आयोजन शहर के ऐतिहासिक इलाके में हर साल आयोजित किया जाता है, जिसमें लाइव म्यूजिक, खाने-पीने के स्टॉल, खरीदारी और सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक अचानक गोलियों की आवाज सुनाई दी और देखते ही देखते पूरा इलाका अफरा-तफरी में बदल गया। लोग जमीन पर लेट गए और कई लोग जान बचाने के लिए भागते नजर आए। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में लोग चीखते और दौड़ते दिखाई दिए। टोलेडो पुलिस के डिप्टी चीफ जो हेफरनन ने बताया कि कम से कम 12 लोग घायल हुए हैं। इनमें दो लोगों की हालत बेहद गंभीर है। पुलिस का मानना है कि कम से कम दो लोग एक-दूसरे पर गोलियां चला रहे थे।

पुलिस ने पूरे इलाके को घेर लिया है और संदिग्धों की तलाश जारी है। अधिकारियों का कहना है कि अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और गवाहों से पूछताछ की जा रही है। फेस्टिवल में मौजूद केविन बेरी ने बताया कि वह अपने दोस्तों के साथ लाइव म्यूजिक सुन रहे थे तभी अचानक कई गोलियों की आवाज आई। उन्होंने कहा कि लोग तुरंत जमीन पर लेट गए। कुछ देर बाद उन्होंने एक बंदूक को पास में गिरते देखा।

केविन बेरी अमेरिकी नौसेना में रह चुके हैं और उन्हें मेडिकल ट्रेनिंग भी मिली हुई है। उन्होंने घायल लोगों की मदद करने की कोशिश की। उनके अनुसार कम से कम पांच लोग गोली लगने से घायल दिखाई दिए। उन्होंने बताया कि घायल लोग अलग-अलग जगहों पर पड़े थे और भीके पर भारी अफरा-तफरी थी। ओहायो के गवर्नर माइक डिवाइन ने घटना पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि गर्मियों के फेस्टिवल परिवारों के लिए सुरक्षित जगह होने चाहिए, जहां लोग बिना डर के समय बिता सकें। उन्होंने पुलिस और राहत टीमों को तेजी से कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

यह घटना ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका में सार्वजनिक जगहों पर गोलीबारी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। स्कूल, मॉल, फेस्टिवल और सार्वजनिक कार्यक्रमों में हो रही फायरिंग ने सुरक्षा व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप ने पूर्व एनएसए को बताया बुरा और भ्रष्ट इंसान, बोले- बेईमानी की कीमत चुका रहे जॉन बोल्टन

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन पर तीखा हमला किया है। ट्रंप ने बोल्टन को एक बुरा और भ्रष्ट आदमी करार दिया है। उन्होंने कहा कि बोल्टन अपनी बेईमानी की सजा भुगत रहे हैं। शनिवार को चिपेवा फॉल्स की यात्रा के दौरान एयरफोर्स वन विमान में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने बोल्टन की जमकर आलोचना की।

ट्रंप ने कहा कि जॉन बोल्टन एक बेईमान इंसान हैं और वह बिल्कुल भी समझदार नहीं हैं। ट्रंप के मुताबिक, बोल्टन को युद्ध करने का बहुत शौक था। वह हर उस व्यक्ति के खिलाफ युद्ध छेड़ना चाहते थे जो उनके सामने बोलता था। उन्होंने यह भी कहा कि वह कभी बोल्टन के प्रशंसक नहीं रहे और उन्हें केवल एक खास उद्देश्य के लिए काम पर रखा था।

ट्रंप ने दावा किया कि बोल्टन ने पूर्व राष्ट्रपति बुश के समय भी बहुत सी समस्याएं खड़ी की थीं। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि बोल्टन की युद्ध वाली सलाहों से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता था क्योंकि वह कभी उनकी बात नहीं सुनते थे। ट्रंप ने बोल्टन की किताब का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने सारी जानकारी ली और उसका गलत इस्तेमाल किया। ट्रंप ने कहा कि बोल्टन को पकड़ लिया गया है और अब वह अपनी बेईमानी की कीमत चुका रहे हैं। इस बीच, जॉन बोल्टन पर कानूनी शिकंजा कसता जा रहा है। सूत्रों के हवाले से खबर है कि बोल्टन गोपनीय दस्तावेजों को गलत तरीके से रखने के मामले में अपना दोष स्वीकार कर सकते हैं। उन पर राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े बेहद संवेदनशील दस्तावेजों को अवैध रूप से अपने पास रखने का एक गंभीर आरोप है। इस मामले में बोल्टन 20 लाख अमेरिकी डॉलर से अधिक का जुर्माना देने पर सहमत हुए हैं। मैरीलैंड के सरकारी वकीलों ने बोल्टन पर आरोप लगाया है कि उन्होंने ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान की डायरी के पन्ने अपने घर में छिपाकर रखे थे। अगर वह दोषी पाए जाते हैं, तो उन्हें 0 से लेकर 60 महीने तक की जेल हो सकती है।

अब जब्त ईरानी फंड से युद्ध का हिसाब चुकाने की तैयारी में अमेरिका, ट्रंप ने बनाया बड़ा प्लान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव अब नए मोड़ पर पहुंच गया है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग अब उन ईरानी संपत्तियों का इस्तेमाल करने की तैयारी कर रहा है, जिन्हें प्रतिबंधों के तहत जब्त किया गया था। इन पैसों से खाड़ी देशों में युद्ध और हमलों से हुए नुकसान की भरपाई करने की योजना बनाई जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप प्रशासन चाहता है कि ईरान अपने हमलों से हुए नुकसान की आर्थिक कीमत भी चुकाए। इस बीच होर्मुज जलडमरूमध्य से लेकर लेबनान तक हालात लगातार विस्फोटक बने हुए हैं। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग की योजना है कि जब्त ईरानी संपत्तियों का इस्तेमाल खाड़ी देशों के पुनर्निर्माण में किया जाए। इसमें सऊदी अरब, कतर, बहरीन, कुवैत और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश शामिल हैं, जिन्हें हाल के महीनों में ईरानी ड्रोन और मिसाइल हमलों का सामना करना पड़ा। रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट से अधिकारियों को निर्देश दिया है कि खाड़ी देशों से यह आकलन लिया जाए कि युद्ध में हुए नुकसान की मरम्मत के लिए कितनी रकम की जरूरत होगी। इसके बाद यह देखा जाएगा कि जब्त ईरानी संपत्तियों को कानूनी रूप से इस्तेमाल किया जा सकता है या नहीं। अमेरिका अभी यह तय नहीं कर पाया है कि किन संपत्तियों का उपयोग किया जाएगा। इसमें विदेशी बैंकों में जमा ईरानी फंड, तेल टैंकर और अन्य संपत्तियां शामिल हो सकती हैं। ट्रंप प्रशासन का मानना है कि ईरान को क्षेत्रीय हिंसा और अस्थिरता की कीमत चुकानी चाहिए। दूसरी तरफ ईरान लगातार कह रहा है कि किसी भी समझौते से पहले उसके अरबों डॉलर के फंड को जारी किया जाए और प्रतिबंध हटाए जाएं। बताया जा रहा है कि ईरान करीब 24 अरब डॉलर की जमी हुई संपत्तियों को छुड़ाने की मांग कर रहा है। तनाव उस समय और बढ़ गया जब अमेरिकी सेना ने शनिवार तड़के ईरान के गोरोख और क्रेश्म द्वीप स्थित रडार ठिकानों पर हमला किया। अमेरिकी सेना का कहना है कि यह कार्रवाई होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यापारिक जहाजों के लिए खतरा बने ईरानी ड्रोन को रोकने के लिए की गई। इसके जवाब में ईरान ने कुवैत और बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल दाग दीं। कुवैत के अनुसार सात बैलिस्टिक मिसाइल आबादी वाले इलाकों के ऊपर से गुजरीं, जिससे कुछ इमारतों को नुकसान हुआ। हालांकि किसी की मौत नहीं हुई। बहरीन में भी सायरन बजाकर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने को कहा गया। अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम की कोशिशें जारी हैं, लेकिन जमीन पर हालात सुधरते नहीं दिख रहे।

ट्रंप की टेक टीम को बड़ा झटका, व्हाइट हाउस के सलाहकार श्रीराम कृष्णन देंगे इस्तीफा

वाशिंगटन, एजेंसी। व्हाइट हाउस में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नीति के प्रमुख सलाहकार रहे भारतीय मूल के श्रीराम कृष्णन जून के अंत में अपना पद छोड़ देंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के कार्यकाल में एआई रणनीति तैयार करने में अहम भूमिका निभाने वाले कृष्णन ने खुद सोशल मीडिया पर अपने इस्तीफे की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अब वह अमेरिका के सामने एआई से जुड़े बड़े मुद्दों पर नए स्तर पर काम करेंगे। उनके इस्तीफे को ट्रंप प्रशासन की टेक नीति के लिए बड़ा घटनाक्रम माना जा रहा है।

श्रीराम कृष्णन ने कहा कि व्हाइट हाउस में काम करना उनके जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा। उन्होंने कहा कि वह जून के आखिर में अपना पद छोड़ देंगे और कुछ समय के ब्रेक के बाद अमेरिका और उसके सहयोगी देशों के लिए एआई से जुड़े बड़े संस्थागत काम करेंगे। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व के बिना अमेरिका एआई की वैश्विक दौड़ में आगे नहीं होता। कृष्णन ने अपने 18 महीने के कार्यकाल को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि उन्होंने अमेरिकी एआई एक्शन प्लान तैयार करने में अहम भूमिका निभाई। इसके साथ ही उन्होंने एआई एक्सेलेरेशन पार्टनरशिप, राष्ट्रीय एआई नीति फ्रेमवर्क और

एआई से जुड़े कई अंतरराष्ट्रीय समझौतों पर काम किया। उन्होंने फ्रांस, भारत, ब्रिटेन और मध्य पूर्व में आयोजित एआई बैठकों का भी जिक्र किया।

श्रीराम कृष्णन ट्रंप प्रशासन की उस टीम का हिस्सा थे जिसने अमेरिका में एआई सेक्टर के विस्तार के लिए रोडमैप तैयार किया। उन्होंने डेटा सेंटर बढ़ाने, एआई निवेश को आसान बनाने और नियमों में ढील देने जैसी नीतियों पर काम किया। माना जाता है कि उन्होंने राज्यों के एआई रेगुलेशन अधिकार सीमित करने वाले प्रस्तावित आदेश को तैयार करने में भी भूमिका निभाई थी। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता कुश देसाई ने कहा कि श्रीराम कृष्णन ने अपने निजी करियर को छोड़कर अमेरिका की तकनीकी ताकत को मजबूत करने के लिए बड़ा योगदान दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिका को टेक्नोलॉजी और इनोवेशन में वैश्विक नेतृत्व दिलाने में कृष्णन की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रही।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप लगातार एआई सेक्टर को अमेरिका की रणनीतिक ताकत बता रहे हैं। चीन के साथ बढ़ती तकनीकी प्रतिस्पर्धा के बीच अमेरिका एआई, डेटा सेंटर, चिप निर्माण और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर पर तेजी से निवेश कर रहा है। श्रीराम कृष्णन इसी रणनीति के प्रमुख चेहरों में शामिल थे। कृष्णन ने अपने बयान में कहा कि आने वाले समय में ऊर्जा, डेटा सेंटर और आम लोगों तक एआई के फायदे पहुंचाना सबसे बड़ी चुनौती होगी। उन्होंने कहा कि इन मुद्दों पर अमेरिका और उसके सहयोगी देशों को मिलकर काम करना होगा। यही वजह है कि अब वह नए संस्थानों के जरिए इस दिशा में योगदान देना चाहते हैं।

श्रीराम कृष्णन ने साफ किया कि वह सार्वजनिक जीवन से दूर नहीं जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह एआई से जुड़े बड़े मुद्दों पर काम जारी रखेंगे। हालांकि उन्होंने अपने अगले प्रोजेक्ट या संस्था का खुलासा नहीं किया। टेक जगत में माना जा रहा है कि वह हू हू नीति, निवेश और वैश्विक टेक सहयोग से जुड़े किसी बड़े प्लेटफॉर्म की शुरुआत कर सकते हैं। उन्होंने अपने सहयोगियों, ट्रंप प्रशासन के वरिष्ठ नेताओं और अपनी पत्नी का भी धन्यवाद किया।

भारत में घटती जन्म दर पर एलन मस्क ने जताई चिंता, रिप्लेसमेंट लेवल से नीचे पहुंचा आंकड़ा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने भारत की घटती जन्म दर को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने कहा है कि भारत की जन्म दर अब रिप्लेसमेंट लेवल से नीचे पहुंच चुकी है, जो लंबे समय में जनसंख्या संरचना पर बड़ा प्रभाव डाल सकती है। एलन मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट को साझा करते हुए यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि भारत की जन्म दर कई साल पहले ही शिक्षित वर्ग में रिप्लेसमेंट लेवल से नीचे आ चुकी है। मस्क ने जिस डेटा का हवाला दिया, उसमें कहा गया है कि भारत की कुल प्रजनन दर घटकर लगभग 1.9 पर आ गई है, जबकि रिप्लेसमेंट लेवल 2.1 माना जाता है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि देश की राजधानी दिल्ली में फर्टिलिटी रेट घटकर करीब 1.2 तक पहुंच गई है, जो कई विकसित देशों से भी कम मानी जा रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, शहरी क्षेत्रों में शिक्षा, जीवनशैली और आर्थिक कारणों से परिवार का आकार लगातार छोटा हो रहा है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की स्टेट ऑफ वर्ल्ड पॉपुलेशन रिपोर्ट 2025 में भी बताया गया है कि भारत की फर्टिलिटी रेट 2.1 से नीचे गिरकर 1.9 पर आ चुकी है।

चंडीगढ़ टेस्ट में अफगानिस्तान की पारी लड़खड़ाई

डेब्यू मैच में मानव सुथार ने लिए 3 विकेट

● भारतीय पारी 564/8 पर घोषित, अफगानिस्तान 113 /5

न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)। अफगानिस्तान के खिलाफ न्यू चंडीगढ़ में खेले जा रहे टेस्ट में भारतीय टीम पूरी तरह हावी हो गई है। उसने पहली पारी 8 विकेट पर 564 रन बनाकर घोषित की। रविवार को मैच का दूसरा दिन है और आखिरी सेशन जारी है। अफगानिस्तान ने 5 विकेट पर 113 रन बना लिए हैं। रहमत शाह और अफसर जजई क्रीज पर हैं। प्रसिद्ध कृष्णा ने हश्मतुल्लाह शाहिदी (20) और सेदीकुल्लाह अटल (17) को आउट किया। वहीं, मानव सुथार ने रहमानुल्लाह गुरबाज (12) को स्लिप में साई सुदर्शन के हाथों कैच कराया। इससे पहले उन्होंने अपने डेब्यू मैच के पहले ही ओवर में अब्दुल मलिक को कैच आउट कराया। मैच का स्कोरबोर्ड अफगानिस्तान की ओर से सलीम साफी की गेंदबाजी सबसे खास रही. अपने पिछले चार अंतरराष्ट्रीय मैचों में कोई विकेट न लेने वाले इस तेज गेंदबाज ने भारतीय बल्लेबाजों को

29 साल बाद किसी भारतीय को डेब्यू टेस्ट के पहले ओवर में विकेट

चंडीगढ़ टेस्ट में डेब्यू करने वाले भारतीय लेफ्ट आर्म स्पिनर मानव सुथार ने मैच में अपने पहले ही ओवर में विकेट ले लिया। उन्होंने अपने पहले ओवर की चौथी गेंद पर अफगानिस्तान के ओपनर अब्दुल मलिक को मोहम्मद सिराज के हाथों कैच कराया।

गिल और राहुल के शतक, 3 बैटर्स ने फिफ्टी लगाई

कप्तान शुभमन गिल ने सबसे ज्यादा 126 रन बनाए। ओपनर केएल राहुल ने 100 रन की पारी खेली। ऋषभ पंत और साई सुदर्शन ने 81-81 रन बनाए। वॉशिंगटन सुंदर 52 और कुलदीप यादव 9 रन बनाकर नाबाद रहे।डेब्यू मैच खेल रहे मानव सुथार ने 28, यशस्वी जायसवाल ने 24 और ध्रुव जुरेल ने 19 रन बनाए। मोहम्मद सिराज ने 12 गेंदों पर 22 रन बनाए। अफगानिस्तान की ओर से मोहम्मद सलीम सफी ने 6 विकेट लिए। जियाउर रहमान और हश्मतुल्लाह शाहिदी को एक-एक विकेट मिला।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

- **भारत :** केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन, शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल, वाशिंगटन सुंदर, मानव सुथार, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा.
- **अफगानिस्तान :** सेदिकुल्लाह अटल, रहमानुल्लाह गुरबाज, अब्दुल मलिक, रहमत शाह, हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), अफसर जजई (डब्ल्यू), अजमतुल्लाह उमरजई, शराफुद्दीन अशरफ, नांगेयालिया खारोटे, जियाउर रहमान शरीफी, मोहम्मद सलीम सफी।

19 साल की मीरा आंद्रीवा बनीं चैंपियन

पेरिस (एजेंसी)। रुसी महिला खिलाड़ी मीरा आंद्रीवा ने फ्रेंच ओपन 2026 का टाइटल जीतकर इतिहास रच दिया है. उन्होंने सिर्फ 19 साल की उम्र में ही ये बड़ा टाइटल अपने नाम किया है. जिसके साथ वो 1992 के बाद पेरिस में सबसे कम उम्र की चैंपियन बनने का रिकॉर्ड बनाया। शनिवार को पेरिस के स्टेड रोलैंड-गैरॉस में खेले गए महिला सिंगल्स फाइनल में मीरा आंद्रीवा ने पोलैंड की माजा चवालिनस्का को 6-3, 6-2 से हराकर अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता। इस जीत के साथ, मीरा आंद्रीवा 1992 में मोनिका सेलेस के बाद पेरिस में सबसे कम उम्र की महिला सिंगल्स चैंपियन बन गईं. यह जीत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आंद्रीवा की तेजी से बढ़ती सफलता में एक और अहम पड़ाव है। एक घंटे 22 मिनट में जीत पक्की करने के बाद, भावुक आंद्रीवा जश्न में कोर्ट पर गिर पड़ीं और फिर अपनी कोच कोंचिता मार्टिनेज को गले लगाया. पूर्व वर्ल्ड नंबर 2 और 1994 की विंबलडन चैंपियन मार्टिनेज ने आंद्रीवा के खेल को निखारने में अहम भूमिका निभाई है। ट्रॉफी सेरेमनी के दौरान आंद्रीवा ने कहा, 'मैं बहुत छोटी उम्र से ही टीवी पर रोलैंड-गैरॉस देखती आ रही हूं. इस टूर्नामेंट को जीतना हमेशा से मेरा सपना रहा है।

दूसरी सबसे कम उम्र की चैंपियन

इस जीत के साथ एंड्रीवा 2020 में इगा स्वियातेक के बाद फ्रेंच ओपन महिला एकल जीतने वाली टीनएज खिलाड़ी बन गईं। वह 1992 में मोनिका सेलेस के बाद फ्रेंच ओपन में सबसे कम उम्र की महिला चैंपियन भी हैं।

च्वालिंस्का लगातार 9 मैच जीतकर फाइनल पहुंची थीं

फाइनल में हार के बावजूद च्वालिंस्का का अभियान यादगार रहा। वर्ल्ड रैंकिंग में 114वें स्थान पर मौजूद पोलिश खिलाड़ी क्वालिफायर के रूप में टूर्नामेंट में उतरी थीं और लगातार नौ जीत दर्ज कर फाइनल तक पहुंची थीं।

भारत 7 साल बाद साउथ एशियन फुटबॉल चैंपियन बना

महिला टीम ने फाइनल में बांग्लादेश को 3-1 से हराया, रिकॉर्ड छठा टाइटल जीता

मडगांव (गोवा) (एजेंसी)। भारतीय महिला फुटबॉल टीम ने 7 साल बाद साउथ एशियन फुटबॉल चैंपियनशिप जीत ली है। उसने शनिवार रात फाइनल में डिफेंडिंग चैंपियन बांग्लादेश को 3-1 से हराया। भारत ने रिकॉर्ड छठी बार यह टूर्नामेंट जीता है। गोवा के मडगांव स्थित पंडित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में भारत के लिए प्यारी जाख्सा, सनफिदा नोंगरुम और लिंडा कोम सेर्तो ने एक-एक गोल किया। बांग्लादेश के लिए रितु पोर्ना ने इकलौता गोल किया।

ग्रेस ने इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास लिया - फाइनल के बाद भारतीय खेमे में जश्न का माहौल रहा। अनुभवी खिलाड़ी डांगमेई ग्रेस ने इसी मैच के बाद इंटरनेशनल फुटबॉल को अलविदा कह दिया। उन्होंने 2013 में भारत के लिए डेब्यू किया था और 95 इंटरनेशनल मैच खेलने के बाद अपने करियर का अंत एक और ख्रस्न खिताब के साथ किया।

अवेका सिंह टॉप स्कोरर रहीं - टूर्नामेंट के अवॉर्ड्स में भी भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा रहा। अवेका सिंह चार गोल के साथ शीर्ष स्कोरर रहीं। सनफिदा नोंगरुम को मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर चुना गया और पंथोई चानू एलांगबाम को बेस्ट गोलकीपर का पुरस्कार मिला। नेपाल को फेयर प्ले अवॉर्ड दिया गया।

- **हाफ टाइम तक 1-1 की बराबरी पर रहा मुकाबला** - भारत की ओर से प्यारी जाख्सा ने 42वें मिनट में पहला गोल किया। पहले हाफ के इंजरी टाइम में रितु पोर्ना चकमा ने गोल कर बांग्लादेश को बराबरी दिला दी। दूसरे हाफ की शुरुआत में सनफिदा नोंगरुम ने शानदार हेडर लगाकर भारत को 2-1 की बढ़त दिला दी।इसके बाद भारतीय टीम ने खेल पर नियंत्रण बनाए रखा। 82वें मिनट में लिंडा कोम सेर्तो ने बांग्लादेशी डिफेंस की गलती का फायदा उठाकर तीसरा गोल दागा और भारत की जीत सुनिश्चित कर दी।
- **पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही भारतीय टीम** - मेजबान भारत पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहा। टीम ने सभी चार मुकाबले जीते, 18 गोल किए और केवल एक गोल खाया। मौजूदा चैंपियन बांग्लादेश की लगातार तीसरी बार खिताब जीतने की उम्मीद भी टूट गई।

वैभव सूर्यवंशी बोले

● मैं वर्ल्ड क्रिकेट को डोमिनेट करूंगा

मुझे रेड बॉल खेलना पसंद, कोहली का कंधे पर हाथ रखना सपने जैसा था

पटना (एजेंसी)। वैभव सूर्यवंशी के भारतीय क्रिकेट टीम में चुने जाने के बाद राजस्थान रॉयल्स ने सोशल मीडिया पर उनका एक इंटरव्यू शेयर किया है। इसमें वैभव ने कहा कि मुझे सिर्फ अच्छा नहीं खेलना है, बल्कि अगले 10-20 साल तक डोमिनेट करना है। वैभव ने कहा कि मेरा सपना क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में खेलना है। राजस्थान रॉयल्स के टीम मैनेजर रोमी भिंडर के साथ इंटरव्यू में उन्होंने आईपीएल 2026 के फाइनल का भी जिक्र किया और कहा, जब विराट कोहली ने मेरे कंधे पर हाथ रखा तो मुझे ये किसी सपने की तरह लगा।15 साल वैभव सूर्यवंशी भारतीय क्रिकेट टीम में चुने गए अब तक के सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। उन्हें जून-जुलाई में आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज के साथ सितंबर में होने वाले एशियन गेम्स टीम के लिए चुना गया है। राजस्थान रॉयल्स की ओर से शेयर किए गए एक वीडियो में रोमी भिंडर ने वैभव सूर्यवंशी से पूछा- आईपीएल 2026 की जर्नी को किस तरह देखते हैं? इस पर वैभव ने कहा, आईपीएल का टूर्नामेंट दो से ढाई महीने तक चलता है। इसमें मेंटली और फिजिकली मजबूत रहना पड़ता है। हर मैच के बाद हम टीम में बैठकर चर्चा करते थे कि क्या कमी रह गई। कौन-सी गलती हुई और उसे दोबारा कैसे नहीं दोहराना है। इससे काफी फायदा हुआ, क्योंकि आपस में बातचीत करने से बहुत कुछ सीखने को मिलता है।

- **फाइनल खेलता तो और ज्यादा अच्छा लगता** - क्या आप आईपीएल 2026 के अपने परफॉर्मेंस से संतुष्ट हैं? के जवाब पर वैभव ने कहा, अगर आखिरी मैच में हम जल्दी विकेट नहीं गंवाते, तो शायद आईपीएल 2026 का फाइनल देख नहीं रहे होते, बल्कि खेलते। अगर टीम ट्रॉफी जीतती और उसके बाद मुझे ये अवॉर्ड्स मिलते, तो ज्यादा खुशी होती। उन्होंने आगे कहा, लोग पूछते हैं कि दूसरी ट्रॉफी कब आएगी। मुझे उम्मीद है कि सिर्फ दूसरी ट्रॉफी ही नहीं, बल्कि आने वाले सालों में तीसरी, चौथी और पांचवीं ट्रॉफी भी जीतेंगे।
- **ऑरेंज कैप छूने का शौक था, आज पहन रहा हूं** - रोमी भिंडर ने एक पुराना किस्सा याद दिलाते हुए कहा- वैभव जब पहली बार आपको ऑरेंज कैप मिली थी, तब आप हनुमान मंदिर गए थे और कहा था कि ऑरेंज कैप के बारे में नहीं सोचेंगे, वरना नजर लग जाएगी।

वेस्टइंडीज-श्रीलंका दूसरा वनडे बारिश के कारण रद्द

टॉस के बाद एक भी बॉल नहीं डली, सीरीज 1-1 की बराबरी पर आई

किंग्स्टन (एजेंसी)। श्रीलंका के वेस्टइंडीज दौरे का दूसरा वनडे बारिश के कारण रद्द कर दिया गया। किंग्स्टन के सबीना पार्क स्टेडियम में शनिवार रात को टॉस के बाद एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी। काफी देर इंतजार के बाद अंपायर्स ने मैच रद्द कर दिया। बारिश के कारण टॉस निर्धारित समय से 30 मिनट देरी से हुआ था। वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया था, लेकिन इसके बाद खेल नहीं हो सका।

विंडीज के लिए तीसरा मैच करो या मरो जैसा - पहला वनडे हार चुकी वेस्टइंडीज के लिए यह मुकाबला करो या मरो जैसा था। मैच रद्द होने के साथ ही उसकी सीरीज जीतने की संभावना समाप्त हो गई।मेजबान टीम सोमवार को तीसरा और अंतिम वनडे जीतकर सीरीज 1-1 से बराबर कर सकती है। वेस्टइंडीज के लिए आखिरी मैच वर्ल्ड कप क्वालिफिकेशन के लिहाज से भी अहम होगा। वनडे रैंकिंग में सुधार टीम की वर्ल्ड कप राह आसान कर सकता है।

शाई होप को स्पेशल जर्सी दी गई - इस बीच कप्तान शाई होप ने अपने करियर का 150वां वनडे खेलने की उपलब्धि हासिल की। उन्हें मैच से पहले विशेष जर्सी देकर सम्मानित किया गया, लेकिन बारिश के कारण उनका यह यादगार दिन मैदान पर अधूरा रह गया।

शमी ने बंगाल टी-20 लीग में हैट्रिक ली

सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स ने राढ़ टाइगर्स को 24 रन से हराया

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने बंगाल टी-20 लीग सीजन 3 में हैट्रिक ली। शनिवार को ईडनगार्डन्स में सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स और राढ़ टाइगर्स के बीच मुकाबला खेला गया। इस मुकाबले में मोहम्मद शमी ने हैट्रिक लेकर अपनी टीम सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स को 24 जीत दिलाई। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स ने विशाल भाटी की 86 रनों की ताबड़तोड़ पारी की मदद से 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 208 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया था। जवाब में राढ़ टाइगर्स की टीम 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 184 रन ही बना सकी। सिलीगुड़ी के लिए शमी ने 27 रन देकर 4 विकेट झटके, जबकि करण लाल ने 36 रन देकर 3 विकेट अपने नाम किए।

- **राढ़ टाइगर्स के लिए शुभम और राहुल की पारी बेकार गई** - 209 रनों के बड़े टारगेट का पीछा करने उतरी श्राची राढ़ टाइगर्स की टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। हालांकि, शुभम डे सीनियर ने 25 गेंदों में 48 रन और राहुल प्रसाद ने 26 गेंदों में 44 रनों की पारी खेलकर मैच को संभाला, लेकिन शमी और करण लाल की कसी हुई गेंदबाजी के सामने टीम लक्ष्य से 24 रन दूर रह गई। राढ़ टाइगर्स की टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 184 रन ही बना पाई।
- **दिन के पहले मैच में मालदा ने मुर्शिदाबाद किंग्स को हराया** - शनिवार को खेले गए दिन के पहले मुकाबले में सोबिस्को स्मैशर्स मालदा ने मुर्शिदाबाद किंग्स को 7 विकेट से मात दी। बारिश के कारण इस मैच को 15-15 ओवर का कर दिया गया था। पहले बैटिंग करते हुए मुर्शिदाबाद किंग्स ने 15 ओवर में 7 विकेट पर 134 रन बनाए थे। टीम की तरफ से दीपांशु ने सबसे ज्यादा 47 रन (33 गेंद) बनाए। मालदा के गेंदबाज सूरज सिंधु जायसवाल ने शानदार बॉलिंग करते हुए 18 रन देकर 3 विकेट लिए।
- **ऋतम पोरेल और अभिमन्यु ईश्वरन ने दिलाई मालदा को जीत** - 135 रनों के टारगेट का पीछा करने उतरी मालदा की टीम ने बेहद आसानी से 13.4 ओवर में 3 विकेट खोकर 138 रन बना लिए और मैच जीत लिया। मालदा की जीत में ऋतम पोरेल ने 29 गेंदों पर 50 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली। वहीं, टीम के कप्तान और घरेलू क्रिकेट के स्टार बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन ने 31 गेंदों पर 48 रनों की नाबाद पारी खेलकर टीम को जीत की दहलीज पार कराई।

- **16वें ओवर की आखिरी तीन गेंदों पर झटके विकेट** - मैच के 16वें ओवर में मोहम्मद शमी ने ओवर की चौथी गेंद पर शाहबाज अहमद को आउट किया।इसके बाद अगली ही गेंद (पांचवीं गेंद) पर रोहित कुमार को पवेलियन का रास्ता दिखाया।ओवर की आखिरी यानी छठी गेंद पर दीपांजन मुखर्जी को आउट कर शमी ने अपनी हैट्रिक पूरी की।शमी ने अपने 4 ओवर के कोटे में कुल 27 रन देकर 4 महत्वपूर्ण विकेट चटकाए।
- **विशाल भाटी और प्रमोद चंदीला की तेज बल्लेबाजी** - इससे पहले सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स की शुरुआत बेहद मजबूत रही।टीम के बल्लेबाज विशाल भाटी ने मैदान के चारों तरफ शॉट खेले।विशाल ने महज 46 गेंदों का सामना करते हुए 86 रनों की शानदार पारी खेली।इस पारी में उन्होंने 6 छक्के और 5 चौके लगाए।पारी के आखिरी ओवरों में प्रमोद चंदीला ने विस्फोटक बल्लेबाजी की।प्रमोद ने सिर्फ 16 गेंदों पर नाबाद 36 रन ठोककर टीम का स्कोर 200 के पार पहुंचाया।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 हो सकता है नेमार का आखिरी टूर्नामेंट

स्टार फुटबॉलर ने दिए संन्यास के संकेत

ब्राजील (एजेंसी)। ब्राजील के स्टार फुटबॉलर नेमार ने संकेत दिए हैं कि आगामी फीफा वर्ल्ड कप उनके शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर का आखिरी विश्व कप हो सकता है। 34 वर्षीय फॉरवर्ड ने सोशल मीडिया पर की गई एक टिप्पणी से अपने भविष्य को लेकर चर्चाओं को हवा दे दी है।

सोशल मीडिया पोस्ट पर नेमार का खास जवाब - फीफा ने हाल ही में नेमार के करियर की यादगार तस्वीरों के साथ एक पोस्ट साझा की थी, जिसमें लिखा था, हमने उन्हें बड़ा होते देखा है। इस पोस्ट पर नेमार ने कमेंट करते हुए सिर्फ तीन शब्द लिखे–द लास्ट डांस। उनके इस जवाब को कई लोग वर्ल्ड कप के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल को अलविदा कहने के संकेत के रूप में देख रहे हैं।

माइकल जॉर्डन से जुड़ा है द लास्ट डांस - द लास्ट डांस वाक्यांश खेल जगत में काफी प्रसिद्ध है। यह हूप्स के महान खिलाड़ी माइकल जॉर्डन के शिकागो बुल्स के साथ 1997-98 सीजन से जुड़ा हुआ है, जिसे उनके करियर का आखिरी अध्याय माना जाता है। नेमार के इस शब्द के इस्तेमाल ने उनके भविष्य को लेकर अटकलों को और तेज कर दिया है।

ब्राजील के सबसे सफल गोल स्कोरर हैं नेमार - नेमार ब्राजील के लिए अब तक 128 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं और 79 गोल के साथ देश के सर्वकालिक सबसे सफल गोल स्कोरर हैं। उन्होंने कई वर्षों तक ब्राजील की आक्रमण पंक्ति की अगुवाई की है और विश्व फुटबॉल के सबसे बड़े सितारों में गिने जाते हैं।

कप्तानी से हटाए जाने पर रोहित शर्मा ने कहा

सूर्यकुमार यादव को कुछ भी आसानी से नहीं मिला

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने सूर्यकुमार यादव का समर्थन किया है। उन्हें भारत की टी-20 टीम से बाहर करने और कप्तानी से हटाने के बाद रोहित ने कहा कि मुंबई के इस स्टार खिलाड़ी को कुछ भी आसानी से नहीं मिला।शनिवार को टी20 मुंबई लीग के दौरान रोहित ने सूर्यकुमार के टॉप तक पहुंचने के सफर पर बात की। उन्होंने उस लगन का जिक्र किया जिसकी वजह से वह 30 साल की उम्र के बाद भारतीय टीम में जगह बना पाए और आखिरकार टीम को टी20 वर्ल्ड कप जिताया। रोहित ने कहा, मुझे पूरा यकीन है कि कुछ भी आसानी से नहीं मिला, खासकर सूर्या के लिए। अगर मैं गलत नहीं हूं, तो उन्होंने 30 या 31 साल की उम्र में भारत के लिए डेब्यू किया था।